जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 50 संख्याः 243 प्रभात कोटा, मंगलवार 17 जून, 2025 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

इज़रायल का ''आयरन डोम'' डिफैंस सिस्टम ईरान के ''मल्टीलेयर्ड'' हवाई हमलों के सामने असफल रहा

''आयरन डोम'' की इस पराजय से भारत में अचानक ''खतरे की घंटियाँ'' बज उठीं

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 जून। ईरान द्वारा आयरन डोम में सेंध लगाना इस इज़राइली रक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता और मजबूती पर गंभीर सवाल खड़े करता है, विशेष रूप से ऐसी स्थिति में, जब उस पर तकनीकी रूप से सक्षम और समन्वित हमले किए जाएं। यह पहला अवसर था, जब आयरन डोम स्पष्ट रूप से व्याकुल सा नज़र आया। ईरान का सही तालमेल से किया गया हमला, जिसमें बैलिस्टिक मिसाइलें, क्रूज़ मिसाइलें और ड्रोन शामिल थे, इसके लेयर्ड डिफैन्स को चकमा देकर तेल अवीव के किरिया कंपाउंड सहित, कई शहरी और सैन्य लक्ष्यों को निशाना बनाने में सफल रहे।

कई सैन्य विश्लेषकों ने इस क्षण को एक ''रणनीतिक परिवर्तन बिंदु'' कहा है, अर्थात वह समय, जब किसी सिस्टम या संगठन को ऐसे बदलाव का सामाना करना पड़े, जो उसके भविष्य की दिशा व सफलता को प्रभावित कर दे। पर इसका मतलब यह नहीं कि आयरन डोम पूरी तरह विफल हो गया, इसने अब भी बड़ी संख्या में हमलों को विफल किया, लेकिन इसकी एक प्रमुख कमजोरी उजागर हो गई है, वो यह कि यह प्रणाली मूलतः छोटी रेंज के, कम मात्रा में होने वाले रॉकेट हमलों से निपटने के लिए बनाई गई थी, जो कि हमास और हिज़्बुल्लाह द्वारा किये जाते हैं, न कि ईरान जैसे बड़े राष्ट्र द्वारा किए जा रहे उच्च मात्रा और बहु-दिशात्मक हमलों से।

भारत, ने इज़राइल से कई रक्षा प्रणालियाँ, जैसे सतह से हवा में मार करने वाली, मिसाइल प्रणाली बराक, एयर डिफेंस सिस्टम स्पायडर, हेरोन यूएवी, हारोप लुटेरिंग म्यूनिशन और फाल्कन एडब्ल्यूसीएस खरीदी हैं, यह एक गंभीर पुनर्मूल्यांकन की आवश्यकता पैदा करता है। भारत के समक्ष भी इज़राइल की तरह जटिल सुरक्षा खतरे हैं, जिनमें परमाणु संपन्न पड़ोसी चीन और पाकिस्तान तथा कई अतिवादी समूह शामिल हैं। यह सेंध दर्शाती है कि इज़राइली प्रणालियाँ, भले ही ''एसिमेट्रिकल'' (असंयमित या असंतुलित) युद्ध में प्रभावी रही हों, परंतु तकनीकी रूप से सक्षम शत्रु के साथ पूर्ण युद्ध में वे पूर्ण सुरक्षा नहीं दे सकतीं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- भारत ने सदा इज़रायल के ''आयरन डोम'' सिस्टम पर पूरा भरोसा कर, इस सिस्टम के कई अवतार, जैसे, बराक सरफेस-टू-एयर मिसाइल सिस्टम, स्पाइडर एयर डिफैंस सिस्टम, आदि, खरीदे थे तथा शत्रु देश के हवाई हमले को घटिया मानते हुए चैन की नींद सो रहा था।
- ''आयरन डोम'' में छेद होने से यह भी साबित हुआ कि किसी भी ''डिफैंस सिस्टम'' पर पूरा भरोसा करके निश्चिंत हो जाना, कोई अक्लमंदी का काम नहीं है।
- प्रभावशाली सुरक्षा के लिए आयातित डिफैंस सिस्टम, (जैसे आयरन डोम) चाहे कहीं से, विदेश से, इज़रायल, अमेरिका, रूस आदि से आयातित हो, उसका स्वदेशी ''आर.एण्ड डी.'' वैपन सिस्टम से समन्वय होना जरूरी है। उदाहरण के लिए, डी.आर.डी.ओ. द्वारा भारत में विकसित आकाश व क्यू.आर.एस.ए.एम. डिफैंस सिस्टम ने पाकिस्तान के हवाई हमले, जिसमें लड़ाकू विमान व ड्रोन भारी संख्या में शामिल थे, को नाकाम किया था।
- निरंतर आर.एण्ड डी. ही भारत को कुछ सुरक्षा प्रदान कर सकती है।

आरएएस मुख्य परीक्षा स्थगित करने की याचिका पर सुनवाई नहीं हुई

जयपुर, 16 जून। आरपीएससी की ओर से मंगलवार से शुरु होने वाली आरएएस मुख्य परीक्षा-2024 को हाईकोर्ट में याचिका दायर कर चुनौती दी गई। आकाश मिश्रा व दो अन्य ने याचिका दायर कर मुख्य परीक्षा को स्थगित करने की गुहार की है। याचिकाकर्ताओं ने अवकाशकालीन न्यायाधीश मनीष शर्मा के समक्ष प्रकरण की सुनवाई सोमवार को ही करने की गुहार की थी, लेकिन अदालत ने सुनवाई से इनकार कर दिया।

याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने बताया कि आरपीएससी से 17 और 18 जुलाई को आरएएस भर्ती-2024 की मुख्य परीक्षा का आयोजन कर रही है, जबकि अभी तक आरएएस भर्ती-2023 की भर्ती प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है। वर्तमान में, इस परीक्षा के साक्षात्कार चल रहे हैं। ऐसे में, बीते साल की इस परीक्षा की प्रक्रिया पूरी होने तक आरएएस-2024 की मुख्य परीक्षा को स्थगित किया जाए।

याचिका में यह भी कहा गया कि प्रदेश के दोनों उपमुख्यमंत्री, एमएलए और एमपी मुख्य परीक्षा को स्थगित करने की सिफारिश कर चुके हैं। इस आधार पर परीक्षा स्थगित होने के निर्णय की प्रतीक्षा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- याचिका में कहा गया है कि 2023 की भर्ती प्रक्रिया पूरी नहीं हुई। उसके पूरे होने तक 2024 की परीक्षा स्थगित की जाए।

ट्रंप, इज़रायल-ईरान के बीच में भी युद्ध विराम कराने को लालायित

पर, ईरान कतर व ओमान को मध्यस्थ बनाना चाहता है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 जून। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि वह ईरान और इज़रायल के बीच जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए मध्यस्थता के अपने प्रयासों को लेकर आशावादी हैं, ठीक उसी तरह, जैसे उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच शांति प्रयास किए थे। इस बीच, ईरान ने ओमान और कतर जैसे क्षेत्रीय देशों से मध्यस्थता के लिए संपर्क किया है।

ईरान और इज़रायल के बीच सैन्य टकराव शुरू होने के लगभग 48 घंटे के भीतर, सीमित लेकिन केंद्रित कूटनीतिक प्रयास शुरू हो चुके हैं, जिनका उद्देश्य इस टकराव को और बिगड़ने से रोकना और अंततः कोई समाधान निकालना है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने घोषणा की,

''इज़रायल और ईरान के बीच जल्दी ही शांति होगी'' और दोनों देशों को ''समझौता करना चाहिए, और वे करेंगे भी।''अपने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा, ''इस समय बहुत सारे कॉल और बैठकें हो रही हैं। मैं बहुत कुछ करता हूं लेकिन मुझे कभी श्रेय नहीं मिलता, कोई बात नहीं, लोग तो समझते हैं। मिडिल ईस्ट को फिर से महान बनाएंगे।''

इस बीच, जैसे ही इज़रायल ने ईरान पर अपने हमलों का दायरा बढ़ाया, तेहरान ने कतर और ओमान से राजनयिक माध्यमों के जरिए संपर्क किया है और क्षेत्रीय मध्यस्थों से हस्तक्षेप कर बातचीत फिर से शुरु कराने का अनुरोध किया है। यह जानकारी रविवार को कई इज़रायली मीडिया संस्थानों ने इज़रायली सरकारी सूत्रों के हवाले से दी है। उन्हीं इज़राइली सरकारी सूत्रों के अनुसार, ईरान ने कतर और ओमान से अमेरिका तक यह संदेश पहुंचाने को कहा है कि वह संघर्षविराम पर बातचीत के लिए तैयार है, या फिर अमेरिका इज़रायल को हमला रोकने के लिए कहे। वहीं, सऊदी अरब भी कथित तौर पर इस संघर्ष को शांत करने के लिए गुप्त कूटनीति में सक्रिय है।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- जैसा कि विदित है, ट्रंप ने दावा किया था कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच ''सीज़फायर'' करवाया था।
- सऊदी अरब भी परोक्ष रूप से मध्यस्थता के प्रयास में जुड़ना चाह रहा है।
- ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने भी विदेशी राजदूतों से बातचीत करते हुए कहा कि ईरान ''नेगोशिएटिंग टेबल'' पर आकर, जैसा कि ट्रंप ने कहा है, अपनी न्यूक्लियर गतिविधियों पर नियंत्रण करने को तैयार है। मगर, अमेरिका को इज़रायल के हवाई हमलों को भी रोकना पड़ेगा।

सोनिया गांधी अस्पताल में भर्ती, हालत स्थिर

सोनिया गांधी को रविवार की रात पेट की तकलीफ के कारण सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया था

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 जून। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को रविवार रात पेट संबंधी समस्या के चलते सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सोमवार को उनकी स्थिति स्थिर बताई गई। डॉक्टरों की विशेष निगरानी में उनका इलाज चल रहा है और फिलहाल चिंता की कोई बात नहीं है। इससे पहले, उन्होंने शिमला में अपनी नियमित मैडिकल जाँच करवाई थी।

सर गंगा राम अस्पताल के चयरमैन डॉ. अजय स्वरुप ने इस बात की पुष्टि की तथा कहा, ''श्रीमती सोनिया गांधी को रात 9:00 बजे सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजे विभाग में पेट की समस्या के कारण भर्ती किया गया। फिलहाल उनकी हालत स्थिर है और डॉक्टरों की टीम उनकी सावधानीपूर्वक निगरानी कर रही है।''

अठहत्तर वर्षीय वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी, जो अब भी कांग्रेस पार्टी में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं, ने इससे पहले हिमाचल प्रदेश में चिकित्सीय सलाह ली थी। 7 जून को उन्हें मामूली अस्वस्थता के बाद शिमला के इंदिरा गांधी मैडिकल कॉलेज और अस्पताल (आईजीएमसी) ले जाया गया था, जहाँ उनका नियमित स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

मुख्यमंत्री के प्रमुख सलाहकार (मीडिया) नरेश चौहान ने उस समय स्पष्ट किया था कि उन्हें एहतियात के तौर पर आईजीएमसी लाया गया था।

उन्होंने कहा, वे कुछ मामूली समस्याओं के कारण, नियमित जाँच के लिए आई थीं। डॉक्टरों ने उनकी जाँच की और सब कुछ सामान्य पाया।''

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- सर गंगाराम अस्पताल के चैयरमैन डॉ. अजय स्वरूप ने कहा कि सोनिया गांधी को रात में सर्जिकल गैसट्रोएन्टेरोलॉजी विभाग में भर्ती कराया गया था। डॉक्टर्स की टीम उनकी निगरानी कर रही है, फिलहाल उनकी हालत स्थिर है।
- गत दिनों जब सोनिया गांधी शिमला में थीं तब भी उनकी तबियत कुछ बिगड़ गई थी और उन्हें जाँच के लिए शिमला के इंदिरा गांधी मैडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल ले जाया गया था, तब उनका ब्लड प्रैशर बढ़ा हुआ पाया गया था।

मई में बेरोजगारी दर बढ़कर 5.6 प्रतिशत हुई

नयी दिल्ली, 16 जून। देश में मई 2025 में बेरोजगारी की दर बढ़ कर 5.6 प्रतिशत हो गयी है।

केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय ने सोमवार को यहां जारी श्रम बल सर्वेक्षण - मई 2025 में कहा कि अप्रैल 2025 में बेरोजगारी की दर 5.1 प्रतिशत रही थी जो मई में बढ़ कर 5.6 प्रतिशत हो गयी है।

मंत्रालय ने बताया कि संबंधित सर्वेक्षण में 15 वर्ष से अधिक आयु के सभी लोगों को शामिल किया जाता है। मई 2025 के सर्वेक्षण के लिए 7511 गांवों और उप नगरों को शामिल किया गया। इसमें 89 हजार 372 परिवार रहे। कुल तीन लाख 79 हजार 600 लोगों से बात की गयी।

- सोमवार को जारी लेबर फोर्स सर्वे रिपोर्ट के अनुसार, अप्रेल में बेरोजगारी दर 5.1 प्रतिशत थी जो बढ़कर 5.6 प्रतिशत हो गई है।

1,500 कश्मीरी विद्यार्थी तेहरान के ''वॉर ज़ोन'' में फंसे हुए है

ये विद्यार्थी, तेहरान में मैडिकल की पढ़ाई कर रहे हैं, डॉक्टर बनने के लिए

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 जून। पश्चिम एशिया में इज़राइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव और युद्ध की स्थिति के बीच, भारत ने ईरान में फंसे लगभग 1,500 कश्मीरी छात्रों, जिनमें अधिकांश तेहरान और उसके आसपास मैडिकल की पढ़ाई कर रहे हैं, की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए तत्काल राजनयिक प्रयास शुरू किए हैं।

अधिकारिक सूत्रों के अनुसार, ईरानी सरकार ने भारत को आश्वासन दिया है कि संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में फंसे भारतीय नागरिकों, विशेष रूप से छात्रों के लिए, सुरक्षित निकासी का मार्ग तैयार किया जा रहा है। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ईरानी अधिकारियों के साथ मिलकर निकासी और अस्थायी आश्रय की व्यवस्था में सक्रिय रूप से जुटा है।

इस संकट ने जम्मू-कश्मीर में परिजनों के बीच गहरी चिंता पैदा कर दी है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के लोकसभा सांसद आगा सैयद रूहुल्लाह ने सैकड़ों चिंतित अभिभावकों की ओर से भावनात्मक अपील की है और भारत सरकार से अनुरोध किया है कि वह राजनयिक प्रयास तेज़ करे और हर संभव कदम उठाए, ताकि फंसे हुये युवाओं की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा, ''सरकार को तुरंत सक्रिय हो जाना चाहिए। ये छात्र घर से दूर, एक युद्ध क्षेत्र के बीच फंसे हुए हैं और उनकी सुरक्षा राष्ट्र की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।''

प्राप्त जानकारी के अनुसार, अधिकांश छात्र तेहरान के पास स्थित हुज्जत दोस्त अली छात्रावास में रह रहे हैं, छात्रावास ऐसे क्षेत्र के पास स्थित है, जो सैन्य कार्यवाही तेज होने पर प्रभावित हो सकता है। चिकित्सा छात्रों के अलावा, कई कश्मीरी युवा उद्यमी और व्यापारी भी ईरान में हैं, जो विभिन्न व्यावसायिक और शैक्षिणक गतिविधियों में लगे हुए हैं।

खासतौर से कश्मीर घाटी के श्रीनगर और अन्य हिस्सों में छात्र परिवारों में गहन चिंता का माहौल है। अभिभावक बता रहे हैं कि वे अपने बच्चों के साथ नियमित संपर्क में हैं, लेकिन संचार में बाधाएं, आपूर्तियों की कमी, और हवाई हमलों की आशंका के चलते छात्रों का भय बढ़ता जा रहा है। श्रीनगर-निवासी एक अभिभावक मुश्ताक अहमद ने कहा, ''हम हर दिन अपने बेटे से बात करते हैं, लेकिन उसकी आवाज़ में डर बढ़ता जा रहा है। हम सरकार से अपील करते हैं, कृपया हमारे बच्चों को घर वापस लाएं।''

विदेश मंत्रालय ने इस संकट को स्वीकार किया है और सूत्रों के अनुसार, एक आपातकालीन योजना पर काम किया जा रहा है, जिसमें वहाँ से निकलने के लिये सुरक्षित मार्गों की पहचान, आवश्यकता पड़ने पर भारतीय नागरिकों की एयरलिफ्टिंग, और क्षेत्र में सहयोगी देशों से समन्वय शामिल हैं। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने भारतीय नागरिकों तथा विद्यार्थियों के लिए एडवाइज़री भी जारी की है, जिसमें घर के अंदर रहने, भीड़-भाड़ वाले स्थानों से बचने, और दूतावास से लगातार संपर्क में रहने की सलाह दी गई है।

चूँकि भू-राजनीतिक स्थिति अस्थिर बनी हुई है, आने वाले दिन निकासी अभियानों के लिए निर्णायक होंगे। भारत की प्रतिक्रिया न केवल उसकी राजनयिक दक्षता की परीक्षा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- भारत सरकार इन विद्यार्थियों की हिफाज़त व उन्हें वहाँ से सुरक्षित निकालने के लिए प्रयासरत है।
- ईरान ने भी भारत सरकार को विश्वास दिलाया है कि ईरान भी पूरी तरह इसी कोशिश में लगा हुआ है कि कैसे इन विद्यार्थियों के लिए ''सेफ पैसेज'' की व्यवस्था करें, जिससे वे अपने देश पहुँच सकें।

प्र.मंत्री मोदी को मिला सायप्रस का सर्वोच्च नागरिक सम्मान

निकोसिया, 16 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सोमवार को यहां साइप्रस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से अलंकृत किया गया। साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस ने राष्ट्रपति महल में प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया और द्विपक्षीय बैठक के बाद एक संक्षिप्त समारोह में साइप्रस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'दि ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस-3' से अलंकृत किया।इस मौके पर मोदी ने कहा कि यह किसी नरेन्द्र मोदी का नहीं बल्कि 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान है और वह भारत के नागरिकों की ओर से पूरी विनम्रता से इस सम्मान को स्वीकार कर रहे हैं।

- सायप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस ने ''द ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस-3'' से मोदी को अलंकृत किया।

'बार-बार निरुत्साहित करने के बावजूद वरिष्ठ अधिवक्ता क्यों ग्रीष्मावकाश में सुप्रीम कोर्ट पैरवी करने आते हैं?'

सुप्रीम कोर्ट ने वरिष्ठ अधिवक्ताओं के इस आचरण पर भृकुटि तानी व कटाक्ष किया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 जून। सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर वरिष्ठ अधिवक्ताओं से अपील की है कि वे गर्मी की छुट्टियों के दौरान कोर्ट में पेश न हों, ताकि युवा वकीलों को केस लड़ने का अधिक अवसर मिल सके। सोमवार को कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ताओं की उपस्थिति पर असंतोष जताया।

न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी वराले की अवकाश पीठ ने यह टिप्पणी उस समय की, जब वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी आज ऐमटैक समूह के प्रवर्तक अरविंद धाम की ओर से अदालत में उपस्थित हुये। धाम ने मनी लॉण्डरिंग केस में अन्तरिम जमानत दिये जाने का अनुरोध किया था।

कोर्ट ने सुनवाई के दौरान, इस प्रकरण में रोहतगी की उपस्थिति के सिलसिले में मौखिक रुप से कहा, ''हमें समझ नहीं आता कि छुट्टियों में वरिष्ठ वकील क्यों पेश हो रहे हैं। इस कोर्ट ने पहले भी इस पर टिप्पणी की है।''

यह पहला अवसर नहीं है, जब सुप्रीम कोर्ट ने वरिष्ठ वकीलों से अवकाश काल में मामलों की बहस से दूर रहने की बात कही है।

जून 2023 में न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने कहा था कि ग्रीष्मकालीन छुट्टियों के दौरान, एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड या जूनियर वकीलों को अपने केस प्रस्तुत करने का, तथा उनमें बहस करने का अवसर मिलना चाहिए।

मई 2024 में भी न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति संजय करोल की पीठ ने यही भावना दोहराई थी तथा कहा था कि वरिष्ठ वकीलों को कोर्ट के अवकाश के दौरान, बार के युवा सदस्यों को मुकदमों में बहस करने को अवसर देना चाहिये। जस्टिस करोल ने उस समय कहा था, ''हम चाहते हैं कि युवा बार आगे बढ़े, अवकाश का उद्देश्य भी यही था - युवा अधिवक्ताओं को मंच देना।''

पिछले महीने भी न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति एससी शर्मा की पीठ ने यही राय व्यक्त की थी कि वरिष्ठ वकीलों को गर्मियों की छुट्टियों में कोर्ट में होने वाली सुनवाइयों व बहस से दूर रहना चाहिए।

हालांकि सोमवार को कोर्ट ने वरिष्ठ अधिवक्ता रोहतगी की उपस्थिति पर सवाल उठाया और कहा कि वे कोर्ट के अवकाश के दौरान, केस में बहस करने क्यों आये हैं, लेकिन अंततः कोर्ट ने उनकी संक्षिप्त दलीलें सुन लीं।

रोहतगी ने कहा कि उनके मुवक्किल पिछले 11 महीनों से हिरासत में हैं और उनकी नियमित जमानत याचिका फरवरी 2025 से दिल्ली

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- सुप्रीम कोर्ट का मानना है कि ग्रीष्मावकाश के दौरान जब कोई मुकदमा सुप्रीम कोर्ट की ''वैकेशन बैंच'' में लगता है, यह मौका होता है, युवा वकीलों, एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड को बहस करने का, पर, वैकेशन बैंच के समक्ष अगर, फिर वरिष्ठ अधिवक्ता ही आते हैं तो वो युवा वकीलों का ''मौका'' छीनते हैं, जो उचित नहीं है।
- वैकेशन बैंच ने सोमवार को यह टिप्पणी उस समय की, जब, मुकुल रोहतगी अपने क्लाइंट को जमानत दिलवाने के लिए बैंच के सम्मुख पेश हुए।
- बैंच ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की तीन सदस्यीय बैंच जमानत के लिए दायर इस अर्ज़ी को पहले ही रद्द कर चुकी है। अतः, अब वरिष्ठ अधिवक्ता वैकेशन बैंच के समक्ष पुनः अपनी अर्जी पेश कर रहे हैं, यह उचित नहीं है।
- मुकुल रोहतगी ने अपनी जमानत की अर्जी वापस लेने का प्रयास किया।

करोना संक्रमण से 11 मरीजों की मौत

नयी दिल्ली, 16 जून। देश में पिछले 24 घंटों के दौरान करोना संक्रमण से 11 और मरीजों की मौत होने से इस वायरस से मरने वालों की कुल संख्या 108 पहुंच गयी और 119 सक्रिय मामले घटने के साथ कुल सक्रिय मामले 7264 हो गये हैं। इससे पहले रविवार को करोना के एक्टिव केसों की कुल संख्या 7383 थी।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से आज जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में कोराना के संक्रमण से केरल में सात,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- इसी बीच एक अच्छी खबर यह है कि करोना के एक्टिव केसों में मामूली गिरावट आई है। रविवार को करोना के एक्टिव केस 7383 थे जो सोमवार को घटकर 7264 रह गए।

विचार बिन्दु

असफलता नहीं, अपितु निकृष्ट ध्येय ही अपराध है। –जे. आर. लावेल

हादसा-दर-हादसा, न कोई जिम्मेदार न किसी को सजा

गत चार दिनों में देश में तीन बड़े हादसे हुए– पहला, 12 जून 2025 को अहमदाबाद से लंदन जाने वाले एयर इंडिया के विमान के क्रैश होने से 241 यात्रियों एवं लगभग 60 अन्य व्यक्तियों की दर्दनाक मौत, दूसरा हादसा केदारनाथ जाने वाले हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने से पायलट समेत सात यात्रियों की मृत्यु और तीसरा हादसा पुणे शहर में पुल के टूटने से लगभग 30 पर्यटक नदी में बहने का, जिनमें से तीन के मृत्यु की पुष्टि। आइए, हम इन पर एक-एक कर विचार करें।

12 जून 2025 को अहमदाबाद से लंदन जाने वाला एयर इंडिया का विमान एआई 171 बोइंग ड्रीम लाइनर 787 उड़ान भरने के 2 मिनट बाद ही दुर्घटनाग्रस्त होकर क्रैश हो गया और इसके कारण विमान में सवार 242 व्यक्तियों में से 241 की मृत्यु हो गई। इसके अलावा मेडिकल हॉस्टल और उसके आसपास के क्षेत्र में रहने वाले लगभग 60 लोगों की भी मृत्यु हो गई। ये मलबे में दबकर अथवा विमान में लगी आग के कारण जलने से मौत का शिकार हुए।

न्याय संहिता के अनुसार एक व्यक्ति की हत्या करने पर दोषी को आजीवन कारावास अथवा फांसी की सजा होती है। इस विमान हादसे में लगभग 300 व्यक्तियों की मृत्यु हुई, किंतु किसी को दोषी माना जाकर सजा दी जाने की संभावना, पूर्व अनुभव के आधार पर नगण्य है। भारत सरकार ने इस हादसे की जांच के लिए उच्च स्तरीय समिति बना दी है जो तीन माह में अपनी रिपोर्ट देगी । ऐसा ही हर हादसे के समय होता है। जांच होती है, मुआवजा दिया जाता है, रिपोर्ट आती है, किंतु न किसी की जिम्मेदारी तय होती है और न किसी को सजा मिलती है। लोग अगले हादसे के इंतजार में लग जाते हैं।

विमान हादसे में मारे गए डॉ प्रतिक जोशी का पूरा परिवार था जो लंदन में बसने के लिए इस विमान से जा रहा था। इसी हादसे में भाई-बहन शुभ और शगुन मोदी भी मृत्यु के शिकार हो गए, जो घूमने के लिए लंदन जा रहे थे । एक व्यक्ति जिसकी कोर्ट मैरिज दो दिन पहले ही हुई थी वह भी हादसे का शिकार हो गया, जबकि उसकी शादी कुछ समय बाद समारोह पूर्वक होनी थी। मारे गए प्रत्येक परिवार की एक दर्दनाक कहानी है जिसे उनके परिजन जीवन पर्यन्त कभी भूल नहीं पाएंगे। हां, यह अवश्य है कि सरकार द्वारा इसे भी अन्य हादसों की तरह एक और हादसा साबित कर दिया जाएगा जिसके लिए कोई दोषी नहीं ठहराया जाएगा एवं न किसी को सजा दी जाएगी। यही वह कारण है जिससे ऐसे हादसे रुकते नहीं हैं।

जिम्मेदारी तय न होने वाले कुछ हादसों का उल्लेख करना उपयुक्त होगा।

बिजली के झूलते तारों से संपर्क में आने पर बसों में करंट से अनेक लोग झुलसने से मर गए, किंतु इसके लिए किसी को दोषी नहीं ठहराया गया एवं न किसी को सजा दी गई । इसे हादसा माना जाएगा या किसी विद्युत अभियंता के द्वारा की गई हत्या क्योंकि उसने अपना कर्तव्य का निर्वहन नहीं किया?

मोटरसाइकिल पर जाने वाला व्यक्ति सड़क पर बैठे हुए किसी सांड से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो जाए और उसकी मृत्यु हो जाए तब भी किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया जाएगा, न नगर निगम के किसी व्यक्ति को इसके लिए सजा मिलेगी।

सड़क पर स्ट्रीट लाइट के अभाव में प्रकाश व्यवस्था न होने से अंधेरे में वाहन चलाते हुए यदि कोई वाहन चालक खड्डे में गिरकर चोटिल हो जाए या मर जाए तो भी उसके लिए कोई जिम्मेदार नहीं है। यही कहा जाता है कि यह विधि का विधान है और परिजन भी इसे अपना भाग्य मानकर, थक- हार कर बैठ जाते हैं।

अस्पताल में किसी व्यक्ति को गलत ब्लड ग्रुप का खून चढ़ाने से उसकी मृत्यु हो जाए फिर भी डॉक्टर, कर्मचारियों या अस्पताल प्रशासन को दोषी मानकर किसी को सजा दी गई हो, ऐसी कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है।

लगभग दो साल पहले जयपुर-अजमेर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भांकरोटा के पास गलत कट देने के कारण टैंकर और बस में टक्कर के कारण विस्फोट होने से कई व्यक्ति झुलस कर मर गए। यह जानकारी नहीं है कि इस लापरवाही के लिए किसी की जिम्मेदारी निर्धारित की जाकर उसे दंडित किया गया हो।

लंबे समय तक सड़क चौड़ी करने के बाद, तारों को हटाने के बाद भी कई महीनों तक खंभे, बीच में ही गड़े रहते हैं । इन खंभों से अंधेरे में टकराकर यदि कोई व्यक्ति दुर्घटनाग्रस्त होकर अपनी जान से हाथ धो बैठे, तो क्या उसके लिए किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए? जिम्मेदार नहीं ठहराए जाने की यही प्रवृत्ति ऐसी दुर्घटनाओं को प्रोत्साहित करती है।

हाल ही में जयपुर में एक ज्वेलर की फैक्ट्री के सेफ्टी टैंक में सफाई कर रहे श्रमिकों में से चार की जहरीली गैस के कारण मौत हो गई। इसे प्राकृतिक आपदा नहीं कहा जा सकता। इसके लिए क्या उन जिम्मेदार व्यक्तियों जिन्होंने अपने मजदूरों को सेफ्टी टैंक में उतरने के लिए बाध्य किया, के विरुद्ध हत्या का प्रकरण दर्ज नहीं होना चाहिए?

एयर इंडिया के दुर्घटनाग्रस्त वायुयान के वॉइस रिकॉर्डर से मिली प्रारंभिक जानकारी से पता लगता है कि चालक ने यह संदेश दिया था–मे डे... मे डे....मे डे..नो पावर...नो थ्रस्ट...गोइंग डाउन..." । क्या इस प्रकार की स्थिति आने के लिए विमान कंपनी या मेंटेनेंस करने वाले किसी व्यक्ति की कोई जिम्मेदारी नहीं है? लगभग ढाई सौ लोगों को इतनी लंबी यात्रा पर ले जाने के पहले क्यों नहीं सभी प्रकार के सुरक्षा मानदंडों की जांच की गई ?

> **कुल मिलाकर यही कहा जा सकता है कि विभिन्न हादसों में किसी उच्च अधिकारी या मंत्री की जिम्मेदारी तय न किया जाना ही इस प्रकार के हादसे को रोकने में असफल होने का प्रमुख कारण है। आशा की जानी चाहिए कि इस बार ऐसा नहीं होगा और उच्च स्तर पर बैठे दोषी व्यक्तियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी एवं उन्हें हत्या के आरोपी की तरह दंडित किया जाएगा। जांच रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जाएगा।**

यह उल्लेखनीय है कि एयर इंडिया को डायरेक्टर जनरल, सिविल एविएशन द्वारा गत साल में सुरक्षा के पूर्ण उपाय न करने एवं पायलटो की उपयुक्त ट्रेनिंग नहीं होने और विभिन्न तकनीकी खामियों के लिए एयर इंडिया के सी ई ओ कैंपबेल विल्सन को अनेक बार नोटिस दिए गए। संतोष जनक जवाब न मिलने के कारण एयर इंडिया पर जनवरी 2024 में 30 लाख रुपए, मार्च, 2024 में 80 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया गया । यदि सुरक्षा मानकों की पूर्ति न होने के कारण डीजीसीए द्वारा इस एयरलाइंस का लाइसेंस निलंबित या रद्द कर दिया जाता तो फिर आधी-अधूरी सुरक्षा व्यवस्था के साथ यह विमान अहमदाबाद से उड़ान नहीं भर पाता और तब शायद यह हादसा नहीं होता। किसी यांत्रिक कमी के कारण कोई उपकरण समय पर सही तरह काम नहीं करे तो इसके लिए विमान कंपनी को दोषी माना जाना चाहिए। यदि विमान के उड़ान से पूर्व सुरक्षा मानकों की पालना सुनिश्चित नहीं की गई, तो उसके लिए जिम्मेदार लोगों को दोषी क्यों नहीं करार दिया जा सकता?

यह बताया गया कि एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया, डायरेक्टर, जनरल सिविल एविएशन एवं इनके अधीनस्थ विभागों में में अनेक पद रिक्त पड़े हैं, जिनके कारण आवश्यक सुरक्षा जांच में कोताही होना स्वाभाविक था। यही ड्रीमलाइनर हवाई जहाज उसी दिन प्रातः दिल्ली से अहमदाबाद आया था और उसके बारे में यात्रियों ने शिकायत की थी कि एयर कंडीशनर और प्रकाश व्यवस्था उपयुक्त नहीं थी। कहा जा सकता है कि इन कमियों का सुरक्षा से कोई संबंध नहीं है, किंतु यह तो स्पष्ट है कि उड़ान से पूर्व विमान की सारी व्यवस्थाओं की जो जांच हो जानी चाहिए थी, उसमें कहीं लापरवाही बरती गई थी। सरकारी संस्थाओं में जिनके ऊपर पर्याप्त संख्या में कर्मचारियों को लगाने की जिम्मेदारी है, क्या उनकी कोई जिम्मेदारी नहीं है? गृहमंत्री अमित शाह ने तो दुर्घटना स्थल पर यह कह दिया कि यह मात्र दुर्घटना है। हमें यह अंतर समझना होगा कि मानव द्वारा बरती गई लापरवाही के कारण होने वाली दुर्घटना, दुर्घटना नहीं है। वह हत्या की श्रेणी में आता है, जिसके लिए दोषियों को कड़ा दंड दिया जाना चाहिए।

सरकार ने जांच समिति को तीन माह में रिपोर्ट देने हेतु कहा है। तीन माह का समय बहुत लंबा होता है। तब तक शायद इस दुर्घटना को भुला दिया जाएगा। केवल उन परिवारों को यह दुःख जीवन भर सालता रहेगा, जिन्होंने अपने परिजनों को इसमें खोया है।

15 जून, 2025 को केदारनाथ में हेलीकॉप्टर क्रैश होने के पीछे यही कारण था कि हेलीकॉप्टर चलाने वाली कंपनियों ने न सुरक्षा का कोई ध्यान रखा, न पायलट कितने घंटे काम कर रहे हैं, इस पर सरकार की एजेंसियों ने कोई ध्यान दिया। हेलीकॉप्टर चलाने वाली कंपनियों का उद्देश्य केवल मात्र यात्रियों से अधिकाधिक पैसे वसूल करना रहा। 3000 रुपए के टिकट के लिए 25000 तक दलालों के माध्यम से वसूल किए जा रहे थे। यदि इसके लिए कोई एस ओ पी (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर) होता और उसकी पूरी पालना की जाती, तो निरंतर होने वाली ऐसी दुर्घटनाएं नहीं होतीं और पर्यटकों को बेमौत नहीं मरना पड़ता। इसे भी संभव है, एक हादसा बता कर हेलीकॉप्टर कंपनी फिर पैसे कमाने में जुट जाएगी।

15 जून को ही पुणे में इंद्रायणी नदी पर बने पुल के टूटने से अनेक लोग बह गए जिनमें से चार की मौत हो गई। इस पुल को बहुत पुराना और जीर्ण-शीर्ण अवस्था में होना बताया गया है। यदि वह पुराना था और चलने लायक नहीं था तो, उसे बंद क्यों नहीं किया गया? क्या इसके लिए कोई जिम्मेदार नहीं है?

हादसों को दो श्रेणियों में बांटा जा सकता है, एक वे, जो मनुष्य के नियंत्रण से बाहर हैं एवं केवल पूरी तरह प्राकृतिक आपदा हैं जैसे भूकंप, आकाश से बिजली गिरना आदि। दूसरे वे, जो मानव निर्मित हैं जैसे सड़क में खड्डे होना, बिजली के झूलते तार होना, किसी भी वायुयान की समय पर सुरक्षा की दृष्टि से उपयुक्त और पर्याप्त जांच न होना, व्यक्ति को सेफ्टी टैंक में उतारना, नाव में बैठे व्यक्तियों का लाइफ जैकेट के अभाव में डूब कर मर जाना। इनके लिए जिम्मेदार व्यक्तियों का कृत्य किसी भी दृष्टि से क्षम्य अपराध नहीं हैं। ऐसे प्रकरण में व्यक्ति विशेष की जिम्मेदारी तय की जाकर उसे दंड दिया जाना आवश्यक है । केवल छोटे कर्मचारियों, अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराने से भी काम नहीं चलेगा। इसके लिए जब तक बड़े अधिकारियों और मंत्रियों आदि को जिम्मेदार मानकर कर उनको दंडित नहीं किया जाएगा, तब तक इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकना संभव नहीं होगा।

नैतिकता तो वैसे भी आजकल के राजनीतिज्ञों में बची ही नहीं है। आजकल लाल बहादुर शास्त्री जैसे नेता तो है नहीं, जिन्होंने केवल एक रेल दुर्घटना के कारण रेल मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था। यहां तो देश के सबसे बड़े हादसे में 300 व्यक्तियों के मारे जाने के बावजूद न तो सिविल एविएशन मंत्री ने इस्तीफा दिया एवं न इस महत्वपूर्ण अवसर पर प्रधानमंत्री ने देश को संबोधित कर कड़ी कार्यवाही का आश्वासन दिया।

ऐसे विमान हादसों में जिम्मेदारी से बचने का सबसे आसान तरीका यह होता है कि पायलट को दोषी बता दिया जाए, क्योंकि पायलट की तो मृत्यु हो चुकी है। उसका कोई बयान भी नहीं आ सकता। ऐसा करके मामले को रफा-दफा कर दिया जाता है।

यह उल्लेखनीय है कि एयर इंडिया का अधिग्रहण टाटा ग्रुप ने रतन टाटा के जीवन काल में किया था किंतु कुछ ही समय बाद रतन टाटा का स्वर्गवास हो गया। इस बात का केवल अनुमान लगाया जा सकता है कि यदि रतन टाटा जीवित होते तो क्या वे सुरक्षा मानकों में इस प्रकार की कोताही बर्दाश्त करते?

कुल मिलाकर यही कहा जा सकता है कि विभिन्न हादसों में किसी उच्च अधिकारी या मंत्री की जिम्मेदारी तय न किया जाना ही इस प्रकार के हादसे को रोकने में असफल होने का प्रमुख कारण है । आशा की जानी चाहिए कि इस बार ऐसा नहीं होगा और उच्च स्तर पर बैठे दोषी व्यक्तियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी एवं उन्हें हत्या के आरोपी की तरह दंडित किया जाएगा। जांच रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जाएगा। कहीं ऐसा न हो कि फिर वही कहानी दोहराई जाए कि हादसा हुआ, जांच हुई, मुआवजा मिला और फिर उसे भुला दिया गया। यदि ऐसा हुआ तो यह उपरोक्त लिखित तीनों हादसों में मारे गए व्यक्तियों के परिजनों के घाव पर नमक छिड़कने जैसा ही होगा। यदि एक बार उच्च स्तर पर जिम्मेदार व्यक्तियों को हत्या के आरोपी की तरह सजा दे दी गई तो भविष्य में सुरक्षा के काम को अत्यंत गंभीरता से लिया जाएगा और इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति से भी बचा जा सकेगा। जवाब देही की संस्कृति को बढ़ावा देना होगा ताकि विभिन्न मानव निर्मित हादसों का शिकार होकर निर्दोष लोग अपना जीवन न खोएं।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

"वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान" से जल संरक्षण को नई दिशा मिल रही है

नवीन कुमार आनंदकर

राजस्थान एक ऐसा प्रदेश है, जो अपनी भिन्न-भिन्न भौगोलिक छटाओं के साथ प्रकृति की शुष्कता में अपने रहवासियों की जीवटता के बल पर उत्सव, उल्लास, परंपरा व संस्कृति के असंख्य रंगों से रंगा हुआ है। इन्हीं रंगों में से एक रंग प्रदेश की जल के प्रति आस्था व उसके संरक्षण को लेकर विकसित की गई परंपरागत विधियां हैं। पानी की महत्वता यहां की लोकोक्ति "घी ढुले म्हारो, कुछ न जासी थारो, पानी ढुले थारो जी बळे म्हारो" में भी दृष्टिगत होती है। इसीलिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश में शुरू किया है- "वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान"। इस अभियान के माध्यम से प्रदेश में जल संरक्षण को नई दिशा दी जा रही है। बूंद-बूंद को मोती के समान सहेजने की हमारी प्राचीन सांस्कृतिक विरासत रही है। यही विरासत हमें जल संरक्षण की सबसे बड़ी सीख देती है। बरसात और पानी का आना राजस्थानी लोक जीवन में मंगल और उत्सव का सूचक है। इसी से वर्षा ऋतु को लेकर असंख्य लोकगीत राजस्थान में हैं। कृषि से जुड़े त्योंहार, वर्षा से जुड़ी लोकोक्तियां पानी के महत्व और संरक्षण से जुड़ी परंपराएं व आस्था राजस्थान की जल संचयन संस्कृति को दर्शाती हैं। हमारे पुरखों की भांति यदि हम वर्षा जल संचयन को लेकर सतर्क नहीं हुए तो भविष्य में भू-जल संकट का सामना हमारी नियति बन जाएगा। वैश्विक स्तर की बात करें तो दुनिया की एक-चौथाई आबादी जल संकट से जूझ रही है। प्रदेश में वर्षा की कमी तथा भू-जल के सीमित भंडारों के दृष्टिगत नई तकनीकों से युक्त वर्षा जल संरक्षण पद्धितयों के साथ ही पारंपरिक विधियां भी उपयोगी हैं, इनमें प्रमुखतः इस प्रकार हैं-

बावड़ी :- बावड़ियों का निर्माण मुख्य रूप से जल संरक्षण के लिए ही किया गया था। यह एक प्राचीन तकनीक थी, जो पानी के भंडारण और उपयोग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती थी। राजस्थान में आज भी कई प्रसिद्ध बावड़ियां हैं, जो अपनी वास्तुकला और ऐतिहासिक महत्व के लिए जानी जाती हैं।

टोबा :- नाड़ी के समान आकृति वाला जल संग्रह केन्द्र 'टोबा' कहलाता है। इसमें ढलान नीचे की ओर होता है, जिससे वर्षा जल का इसमें संग्रहण हो जाता है।

कुंड :- इसका निर्माण मुख्यतः मरुभूमि में किया जाता है। रेतीले इलाकों में वर्षा जल को संग्रहित करने की यह प्रमुख विधि रही है। इसके अतिरिक्त पहाड़ पर निर्मित किलों, घरों के आंगन, मंदिरों तथा खेतों में भी बारिश के पानी को इकट्ठा करने के लिए कुंड का निर्माण किया जाता है।

खड़ीन :- जैसलमेर के पालीवाल ब्राह्मणों द्वारा विकसित पारंपरिक जल संचयन संरचना है। यह राजस्थान की शुष्क जलवायु में कृषि के लिए उपयोग की जाती है। इसमें एक लंबी, मिट्टी का बांध होता है, जो ढलानों के पार बनाया जाता है, ताकि बारिश के पानी को इकट्ठा किया जा सके। इनके अलावा कुई, जोहड़, तालाब, झालरा आदि जल संरक्षण की विधियां भी प्रदेश के विभिन्न भागों में अन्य नामों से प्रचलित रहीं हैं।

जल संकट राज्य की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। राज्य के अधिकांश हिस्से कृषि पर निर्भर हैं और कृषि के लिए जल की आपूर्ति के बिना उत्पादन को बढ़ाना असंभव हो जाता है। इसके अलावा बढ़ती आबादी और औद्योगिकीकरण ने भी जल संसाधनों की मांग को और बढ़ा दिया है। वर्षा जल संचयन, आधुनिक सिंचाई तकनीकों का उपयोग, जल पुनर्चक्रण और जल प्रबंधन उपायों के माध्यम से जल संकट को टाला जा सकता है। एक संयुक्त प्रयास ही जल संकट से निपटने के लिए कारगर सिद्ध हो सकता है। अगर समय रहते सही कदम उठाए जाएं तो जल संकट की चुनौती से निपटा जा सकता है, जिससे कृषि, पर्यावरण तथा अर्थव्यवस्था को भी लाभ मिलेगा। नवाचार व प्राचीन पद्धितयों के समागम तथा जल संरक्षण के सामूहिक प्रयासों के माध्यम से राजस्थान में जल संकट की स्थिति में सुधार संभव है। इन उपायों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए जन चेतना सर्वाधिक महत्वपूर्ण घटक है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में प्रदेश में जल संरक्षण जागरूकता के लिए "वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान" का शुभारंभ किया गया। इस अभियान का उद्देश्य आम लोगों को एकजुट और जागरूक करके जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाना है। हमारे नदी, तालाब, कुएं, बावड़ी व अन्य जलस्त्रोत हमारी आने वाली पीढियों और मानव सभ्यता के आधार स्तंभ हैं। यह हमारा अनिवार्य दायित्व है कि हम इस महत्वपूर्ण अभियान में सच्चे हृदय से जुड़ें और अभियान के उद्देश्य, जो न सिर्फ मानव जाति, अपितु पशु-पक्षी, वृक्ष व वनस्पति के लिए भी कल्याणकारी हैं, को शत-प्रतिशत प्राप्त करें। इनके साथ ही, जल संरक्षण व संचयन की नवीन विधियों पर अनुसंधान वप्राचीन विधियों के संवर्धन का भी निश्चयात्मक प्रयास हमारी ओर से निरंतर होना चाहिए। युगद्रष्टा संत रहीम ने भी कहा है- "रहिमन पानी राखिए, बिनु पानी सब सून। पानी गए न उबरै, मोती, मानुष, चून।।"

नवीन कुमार आनंदकर,
जनसम्पर्क अधिकारी,
राजस्थान लोक सेवा आयोग।

नई और पुरानी पीढ़ी के बीच द्वंद्व और प्रतिद्वंद : एक विचारणीय प्रश्न!

सुनील दत्त गोयल

आज, हमारे भारत के बारे में एक कड़वा सच लिखने बैठा हूँ। बात है नई जमाने के लोगों और पुरानी पीढ़ी के बीच के फासले की। दोनों की सोच, समझ और ज़िंदगी देखने का नज़रिया कितना अलग हो गया है, ये गौर करने वाली बात है। ये भी देखना ज़रूरी है कि इस सोच के फर्क का हमारे समाज पर क्या असर पड़ रहा है? फायदा क्या है, नुकसान क्या हो रहा है?

पुरानी पीढ़ी का नज़रियाः– वो लोग जिन्होंने गुलामी का दौर देखा, आज़ादी की लड़ाई देखी, देश का बंटवारा झेला, और फिर उसके बाद धीरे-धीरे बढ़ते भारत को देखा... उनकी ज़िंदगी बिल्कुल अलग हालात में गुज़री। उनके मूल्य बने थे त्याग, संयम और सबके भले की सोच पर। कम संसाधनों में गुज़ारा करना, मुश्किलों का सामना करना उनकी आदत में शुमार था। उनकी जड़ें परंपरा और रिवाज़ों में गहरी थीं। समाज को कैसे बांधे रखें, ये उनकी पहली प्राथमिकता थी।

नई पीढ़ी का रुखः– इधर नई पीढ़ी, जो टेक्नोलॉजी और ग्लोबलाइजेशन के बीच पली-बढ़ी है, उसकी सोच और ख्वाहिशें बिल्कुल बदल गई हैं। ये ज्यादा महत्वाकांक्षी हैं, आज़ाद ख्याल हैं और अपनी निजी ज़िंदगी को तरजीह देते हैं। इंटरनेट के ज़रिए दुनिया भर का अनावश्यक एवं अवांछनीय ज्ञान जिसकी उन्हें कोई आवश्यकता नहीं है वह उनकी मुट्ठी में है, जिससे उनकी सोच का दायरा काफी बदल गया है या बड़ा हुआ है। ये एक्सपेरिमेंट और नई चीज़ों को पसंद करते हैं। समाज में बदलाव को लेकर खुले दिमाग के हैं।

कहाँ दिखता है ये फर्क?

ये फर्क हर जगह दिख जाता है:–

1. पढ़ाई-लिखाईः पुराने लोगों के लिए शिक्षा का मतलब था ज्ञान और चरित्र बनाना। आज के युवा इसे करियर बनाने और पैसा कमाने का ज़रिया मानते हैं।

2. नौकरी-धंधाः पहले स्टेबिलिटी और सुरक्षा सबसे बड़ी बात थी। आज का युवा जोखिम उठाकर अपना काम शुरू करना (स्टार्टअप) चाहता है।

3. परिवार और रिश्तेः पुरानी पीढ़ी संयुक्त परिवार और सामाजिक ज़िम्मेदारियों को तवज्जो देती थी। नई पीढ़ी अपनी आज़ादी और प्राइवेसी, अपने ख्याल अपने विचार और अपने फैसलों को भले ही वह आज के इस खतरनाक युग में खरे न उतरते हो और केवल मात्र उनको दिखावे का भ्रम हो, मैं सही हूं और मैं ही ठीक हूं, को ज्यादा अहमियत देती है।

समाज पर क्या असर?

इस बदलाव का समाज पर गहरा असर पड़ा है। एक तरफ, नई पीढ़ी की आधुनिक सोच और टेक्नोलॉजी की जानकारी ने देश को तेज़ी से आगे बढ़ाया है। नए उद्योग खुले हैं, नौकरियों के रास्ते बने हैं, भारत का दुनिया में दबदबा बढ़ा है। लेकिन दूसरी तरफ, एक कड़वी हकीकत ये भी है कि पुरानी पीढ़ी के सिद्धांतों और मूल्यों को नज़रअंदाज़ करने से समाज में कई बुराइयाँ आई हैं। पारिवारिक बंधन ढीले पड़े हैं। 'मैं' और 'मेरा' की भावना बढ़ी है। सहनशीलता, बड़ों का आदर, उनके अनुभव की क़दर करने की समझ - ये सब कहीं खो सा गया है। मेरा निजी तजुर्बा और मानना यही है कि आज की पीढ़ी के बहुत से लोग मौके का फायदा उठाने वाले (अवसरवादी) बन गए हैं। और ऐसा करके वो खुद का ही नुकसान कर रहे हैं। उन्हें बुजुर्गों का तजुर्बा एक ऐसी पूंजी है, जो मुफ़्त में मिल सकती है, लेकिन वे उसे पाना ही नहीं चाहते। अपने आप को ही सबसे ज्यादा जानकार समझने की ग़लतफहमी में जी रहे हैं।

आज का युवा मानता है कि जो वो जानता है, वो उसके भविष्य के लिए काफी है। पर असलियत इससे उलट है। जिन लोगों ने 30-40-50 साल की ज़िंदगी के तजुर्बे देखे हैं, उन्होंने भारत में हर तरह के बदलाव को अपनी आँखों से देखा है।

परिवारों की नई मुसीबतेंः–

पिछले 20-25 सालों में मैंने परिवारों में कुछ नए तरह के झगड़े भी देखे हैं:–

1. माँ-बाप की खींचतान का फायदाः अगर पति-पत्नी में तनाव रहता है या उनकी सोच अलग है, तो बच्चे इसका पूरा फायदा उठाते हैं। जिस काम के लिए उन्हें लगता है पापा मना कर देंगे, वो मम्मी से कहते हैं। और अगर लगता है मम्मी नहीं मानेंगी, तो पापा से पूछते हैं। नतीजा? माँ-बाप में झगड़ा हो जाता है, और बच्चे चैन से अपनी मनमर्जी करते रहते हैं।

2. बच्चों को गलत तरीके से अपने पाले में करनाः कई बार माएँ बच्चों को ये सोचकर ज्यादा लाड़-प्यार देने लगती हैं कि बुढ़ापे में यही काम आएंगे। वो बच्चों को पिता की बात न मानने के लिए उकसाती हैं। बच्चों का सामने या पति के पीठ पीछे वह अपने पति की बुराइयां करने में नहीं चूकती और तरह-तरह के लालच देकर, हर ग़लत-सही ख्वाहिश पूरी करके, बच्चों को अपनी तरफ कर लेती हैं। नतीजा? बच्चे अपने पिता से दूर हो जाते हैं। उनके दिल में ये बैठ जाता है कि पापा ही उनके दुश्मन हैं, जबकि हकीकत बिल्कुल अलग होती है। क्योंकि सोचिए न... हर बाप की ख्वाहिश होती है कि उसके बच्चे उससे भी ज्यादा काबिल बनें, ज्यादा सब्र वाले बनें, ज्यादा समझदार बनें, दौलत और शोहरत पाएँ और देश-दुनिया में नाम रोशन करें।

तो रास्ता क्या है?

साफ है कि दोनों पीढ़ियों के बीच एक सेहतमंद बातचीत और समझदारी पैदा करनी ही होगी। हमें बुजुर्गों के तजुर्बे और ज्ञान का सम्मान करना सीखना होगा। साथ ही, नई पीढ़ी की सोच और उसके सपनों को भी समझना होगा। सिर्फ तभी हम एक ऐसा मजबूत और खुशहाल भारत बना पाएंगे जहाँ पुरानी बातों और नई सोच का सही मेल हो। यही एक रास्ता है आगे बढ़ने का।

–सुनील दत्त गोयल,
महानिदेशक, इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री,
पूर्व उपाध्यक्ष, जयपुर स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड,
जयपुर, राजस्थान

राजस्थानी भाषा का मुद्दा भावनात्मक मुद्दा है जो पहचान और स्वाभिमान दोनों से जुड़ा हुआ है

राजेन्द्र जोशी

विश्वविद्यालयों में राजस्थानी भाषा के स्थाई विभाग खुले

भारत का संविधान प्रत्येक राज्य को अपनी भाषा नीति तय करने की स्वतंत्रता दे रहा है। तमिलनाडु सहित अनेक राज्यों में भाषाई विवाद सामने आया है। साथ ही वहां की सरकारें भी भाषा के प्रति सदैव संवेदनशील रही है। हम चाहते हैं कि हमारे देश की प्रांतीय भाषाओं में किसी भी प्रकार का भाषाई वैमनस्य न हो, इसके लिए राजस्थान सदैव प्रयास करता रहा हैं।

अन्य राज्यों की तुलना में राजस्थान की सरकार भाषा के सवाल पर कभी भी संवेदनशील नहीं रही। राजस्थान के लोगो की आवाज को अनदेखा ही किया जाता रहा हैं। राजस्थान विधानसभा ने राजस्थानी भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल करने की सिफारिश केंद्र सरकार को भेज कर हाथ पर हाथ धरे बैठ गया। बड़े खेद का विषय है कि आजादी के 78 वर्ष बाद भी राजस्थान अपनी भाषा नीति बना नहीं पाया। भाषा के विकास में केवल भाषा की बात नहीं होती बल्कि वहां की संस्कृति, सभ्यता और लोक को जानने-समझने में और जोड़ने का काम करती हैं। राजस्थान जैसे शांत प्रदेश में कभी भी भाषाई मांग के आधार पर कड़ा विरोध अथवा आंदोलन नहीं हुआ। राजस्थानी सदैव राजस्थान सरकार एवं भारत सरकार से राजस्थानी भाषा को मान्यता देने का शांतिपूर्ण आग्रह करते रहे है। हिंदी को अनिवार्य बनाने के भारत सरकार के प्रयासों को राजस्थान ने कभी विरोध नहीं किया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत प्रस्तावित त्रि-भाषा फार्मूले में भी राजस्थानी भाषा को शामिल नहीं किया। बावजूद इसके भी बड़े आंदोलन की रणनीति नहीं बनी। त्रि-भाषा फार्मूले की वकालत राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 करती है। जबकि राजस्थान मानता है कि राजस्थानी- हिंदी और अंग्रेजी शिक्षा और रोजगार के लिए पर्याप्त हो सकते हैं। जबकि राजस्थानी भाषा को तीसरी भाषा के रूप में अथवा राजस्थान में दूसरी राजभाषा बनाने की मांग लगातार होती रही हैं।

राजस्थानी भाषा समाज के लोगों को आपस में जोड़ने का एक महत्वपूर्ण माध्यम रही हैं। विवाद का कारण तो तब हुआ है जब राजस्थानी भाषा को राजस्थान सरकार दूसरी राजभाषा नहीं बना रही और ना ही केंद्र सरकार ने संविधान की आंठवी अनुसूची में मान्यता देने का काम किया। राजस्थानी और हिंदी भाषा के बीच बेहद समृद्ध परंपरा रही हैं। यह बात समझ से परे है कि सरकारे आखिर क्यों नहीं चाहती कि राजस्थानी भाषा को राजस्थान में पढ़ाया जाए। राजस्थान के लिए यह बड़ी विडम्बना है कि हिंदी से बहुत पहले की भाषा और राजस्थान की मातृभाषा पढ़ने के लिए आन्दोलन करने पड़ते हैं। प्रदेश की जमी पर स्थापित राजस्थान के समस्त विश्वविद्यालयों में राजस्थानी भाषा के स्थाई विभाग तक नहीं हैं।

राजस्थान में ही राजस्थानी की यह दुर्दशा निराशाजनक एवं दुर्भाग्यपूर्ण हैं।

इस डिजिटल युग में सामाजिक जरूरतों और जीवन की आवश्यकताओं की पूर्ती के लिए जब जरूरी माना जाने लगा तो ऐसे में राजस्थानी भाषा को मान्यता नहीं मिलने से लगभग बारह करोड़ राजस्थानी डिजिटल युग में सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों का मुकाबला कैसे कर सकेंगे। राजस्थानी भाषा को मान्यता के बिना अनेक लोग आर्थिक रूप से और सामाजिक रूप से डिजिटल दुनिया से बाहर रह सकते हैं। यह असमानता को भी बढ़ा सकता हैं और सामाजिक तनाव भी पैदा कर सकता हैं। 12 करोड लोगों द्वारा बोली जाने वाली भाषा को सामाजिक दूरी बनाए रखना उचित नहीं है। राजस्थानी भाषा का मुद्दा भावनात्मक मुद्दा है जो पहचान और स्वाभिमान दोनों से जुड़ा हुआ हैं। प्रधानमंत्री की मेट्रो ट्रेन के सफर के दौरान छात्रों से बातचीत याद आती है जब खुद प्रधानमंत्री ने सह यात्री छात्रों से भाषा संबंधी जानकारी ली एवं उन्हें प्रोत्साहित करते हुए कहा कि उन्हें अन्य राज्यों की भाषाएं भी जाननी और सीखनी चाहिए। आज की चर्चा का मूल मुद्दा यह है कि राजस्थान में संचालित राजकीय एवं गैर राजकीय विश्वविद्यालयों में अनिवार्य रूप से स्थाई राजस्थानी विभाग संचालित किये जाए। जब स्थाई राजस्थानी विभाग संचालित होंगे तो वहां शोध कार्य भी होंगे और राजस्थानी में शोध कार्य से दुनिया भर को राजस्थानी लोक के बारे में जानकारी मिलेगी, राजस्थानी संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा, यहां के हवेलियों और महलों के बारे में जानकारी मिलेगी। यहां के फोग से दुनिया परिचित हो सकेंगी। परंतु दुख इस बात का है पहले से स्थापित विश्वविद्यालय और नये खुल रहे विश्वविद्यालयों में राजस्थानी भाषा के स्थाई विभाग नहीं हैं।

–राजेन्द्र जोशी, शिक्षाविद-साहित्यकार

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

मंगलवार 17 जून, 2025

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, षष्ठि तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2082, शतभिषा नक्षत्र रात्रि 1:02 तक, विष्कुम्भ योग प्रातः 9:34 तक, वणिज करण दिन 2:47 तक, चन्द्रमा आज कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-सिंह, बुध-मिथुन, गुरू-मिथुन, शुक्र-मेष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज रवियोग रात्रि 1:02 तक है। त्रिपुष्कर योग रात्रि 1:02 से सूर्योदय तक है। आज भद्रा दिन 2:47 से रात्रि 2:11 तक है और पंचक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:02 से 10:45 तक, लाभ अमृत 10:45 से 2:10 तक, शुभ 3:51 से 5:33 तक।

राहूकालः 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 5:37, सूर्यास्त 7:18

मेष
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

वृष
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। व्यक्तिगत परेशानियों के कारण भागदौड़ रहेगी।

सिंह
परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

कन्या
आर्थिक मामलों से संबंधित विवादों से राहत मिल सकती है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक योजना बनेगी। नवीन कार्यों का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

वृश्चिक
घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। महत्वपूर्ण मामलों में परिचितों से सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

मकर
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी।

कुंभ
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

मीन
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है।

मोशन है, तो भरोसा है

MOTION NEET

Celebrating 11 YEARS

NITIN VIIJAY (NV Sir)
Founder & Educator

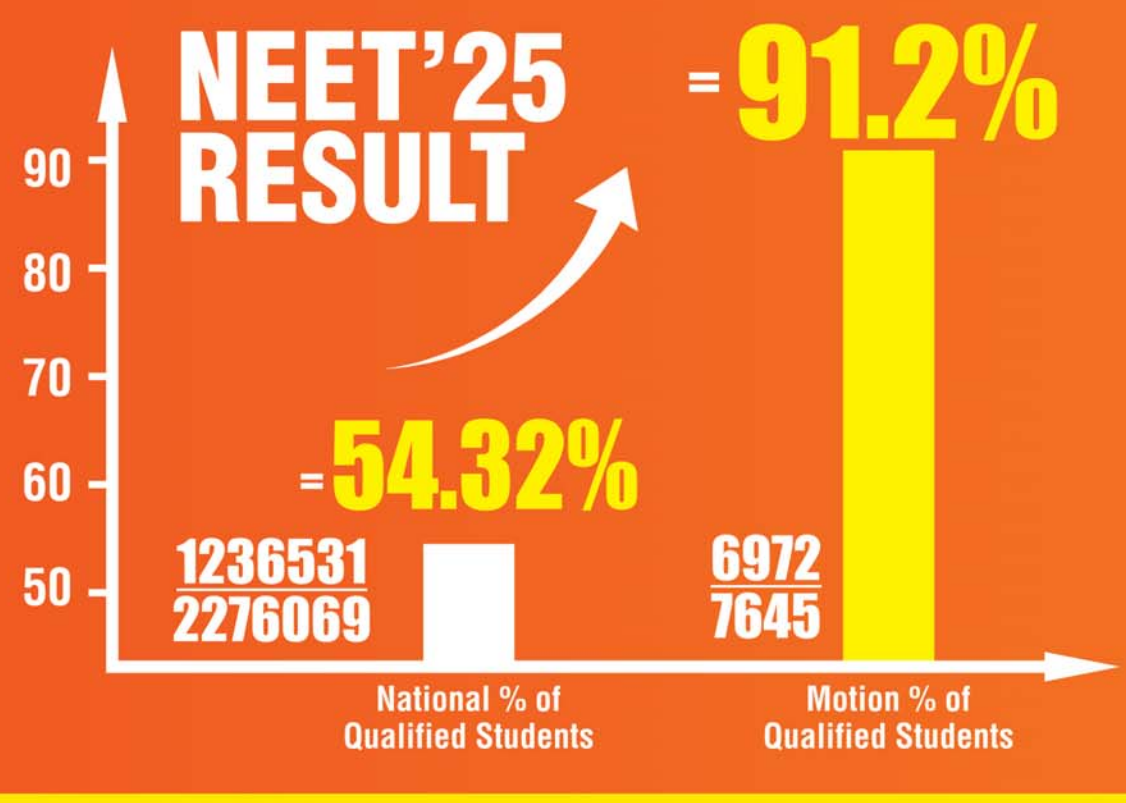

19 in Top 500 All India Rank (General & OBC)

6 in Top 500 All India Category Rank (ST & SC)

Result received so far...

ADMISSION ANNOUNCEMENT Session 2025-26 (Full Time Classroom Program)

- Target: NEET/JEE 2027 **Nurture Batch** Class 10th to 11th Moving — Starting from: **18th & 25th June 2025**
- Target: NEET/JEE 2026 **Enthuse Batch** Class 11th to 12th Moving
- Target: NEET/JEE 2026 **Dropper/Leader Batch** Class 12th to 13th Moving — Starting from: **18th & 25th June 2025**
- Target: Olympiads & Board **Schoolympiad Batch** Class 6th to 10th Moving — Starting from: **2nd July 2025**

Do you want to Enroll with a program in KOTA that has a track record of 100% Selection

JSTAR BATCH

Eligibility Criteria: **above 400 Marks**

Starting From : **18th & 25th June 2025**

RESIDENTIAL PROGRAM

Limited Seats

DAKSH, DHRUV & DRONA

For Class 7th to Class 12th Pass Students

- Life Skills Development
- Integrated Kota Coaching
- Safe & Positive Environment
- Affordable Fee Structure

MOTION NEET Celebrating 11 YEARS

Lottery exclusive for NEET Students

Student	Offline Fee	Online Fee
11 Each	Free	Free
111 Each	30,000	25,000
511 Each	45,000	35,000
1111 Each	60,000	40,000

Last date to apply 18th June | Result Date 19th June

REGISTER HERE FOR FREE

AB HAR GHAR KOTA CLASSROOM

NEET/JEE preparation by Kota's Top Educator

ANUSHASAN ONLINE COURSE

for class 11th, 12th and 12th pass students

Batch start date: **18th June 2025**

Scan QR Code

हिन्दी माध्यम

से करें NEET/JEE की प्रभावी तैयारी

मोशन प्रयास कोर्स के साथ

11वीं, 12वीं एवं 12वीं पास

बोर्ड परिक्षा के आधार पर डायेक्ट स्कोलरशिप (अंग्रेजी और हिन्दी माध्यम)

% In RBSE Board Exam	Final Fee
Above 95%	₹ 35,000
90% - 94.99%	₹ 45,000
85% - 89.99%	₹ 55,000
80% - 84.99%	₹ 60,000
Below 80%	₹ 70,000

KOTA CENTER ONLY

Get Scholarship on the basis of NEET 2025 Marks

NEET Marks	Offline Final Fee	Online Final Fee
501+	FREE	FREE
451-500	₹ 30,000	₹ 28,000
401-450	₹ 40,000	₹ 32,000
301-400	₹ 55,000	₹ 36,000
201-300	₹ 60,000	₹ 38,000
144-200	₹ 65,000	₹ 40,000
Below 144	₹ 75,000	₹ 42,500

1. In case of FREE only the kit amount of ₹ 15,000 will be charged.
2. SC/ST students will get an additional 10% scholarship.

Appear in **MOTION OPEN SCHOLARSHIP TEST & Get upto 100% SCHOLARSHIP** For Student Moving Class 6th to 10th & 11th, 12th & 13th (Science)

हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों के लिए पृथक बैच की सुविधा

MOTION

1800 212 1799

Motion Corporate Office : 394, Rajeev Gandhi Nagar, Kota (Raj.)
Email : info@motion.ac.in | Website : www.motion.ac.in

CAMPUS (AT KOTA) : **Daksh :** B-84, Road No. 5 Riico Indraprastha Industrial Area, Kota (Raj.) **Drona Campus-1 :** E-5-II, Road Number 1, Indraprastha Industrial Area, Kota (Raj.)
Drona Campus-2 : E-4 (II) Indraprastha Industrial Area, Kota (Raj.) **Dhruv Campus** : SP-2, Kuber Industrial Area, Ranpur, Kota (Raj.)

Disclaimer: Our academic framework is designed to ready students for their target exams. However, enrollment in a coaching center does not ensure success in these examinations. Achieving selection is based upon the individual's preparation, the availability of seats in the competitive exam, and the total number of candidates participating.

पुष्कर सरोवर में फिडरों के पानी के साथ गंदगी और अपशिष्ट पदार्थ पहुंचा

पुरोहितों का आरोप है कि फीडरों के किनारे बने होटल और रिसॉर्ट के अपशिष्ट पदार्थ आ रहे हैं

पुष्कर, (निसं)। करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र तथा हिंदुओं का सबसे पवित्र तीर्थ स्थल पवित्र पुष्कर सरोवर प्रशासन और राज्य सरकार की उदासीनता के चलते अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहा है। पवित्र सरोवर में जहां प्रतिदिन हजारों लोग आस्था की डुबकी लगाते हैं तो वहीं प्रशासन और राज्य सरकार की लापरवाही के चलते अब यह पानी दूषित होता जा रहा है, जिसके चलते प्रतिदिन हजारों मछलियां दम तोड़ रही है। वहीं पवित्र सरोवर की दुर्दशा को लेकर तीर्थ पुरोहितों में भी जबरदस्त आक्रोश उत्पन्न हो रखा है।

पुरोहितों ने सरोवर के पानी से स्वयं अपने हाथों से अपशिष्ट पदार्थ और गंदगी निकाली।

जानकारी के अनुसार गत दो दिन की बरसात में पुष्कर सरोवर में अच्छे पानी की आवक के लिए बनाए गए करोड़ों रुपए की लागत फीडरों से गंदे बरसात के पानी के साथ अपशिष्ट पदार्थ और गंदगी पवित्र सरोवर में बहकर आ गई, जिसके चलते पवित्र सरोवर का पानी दूषित हो रहा है। तीर्थ पुरोहितों ने कहा कि पवित्र सरोवर की तरफ ध्यान नहीं देने के कारण धीरे-धीरे अब पवित्र सरोवर की दुर्दशा होती जा रही है। फीडरों के आसपास बने होटल और रिसॉर्ट का सारी गंदगी और अपशिष्ट पदार्थ फीडरो में आ रही है तथा फीडरों की साफ सफाई नहीं करवाने के कारण सारी गंदगी बरसाती पानी के साथ पवित्र सरोवर में बहकर आ रही है। यही नहीं संतोषी माता की ढाणी और लीला सेवड़ी का सारा गंदा पानी भी खुलेआम फीडरों में आ रहा है, लेकिन इसकी प्रशासन और सरकार के द्वारा कोई रोकथाम नहीं की जा रही है। बरसात में पवित्र सरोवर की पानी की आवक अच्छी हो इसके लिए फीडर बनाए गए, लेकिन फीडरों के साफ सफाई तथा रख-रखाव नहीं होने के कारण अब यह फीडर गंदे पानी के नाले बन चुके हैं।

लोगों ने कई बार प्रशासन से मांग की है कि ऐसे रिसॉर्ट और होटलों के खिलाफ कार्रवाई की जाए जिनकी गंदगी और अपशिष्ट पदार्थ फीडरों में डाला जा रहा है और ऐसे होटलों ओर रिसॉर्ट को तुरंत प्रभाव से सीज किया जाए। तीर्थ पुरोहितों ने बताया कि बरसात के समय में बरसाती पानी के साथ सारी गंदगी पवित्र सरोवर में आ रही है जिसके चलते पानी दूषित हो रहा है। तो वहीं श्रदालुओं की आस्था पर भी आघात लगा रहा है। सोमवार को भी ब्रह्म घाट पर स्थित पुरोहितों ने पवित्र सरोवर के पानी में अपशिष्ट पदार्थ और गंदगी तैरती देखी, जिसके चलते पुरोहितों में आक्रोश उत्पन्न हो गया और तुरंत प्रभाव से अपने हाथों से पवित्र सरोवर के जल से गंदगी और अपशिष्ट पदार्थ निकाले। तीर्थ पुरोहितों ने राज्य सरकार प्रशासन से मांग की है कि पवित्र सरोवर सुध लेकर सरोवर की पवित्रता की रक्षा की जाए और सरोवर में आने वाले अपशिष्ट पदार्थ और गंदगी की तुरंत प्रभाव से रोकथाम की जाए। इस दौरान मदन मस्त, बैजनाथ, दीपक पाराशर, भोला पाराशर, क्षेत्रपाल पाराशर, वैभव पाराशर सहित सैकड़ों तीर्थ पुरोहित मौजूद थे। वहीं गत दिनों मुख्यमंत्री की पुष्कर यात्रा के दौरान भी पुष्कर के तीर्थ पुरोहित पुष्कर सरोवर को बचाने की गुहार लगा चुके है, लेकिन कोई फर्क नहीं पड़ा, समस्या जस की तस है।

- फीडरों की साफ सफाई नहीं होने से सारी गंदगी पवित्र सरोवर में आ रही है, इससे प्रतिदिन हजारों मछलियां दम तोड़ रही है

आर.ए.एस. मुख्य परीक्षा आज व कल

अजमेर व जयपुर के 77 केंद्रों पर 21 हजार से अधिक अभ्यर्थी परीक्षा देंगे

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं मुख्य परीक्षा- 2024 की दो दिवसीय परीक्षा मंगलवार और बुधवार को आयोजित होगी। परीक्षा में प्रदेशभर के 21 हजार 440 अभ्यर्थी शामिल होंगे।

आयोग के सचिव ने बताया कि दो दिवसीय आरएएस मुख्य परीक्षा 17 मंगलवार व 18 बुधवार को अजमेर के 29 तथा जयपुर के 48 परीक्षा केंद्रों सहित कुल 77 केंद्रों पर दो पारियों में आयोजित होगी। प्रथम पारी सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक तथा द्वितीय पारी दोपहर 2:30 से शाम 5:30 बजे तक आयोजित की जाएगी।

गौरतलब है कि इस भर्ती प्रक्रिया के लिए प्रारंभिक परीक्षा में 3.75 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने भाग लिया था, जिनमें से 21 हजार 539 अभ्यर्थी सफल घोषित किए गए। वहीं आयोग ने 1 हजार 680 अभ्यर्थियों को 10 प्रतिशत से अधिक प्रश्नों का उत्तर नहीं देने के कारण अयोग्य घोषित कर दिया, जबकि दो अभ्यर्थियों का परिणाम न्यायालय में याचिका के चलते रोक दिया गया है। मूल रूप से 733 पदों के लिए निकाली गई इस भर्ती के पदों की संख्या 17 फरवरी 2025 को बढ़ाकर 1 हजार 96 कर दी गई है। इसमें राज्य सेवा के 428 और अधीनस्थ सेवा के 668 पद सम्मिलित हैं। आयोग ने 14 जून को ही परीक्षा के एडमिट कार्ड जारी कर दिए थे। परीक्षा केंद्र की जानकारी भी एसएसओ पोर्टल के रिक्रूटमेंट सेक्शन में उपलब्ध है। परीक्षा केंद्र पर अभ्यर्थियों को निर्धारित समय से 60 मिनट पहले प्रवेश दिया जाएगा। देर से पहुंचने वाले अभ्यर्थियों को केंद्र में प्रवेश नहीं मिलेगा। आवश्यक दस्तावेजों में अभ्यर्थी को मूल रंगीन आधार कार्ड अनिवार्य रूप से साथ लाना है।

युवती ने आत्महत्या की

उदयपुर, (निसं)। सुखेर थाना क्षैत्र में युवती ने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। चित्रकूट नगर निवासी नेला पुत्री राजेश कुमार ठाकुर ने सोमवार सेवेरे अपने कमरे में फांसी लगा आत्महत्या कर ली। एएसआई हरीश सनाढ्य ने मृतका का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा। नेहा नीट परीक्षा की तैयारी कर रही थी। जिसमें फैल होने की वजह से मानसिक परेशान थी। इसी तनाव के चलते आत्महत्या करने की आशंका जताई जा रही है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग वृत्त जालोर

क्रमांकः अअ /वृत्त/जा/2025-26/475-491 दिनांकः 03/06/2025

निविदा सूचना संख्या : 05 वर्ष 2025-26

NIB No. PWD2526A0985

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जालोर शहर की रिंग रोड़ निर्माण हेतु डीपीआर के कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में कार्य जिनकी लागत राशि रू. 110.00 लाख है, अतः उक्त कार्यों के लिए ईटेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है।

ऑनलाईन निविदा आवेदन डाउनलोड एवं अपलोड करने की तारीख	09 जुन 2025 प्रातः 10.00 बजे से 30 जुन 2025, सायं 6:00 बजे तक

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन सम्पादित की जायेगी। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट पर http:// eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।

NIB No. PWD2526A0985

क्र.सं.	यूबीएन नं.
1	PWD2526SLOB0222

(डी.आर.माधव)
अधीक्षण अभियन्ता
सा.नि.वि. वृत्त, जालोर
मोबाईल 9414325400

DIPR/C/7460/2025

प्राणघातक हमला करने वाला बदमाश गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। वाघपुरा थाना पुलिस ने पीड़ित पर तलवार से प्राणघातक हमला करने वाले को गिरफ्तार किया।

प्रकरण के अनुसार पीड़ित ने 7 अप्रैल को प्रकरण दर्ज करवाया कि आरोपी ललित पुत्र चुन्नीलाल निवासी मादड़ी मेरे पुत्र पर तलवार से प्राणघातक हमला कर फरार हो गया। मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल, पुलिस उपाधीक्षक नेत्रपाल सिंह के सुपरविजन में वाघपुरा थानाधिकारी वेलाराम के नेतृत्व में गठित दल ने कार्यवाही करते हुए आरोपी ललित को डिटेन कर पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया। आरोपी 001 गैंग का सक्रिय बदमाश होकर इसके खिलाफ छह अपराधिक प्रकरण पूर्व में दर्ज है। वहीं जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर ऋषभदेव थानाधिकारी भरत सिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में गठित दल ने कार्यवाही करते हुए दो वर्ष से फरार स्थाई वारंटी हाजा पुत्र रतना निवासी उगमणा कोटड़ा ऋषभदेव को गिरफ्तार किया।

दो सूने मकानों में चोरी

उदयपुर, (निसं)। शहर के गोवर्धन विलास एवं सविना थाना क्षैत्र में सूने मकान से चोर जेवरात व नकदी चुरा ले गए। शहर के सक्रिय चोर गिरोह के बदमाश शहर में जारी तलाशी अभियान एवं पुलिस गश्त के बावजूद वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। शहर के गोवर्धन विलास थाना क्षेत्र आरएचबी कॉलोनी चुंगीनाका स्थित दुर्गेशपुत्र लीलाराम गर्ग के सूने मकान का चोर ताला तोड़कर सोने की 3 चेन, दो ईयरिंग, चांदी के सिक्के चुरा ले गए। दह जून को दुर्गेश नौकरी पर गया था एवं पत्नी अपने पीहर गई थी। नौकरी से लौटने पर घर पहुंचा तो ताला टूटा हुआ एवं कमरों में सामान बिखरा पड़ा था। इस पर तलाशी ली तो जेवरात व नकदी गायब थी। इस पर पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया। इसी तहर शहर के सविना थाना क्षैत्र लालमगरी निवासी भगवानलाल पुत्र मावा मेघवाल के सूने मकान का 15 जून को अज्ञात चोर ताला तोड़ सोने का मादलिया, चांदी की चेन, ब्रासलेट चांदी का तथा 10 हजार रूपये नकदी चुरा ले गए।

होटल के कमरे में युवती की अधजली लाश मिली

- आत्महत्या की आशंका जताई, हरियाणा की रहने वाली थी युवती
- पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा

श्रीगंगानगर, (निसं)। यहां एक होटल के कमरे से युवती की अधजली लाश मिलने से सनसनी फैल गई। देर रात होटल की दूसरी मंजिल पर हुई इस घटना में युवती की मौत के कारणों की जांच में पुलिस जुटी है। प्राथमिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है।

कोतवाली पुलिस के अनुसार, मृतका शनिवार दोपहर को अकेली होटल में ठहरी थी। देर रात जब होटल का एक वेटर रूटीन चेक के लिए दूसरी मंजिल पर गया तो उसे एक कमरे से धुएं की गंध और आग जलने की बदबू आती महसूस हुई। कमरे के बाहर जाकर देखा तो धुआं निकलता दिखाई दिया, जिस पर उसने तत्काल अन्य स्टाफ को सूचित किया। होटल स्टाफ ने जब देखा कि कमरा अंदर से बंद है तो दरवाजा तोड़ना पड़ा। अंदर का दृश्य देख सभी के होश उड़ गए। बिस्तर पर युवती का बुरी तरह जला हुआ शव पड़ा था। घटना की सूचना तुरंत कोतवाली पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में सभी पहलुओं की बारीकी से जांच की जा रही है। युवती की पहचान और उसके आत्महत्या के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

कोतवाली थाना अधिकारी पृथ्वीपाल सिंह मय जाब्ता के मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। एफएसएल और एमओबी टीमों ने देर रात तक साक्ष्य जुटाए। घटनास्थल से बरामद आधार कार्ड से मृतका की पहचान सुमन (पति गुरतान सिंह) निवासी कैथल (हरियाणा) के रूप में हुई। होटल में भी इसी आधार कार्ड से उसकी एंट्री दर्ज थी पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन सभी पहलुओं की गहन जांच जारी है। पुलिस मृतका के परिजनों से संपर्क कर घटना की पृष्ठभूमि और मानसिक स्थिति की जानकारी जुटाने में जुटी है। परिजनों के आने के बाद ही पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पुलिस मृतका के मोबाइल व अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जांच के साथ होटल स्टाफ से भी पूछताछ कर रही है ताकि युवती के होटल आने और इतना बड़ा कदम उठाने के कारणों का पता लगाया जा सके।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, वृत्त टोंक

क्रमांक :680-90 दिनांक :-03.06.2025

निविदा सूचना संख्या-04/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से Consultancy Services for Preparation Detailed Project Report (DPR) and Project Management for Construction of Ring Road of Tonk City (Including fixing of alignment and design of 2-Lane road with paved shoulders and 2 nos interchanges with NH-52 and NH-552 and preparation of land acquisition plan इत्यादि कार्य (1 कार्य) हेतु इत्यादि कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान एवं राज्य सरकार के अन्य विभागों तथा केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में (Working Consultants) से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण बेवसाईट साईट से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रकिया से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://pwd.rajasthan.gov.in http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। पैकेजवाईज यू.बी.एन संख्या निम्नानुसार है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेब साईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड होना आवश्यक है।

NIB CODE: PWD2526A1007
UBN NO:- PWD2526SLOB03299

(एच.एल. मीना)
अधीक्षण अभियंता
सा.नि.वि. वृत टोंक

DIPR/C/7498/2025

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF POLICE RAJ JAIPUR

H-1(10)Ps/Hath/E-Tender/2025/7494 Dated-3.6.2025

NOTICE INVITING BIDS

NIB NO. POL2526A0005

Bids for Capsi Spray (Chilli Spray), Capsi Grenade(Chilli Grenade) & Tactical Engagement Simulator System of estimated value INR 2,76,50,000/- are invited from interested bidders up to 26.06.2025 at 11.00 am. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal https://eproc.rajasthan.gov.in; https://sppp.rajasthan.gov.in of the state of Rajasthan and Rajasthan Police Website- https://www.police.rajasthan.gov.in.

UBN.
1. POL2526GLOB00040 Capsi Spray
2. POL2526GLOB00041 Capsi Grenade
3. POL2526GLOB00042 Tactical Simulator

(Yashpal Tripathi)
Supdt. of Police Central Stores, PHQ
Rajasthan, Jaipur
Tel-0141-2744289
Mail ID-sp.cstore.pmw@rajpolice.gov.in

DIPR/C/7570/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड-चित्तौडगढ़

क्रमांक-टी.एस./2025-26/डी-569 दिनांक-30.05.2025

NOTICE INVITING BID-09/2025-26

Bids for Construction of Atal Pragati Path Satpura Road to Retuliya Chowk (Ghosunda) in Division Chittorgarh Procurement are invited from interested Bidders upto 6.00 PM of 16.06.2025 Other particulars of the Bid may be visited on the Procurement Portal (http://sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in.) of the state website. The approximate value of the Procurement in Rs. 15797033.00

UBN No.- 1. PWD2526WSOB03051

Executive Engineer
PWD Dn. Chittorgarh

DIPR/C/7397/2025

कार्यालय उप वन संरक्षक, जयपुर

क्रमांक-एफ( )स्टोर/उवस/2024-25/11454 दिनांक-16/06/25

ई-निविदा विज्ञिप्त

इस कार्यालय द्वारा रेंज फागी में अधीन एन. एच. - 52 जयपुर से देवली खंड चेयनेज संख्या 03 किलोमीटर से 27 किलोमीटर दूरी में तार फैसिंग एंव पोधे सप्लाई कार्य की ई-निविदा इस कार्यालय के राजकाज नम्बर 15674141 दिनांक 03.06.2025 एवं 15667796 दिनांक 03.06.2025 ई-विज्ञिप्त जारी की गई थी। ई-निविदा विज्ञिप्त अखबार में प्रकाशन नही होने के कारण दिनांक 18.06.2025 को निर्धारित है। उक्त निविदा को संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, And www. sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

UBN NO. (FOR2526WSOB00394) Date 03-06-2025
UBN NO. (FOR2526GLOB00393) Date 03-06-2025

DIPR/C/7898/2025 उप वन संरक्षक, जयपुर

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड टोडाभीम

क्रमांक : 409-417 दिनांकः 02-06-2025

ई-निविदा सूचना संख्याः 02/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जिला करौली (खण्ड टोडाभीम) में अटल पथ, सड़क नवीनीकरण एवं भवन निर्माण कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न सक्षम श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया हेतु ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा से संबंधित समस्त विवरण बेवसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर करवाना आवश्यक है।

1. PWD2526WSOB03351, 2. PWD2526WSOB03358
3. PWD2526WSOB03366, 4. PWD2526WSOB03368
5. PWD2526WSOB03370, 6. PWD2526WSOB03377

(के. के. मीना)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड टोडाभीम

DIPR/C/7512/2025

Office of Additional Chief Engineer PHED, Region Bharatpur

Telephone No 05644-221500, Email: rj_acebha@nic.in

Notice Inviting Bid No. 02-05/2025-26

Online bids for NIT No. 02-05/2025-26 (04 work), Costing Rs. 575.00 Lacs is invited on behalf of the Governor of Rajasthan from eligible enlisted in appropriate class contractors of PHED, Rajasthan and meeting eligibility criteria. Contractors enlisted with other departments of Government of Rajasthan and enlisted with CPWD/ Postal/ Telecom/ Railways/ MES/ other State Government/ Central Government undertakings/organization in class equivalent to "A/AA" class of Rajasthan (as applicable) and meeting prescribed eligibility criteria may also apply. Details of this Bid notification and pre-qualification criteria can also be seen in NIB exhibited on web site www.dipr.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in and http://eproc.rajasthan.gov.in. Bids are to be submitted online electronic format on web site http://eproc.rajasthan.gov.in from 04-06-2025 to 19-06-2025 (6PM) & Bids are to be opend at 11.00 AM on 20-06-2025.

NIB Code: PHE2526A1523
UBN No.- PHE2526WSOB03135
PHE2526WSRC03136
PHE2526WSRC03137
PHE2526WSRC03138

(Mohan Lal Meena)
Addl. Chief Engineer
PHED, Region Bharatpur

DIPR/C/7502/2025

करोड़ों रुपये का कपड़ा उधार मंगवाकर खुर्द-बुर्द किया, छह गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर की प्रताप नगर थाना पुलिस ने कपड़ा व्यापारियों से पांच से छह करोड़ रुपये का उधार में कपड़ा मंगवाकर खुर्द-बुर्द करने के मामले में गुजरात के भावनगर के छह लोगों को गिरफ्तार किया है।

प्रताप नगर थाना प्रभारी सुरजीत सिंह ने बताया कि इंडस्ट्रीयल स्टेट, पांसल चौराहा स्थित बालाजी रेयोंस पार्टनर मनीष कोठारी ने निर्मल हसेजा निवासी भावनगर गुजरात सहित अन्य लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई। इसमें बताया गया कि आरोपियों ने परिवादी की कम्पनियों को विश्वास में लेकर करीब 5-6 करोड़ रूपये का कपड़ा मंगवा लिया, जिसे धोखाधड़ी कर खुर्द-बुर्द कर दिया। इस रिपोर्ट पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच की। इसके बाद एएसआई चिराग अली के नेतृत्व में एक पुलिस टीम को भावनगर गुजरात भेजा गया।

भीलवाड़ा शहर की प्रताप नगर थाना पुलिस ने गुजरात के भावनगर के छह लोगों को गिरफ्तार किया।

टीम ने इस मामले में रसाला कैम्प, भावनगर निवासी खटयानी कमलेश (36) पुत्र उधमदास, बालचंदानी रमेश (55) पुत्र तोतलदास निवासी इन्द्रप्रस्थ फ्लेट दिवडी रूपाणी सर्किल,भावनगर, घमेजा अजय भाई (34) पुत्र रूपचंद भाई निवासी रसाला कैम्प भावनगर, रजाई तरूण (26) पुत्र सुरेश भाई कृष्णा बंसरी अपार्टमेंट न्यू सिंधुनगर भावनगर, ढेढी हिम्मत भाई (44) पुत्र शामजी भाई मीरा पार्क, सब्जी मार्केट घोघा रोड भावनगर व सरदारनगर, भावनगर निवासी जेसानी सुरेश (43) पुत्र गोपी भाई को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपितों से पूछताछ कर रही है। टीम में एएसआई चिराग अली के साथ दीवान सुनील कुमार, कांस्टेबल रामनिवास, राफल सिंह, नरेंद्र, आशीष, पिंटू शामिल थे, जिन्होंने आरोपी को गिरफ्तार कर अनुसंधान शुरू किया है।

एमजीएस यूनिवर्सिटी में कुलपति और विधायक के बीच विवाद गहराया

घाटे का बजट जारी करने का आरोप, मामला राज्यपाल और मुख्यमंत्री तक पहुंचा

बीकानेर, (निसं)। महाराजा गंगासिंह यूनिवर्सिटी (एमजीएसयू) में बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट (बोम) की बैठक को लेकर कुलपति और श्रीडूंगरगढ़ विधायक के बीच विवाद गहरा गया है। विधायक ने कुलपति पर नियमों की अनदेखी कर बैठक आयोजित करने और घाटे का बजट जारी करने का आरोप लगाया है। मामला अब राज्यपाल और मुख्यमंत्री तक पहुंच गया है।

यहां आयोजित बोम की बैठक में सदस्य के रूप में उपस्थित श्रीडूंगरगढ़ विधायक ताराचंद सारस्वत ने बैठक की वैधता पर ही सवाल उठाए। उनका कहना है कि बोम में मनोनीत सदस्य का मनोनयन नहीं होने के कारण बैठक नहीं की जा सकती थी। विधायक की आपत्ति पर कुलपति मनोज दीक्षित ने शासन से स्वीकृति का हवाला दिया, लेकिन कोई आदेश प्रस्तुत नहीं किया। विवाद का मुख्य मुद्दा वित्तीय वर्ष 2025-26 का बजट है, जिसमें 15,591 लाख रुपए की आय के मुकाबले 17,936 लाख रुपए का खर्च दिखाया गया है। करीब दो हजार करोड़ रुपए के इस बजट पर विधायक ने आपत्ति जताई थी। उनका आरोप है कि कुलपति ने बैठक में बजट स्वीकृत न करने की सहमति जताई थी, लेकिन बाद में इसे स्वीकृत कर दिया गया। विधायक सारस्वत ने राज्यपाल को पत्र लिखकर बजट को संशोधित करने और धन के दुरुपयोग को रोकने की मांग की है। उन्होंने कुलपति पर बिना अनुमति बैठक बुलाने और मना करने के बावजूद घाटे का बजट जारी करने का आरोप लगाया है।

कुलपति मनोज दीक्षित का कहना है कि बैठक नियमानुसार आयोजित की गई थी। उन्होंने कहा कि विधायक ने बैठक के दौरान कोई लिखित आपत्ति दर्ज नहीं कराई। उन्होंने धन के दुरुपयोग के आरोपों को भी खारिज करते हुए कहा कि विधायक की शिकायत का जवाब सक्षम स्तर पर दिया जाएगा। इस विवाद ने विश्वविद्यालय प्रशासन और राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। विश्वविद्यालय के वित्तीय प्रबंधन और प्रशासनिक निर्णयों पर सवाल उठ रहे हैं।

राजस्थान सरकार
निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर

क्रमांक निदे/अ.ख.अ.नीलामी/निलामी (ML 05)/2025/ई – 11399

ई–नीलामी विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली, 2017 के अध्याय–III के तहत निम्नांकित प्लॉटो के आंवटन ई–नीलामी के माध्यम से किये जाने हेतु इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म पर बोली आमंत्रित की जाती है। संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है:–

जिला	तहसील	राजस्व ग्राम	खनिज	कुल प्लॉट
धौलपुर	सरमथुरा	कछपुरा	सेण्डस्टोन	5
झुंझुनू	खेतडी	नालपुर	मेसेनरी स्टोन	1
ब्यावर	बिजयनगर	रूपाहेली खूर्द	ग्रेनाईट, मेसेनरी स्टोन	7
बून्दी	बून्दी	गुवार	सैण्ड स्टोन	5
कोटा	लाडपुरा	मवासा	मेसेनरी स्टोन	1
		मांदलिया	मेसेनरी स्टोन	1
सिरोही	सिरोही	फलवदी	ग्रेनाईट	13
		वलदरा	मेसेनरी स्टोन (एम-सेण्ड हेतु)	2
चित्तौड़गढ़	भदेसर	भीमलोद	चाईना क्ले, क्वार्टजाइट एवं मेसेनरी स्टोन	1
		सोमावास	चायना क्ले, क्वार्टजाईट व मेसेनरी स्टोन	1
	गंगरार	अमरपुरा	ग्रेनाईट व मेसेनरी स्टोन	17
भीलवाड़ा	बनेड़ा	रूपाहेली खुर्द	ग्रेनाईट	5
	हमीरगढ़	दलेलसिंहजी का खेड़ा	चायना क्ले, मेसेनरी स्टोन (क्वार्टजाईट)	1
	आसीन्द	ईन्द्रपुरा	ग्रेनाईट	10
		कटार	ग्रेनाईट	10
		दौलतगढ़	ग्रेनाईट	3
		सांकड का बाडिया	ग्रेनाईट	1
भीलवाडा	बिजौलिया	देवनगर	एम-सैण्ड के निर्माण हेतु ऑवरबर्डन डंप के परमिट	1
		देवनगर, सरकीकुडी	एम-सैण्ड के निर्माण हेतु ऑवरबर्डन डंप के परमिट	1
प्रतापगढ	छोटीसादडी	जीवनपुरा	मेसेनरी स्टोन	5
		जीवनपुरा	मेसेनरी स्टोन	8
प्रतापगढ़	धरियावाद	लोहागढ़	मारबल	1
डूंगरपुर	डूंगरपुर	दामड़ी	मेसेनरी स्टोन	3
		दामड़ी	मेसेनरी स्टोन	3
डीडवाना–कुचामन	डीडवाना	कोलिया	मेसेनरी स्टोन	10
उदयपुर	घांसा	चन्देसरा	मेसेनरी स्टोन (एम-सैण्ड हेतु)	2
	खेरवाडा	बंजारिया	मेसेनरी स्टोन (एम-सैण्ड हेतु)	2
		मिठीमहुडी	सोपस्टोन व मेसेनरी स्टोन	2
	मावली	चन्देसरा	मेसेनरी स्टोन	5
	नयागांव	महीडा	मेसेनरी स्टोन	1
		नयागांव	मेसेनरी स्टोन	2
		महीडा	मेसेनरी स्टोन	2
डूंगरपुर	सीमलवाडा	चाडोली	मेसेनरी स्टोन	6
			मेसेनरी स्टोन (एम-सैण्ड हेतु)	3
			मेसेनरी स्टोन (एम-सैण्ड हेतु)	1
		सीथल	मेसेनरी स्टोन	9
	डूंगरपुर	अंदरखेत	मेसेनरी स्टोन	1
	दोवडा	भचडीया	मेसेनरी स्टोन	6
			मेसेनरी स्टोन (एम-सैण्ड हेतु)	2
डूंगरपुर	दोवडा	फलोज	मेसेनरी स्टोन	1
दौसा	सिकराय	कालवान	मेसेनरी स्टोन	1
जयपुर	रामपुरा डाबडी	खोरा श्यामदास	मेसेनरी स्टोन	1
जोधपुर	औसिया	पाबूनगर	मेसेनरी स्टोन	13
जैसलमेर	जैसलमेर	हडडा	लाइमस्टोन (डाइमेन्सनल)	15
नागौर	रियाबड़ी	पिपलिया	ग्रेनाईट	6
	डेगाना	हरसौर	मेसेनरी स्टोन	5
	लाडनूं	बाकलिया	मेसेनरी स्टोन	7
टोंक	मालपुरा	फूलमालियान	ग्रेनाईट	13
अजमेर	भिनाय	रामालिया	ग्रेनाईट व मेसेनरी स्टोन	1
	सावर	सावर	मारबल	2
बाड़मेर	बायतु	करणीपुरा चक चारणौत (नौसर)	मेसेनरी स्टोन	1
राजसमंद	नाथद्वारा	मडका	ग्रेनाईट	1
			कुल प्लॉट	227

विशेष नोट:–

भू माफियों में जेडीए का डर खत्म, अवैध कॉलोनियों बसाने का काम फिर शुरु

सोशल मीडिया पर विज्ञापन देकर जनता के साथ खुली लूट कर रहे है

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण ने जोन 11 और 12 में अवैध कालोनी बसाने वाले भू माफियों में जेडीए का डर खत्म हो गया है। वो बेखौफ अवैध कॉलोनियां बसा रहे हैं। जेडीए ने गत दिनों जिन अवैध जिन अवैध कॉलोनियों में कार्रवाई की वहां भू माफिया वापस सक्रिय हो गए हैं। वो अवैध स्कीमें बसा कर जनता से खिलवाड़ कर रहे हैं। ये लोग सोशल मीडिया पर खुले आम विज्ञापन देकर जनता के साथ खुली लूट कर रहे हैं।

उन्होंने फिर से अवैध खरीद-बेचान का काम शुरू कर दिया है। इसके साथ ही जेडीए ने जोन 11 की मुरली ग्रीन्स, वृंदावन सिटी, जगन्नाथ सिटी द्वितीय में तोड़फोड़ की कार्रवाई की थी। इन जोनों में कुछ कॉलोनियों को छोड़ दिया गया था। बाकी में दिखावटी कार्रवाई कर छोड़ दिया था। जयपुर विकास प्राधिकरण ने महिन्द्रा सेज और बगरू के आसपास अवैध कालोनियों में कार्रवाई की। आसपास की कुछ अवैध स्कीमों को छोड़ दिया। कपूरावाला, अजयराजपुरा, किशोरपुरा में कुछ स्कीमों को छोड दिया। इनमें द्वारका सिटी, जगन्नाथ सिटी प्रथम में कोई कार्रवाई नहीं की जबकि मुरली ग्रीन्स को आधी अधूरी कार्रवाई कर छोड़

- मुरली ग्रीन्स, वृंदावन सिटी, जगन्नाथ सिटी, वृंदावन सिटी, गिरिराज विहार के नाम से बस रही है स्कीमें

दिया।जेडीए की टीम ने पवालिया, कपूरावाला में अवैध तरीके से बसाई जा रही मुरली ग्रीन्स में सिर्फ ग्रेवल सड़क को कुछ जगह से खोद दिया जबकि इस अवैध कॉलोनी में चार दीवारी को नहीं छेड़ा गया। अवैध कॉलोनी बसाने वालों ने यहां खरीद बेचान वापस शुरु कर दिया। और भू माफिया भूखंडों की खरीद फरोख्त कर कॉलोनी में पुरानी तारीख में हाउसिंग सोसायटी के पट्टे देकर आम जनता से धोखाधड़ी की जा रही है। यहां वापस ग्रेवल सड़कें बन गई है। जेडीए के प्रवर्तन दस्ते को कलवाडा, महिन्द्रा सेज के पास सिराणी में द्वारका सिटी दिखाई नहीं दी जबकि यहां भी खुले आम् अवैध तरीके से प्लाटों का खरीद बेचान किया जा रहा है।

डवलपर को जेडीए का कोई डर नहीं है। वह खुलेआम विज्ञापन कर हाउसिंग सोसायटी के पट्टों के जरिए खरीद बेचान कर रहा है। करीब 62 बीघा की इस स्कीम में प्लाट लेने के कई फायदे बताए जा रहे हैं। महिन्द्रा सेज में आने वाले अजयराजपुरा कलवाड़ा ग्राम में 160 फीट सड़क पर बेहताशा कॉलोनी काटी जा रही है। इसी जगह 62 बीघा में द्वारका सिटी के नाम से अवैध कालोनी बसाई जा रही है। इसमें ग्रेवल सड़क बना कर स्कीम बना दी है। अब दलालों के जरिए प्लाटों की सौदेबाजी की जा रही है। इस कॉलोनी के 160 फीट पर होने के सपने दिखा कर धड़ाधड़ प्लाट बेचे जा रहे है।

जोन 11 और 12 का कपूरावाला-पवालिया, अजयराजपुरा, किशोरपुरा, महिन्द्रा सेज, बगरु में दहमी कला, मणिपाल यूनिवर्सिटी के आसपास भू माफियों का पंसदीदा क्षेत्र बना हुआ है। इन इलाकों में अवैध रुप से बस रही कॉलोनियों में जमीनों के भाव दस से बारह हजार रुपए प्रति वर्गगज है यहां पर राधा विहार, गिरिराज विहार नाम से अवैध कॉलोनियां बसाने वाले डवलपर सोशल मीडिया फेसबुक, इंस्टाग्राम यू ट्यूब के माध्यम से अपनी स्कीमों का बेचान कर रहे हैं।

संस्कृत दिवस पर पुरस्कारों के लिए प्रस्ताव आमंत्रित

जयपुर। राज्य सरकार द्वारा प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी राज्य स्तरीय संस्कृत-दिवस-समारोह में संस्कृत-क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले संस्कृत विद्वानों का सम्मान किया जायेगा। आयुक्त, संस्कृत-शिक्षा, राजस्थान द्वारा सभी जिला कलक्टर, विश्वविद्यालय-कुलसचिवों, संभागीय संस्कृत शिक्षा अधिकारियों, निदेशक, प्रारम्भिक एवं माध्यमिक शिक्षा, एवं संस्कृत शिक्षा विभाग के संस्था-प्रधानों के माध्यम से विद्वत्-प्रस्ताव आमन्त्रित किये गये हैं। आयुक्त, संस्कृत-शिक्षा प्रियंका जोधावत ने बताया कि प्रस्तावों के साथ विद्वानों का संक्षिप्त परिचयात्मक विवरण निर्धारित प्रपत्र में चाहा गया है। प्रस्ताव 15 जुलाई 2025 तक अनिवार्य रूप से डाक द्वारा/व्यक्तिगत रूप से एवं विभागीय ईमेल पर भेजे जा सकेंगे।

विधान सभा में हुए सामूहिक योग में विधायकों ने लिया भाग

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पहल पर राजस्थान विधान सभा में विश्व योग दिवस के लिए सामूहिक योग के लिए पूर्वाभ्यास किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवाहन पर योग दिवस के लिए पूर्वाभ्यास कराये जाने के लिए राजस्थान विधानसभा ने देश में अग्रणी प्रयास किया। सोमवार को राजस्थान विधान सभा में विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, मंत्रीमण्डल के सदस्यगण, विधायकगण, विधानसभा के अधिकारियों व कर्मचारियों ने सामूहिक योग किया।

देवनानी ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि योग को जीवन का अंग बनाये। उन्होंने कहा कि योग को दिनचर्या में जोड़ने से मन, मस्तिष्क, और शरीर स्वस्थ और ऊर्जावान रहता है। शरीर को स्वस्थ रखना प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। देवनानी ने मन, बुद्धि और आत्मा के साथ योग के सहयोग से जीवन रचना को आगे बढाने का आवाहन किया।

- योग दिवस का पूर्वाभ्यास कराए जाने वाली राजस्थान विधान सभा देश में अग्रणी योग को बनायें जीवन का अंग : देवनानी

देवनानी ने कहा कि सूक्ष्म व्यायाम प्रतिदिन अवश्य करें। इससे मन एकाग्र होगा और शरीर को नई ऊर्जा मिलेगी। देवनानी ने प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के प्रयासों से योग को दुनिया ने अपनाया है।

देवनानी ने कहा कि इस वर्ष एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग विषय पर ग्यारहवां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है। योग भारत के लोगों द्वारा शुरू किया जाने वाला शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक अभ्यास है, जिसे अब दुनियाभर में मनाया जा रहा है। योग केवल व्यायाम ही नहीं बल्कि यह स्वयं, दुनिया और प्रकृति के साथ एकता की भावना को खोजने का एक तरीका भी है।

देवनानी ने कहा कि अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस एक ऐसा उत्सव है जो प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी को महत्व देता है। इसका लक्ष्य योग को एक व्यापक आन्दोलन में बदलना है जो वैश्विक स्वास्थय और शान्ति को बढावा देता है।

अन्तर्राज्यीय कुख्यात नकबजन संजय पहाड़िया दिल्ली से गिरफ्तार

जयपुर। जवाहर नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दस हजार रुपये का इनामी अन्तर्राज्यीय कुख्यात नकबजन -चोर संजय पहाड़िया को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया है।

आरोपित जवाहर नगर में वर्ष 2022 में दर्ज नकबजनी की वारदात में फरार चल रहा था। आरोपित शातिर नकबजन है,जिसके खिलाफ उत्तर प्रदेश,दिल्ली,राजस्थान मे चोरी,नकबजन,आर्म्स एक्ट,गैंगस्टर एक्ट के तहत अब तक 71 मामले दर्ज है। आरोपित सूने मकानों की रैकी कर नकबजनी की वारदात करता है। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्वनी गौतम ने बताया कि जवाहर नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दस हजार रुपये का इनामी अन्तर्राज्यीय कुख्यात नकबजन चोर संजय पहाड़िया निवासी आगरा उत्तर प्रदेश हाल दिल्ली को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित जवाहर नगर में वर्ष 2022 में दर्ज नकबजनी की वारदात में फरार चल रहा था। वहीं आरोपित शातिर नकबजन है जिसके खिलाफ उत्तर प्रदेश,दिल्ली,राजस्थान मे चोरी,नकबजन,आर्म्स एक्ट,गैंगस्टर एक्ट के तहत अब तक 71 मामले दर्ज है। आरोपित सूने मकानों की रैकी कर नकबजनी की वारदात करता है। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

पुलिस ने अन्तर्राज्यीय कुख्यात नकबजन चोर संजय पहाड़िया निवासी आगरा उत्तर प्रदेश हाल दिल्ली को गिरफ्तार किया।

ट्रिपिंग और लो वोल्टेज की समस्या

जयपुर। राजधानी के मॉडल टाउन डी ब्लॉक के निवासी भीषण गर्मी के बीच बिजली की बार-बार ट्रिपिंग और वोल्टेज अप- डाउन से परेशान हैं। दिन में कई बार कई घंटे लो वोल्टेज सहित बिजली की आंख मिचौली की समस्या बनी रहती है। बिजली उपकरण जैसे ऐसी, कूलर, फ्रिज, और पंखे ठीक से काम नहीं कर रहे हैं। बार बार लो वोल्टेज के कारण कुछ उपभोक्ताओं के विधुत उपकरण ख़राब हो चुके है। मॉडल टाउन निवासी वरिष्ठ पत्रकार बाल मुकुंद ओझा ने बताया कि वोल्टेज अप- डाउन रहने व पावर फलैकचुएशन की शिकायत करने पर खानापूर्ति कर दी जाती है मगर समस्या दूर नहीं होती। यही नहीं थ्री फेस होने के बावजूद उपभोक्ता के सभी फेस में बिजली उपलब्ध नहीं होती जिसके कारण आधा घर अंधेरे में डूबा रहता है। यह समस्या पिछले एक माह से बनी हुई है। बताया जाता है ओवरलोड के कारण ट्रिपिंग और लो वोल्टेज की समस्या लगातार रहती है। लेकिन सवाल यह उठता है कि ओवरलोडिंग की जिम्मेदारी किसकी है।

81 लाख रुपए की ठगी करने वाला गिरफ्तार

जयपुर। चौमूं थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए फर्जी दस्तावेजों से प्लाट बेचकर 81 लाख रुपए की ठगी के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

थानाधिकारी प्रदीप शर्मा ने बताया कि फर्जी दस्तावेजों से प्लाट बेचकर एक महिला से 81 लाख रुपए की ठगी के मामले में श्रीमाधोपुर जिला सीकर निवासी किशनलाल यादव (48) को गिरफ्तार किया गया है। आरोपित ने

एक महिला को धर्म की बेटी बता कर 81 लाख रुपए की ठगी की है। आरोपित किशनलाल ने महिला को झांसा दिया कि रामेश्वरम धाम में सीकर रोड पर उसके नाम का प्लॉट है। उसने प्लॉट में अच्छा मुनाफा मिलने का लालच देकर पीड़िता को विश्वास में लिया और चौमूं उप पंजीयक कार्यालय में फर्जी दस्तावेज पेश कर रजिस्ट्री करा दी।

जब पीड़िता ने रजिस्ट्री के बाद जमीन पर कब्जा लेना चाहने पर पूरा मामला सामने आया। जहां पता चला कि न तो जमीन आरोपी के नाम थी और न ही दिया गया पट्टा असली था। जिस पर पर पुलिस ने आरोपी किशनलाल यादव गिरफ्तार किया गया।पुलिस जांच में पता चला कि किशनलाल यादव पहले भी कई लोगों के साथ इसी तरह की ठगी कर चुका है। उसके खिलाफ अन्य थानों में भी धोखाधड़ी के मामले दर्ज हैं।

सड़को के लिए 1915 करोड़ रुपये की स्वीकृति

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बताया की केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राजस्थान में केंद्रीय सड़क अवसंरचना निधि (सीआरआईएफ) के तहत कुल 1000.90 किलोमीटर लंबाई की 40 राज्य सड़क परियोजनाओं के लिए 1914.71 करोड़ की स्वीकृति प्रदान की है। इसकी स्वीकृति आगामी एक दो दिवस में प्राप्त हो जाएगी।

इसके साथ ही प्रदेश में 104.49 किमी हाईवे परियोजनाओं के निर्माण के लिए केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा लगभग 1394 करोड़ रुपये की लागत की नई परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का इन स्वीकृतियों के लिए आभार जताया है।

उन्होंने बताया की 1914.71 करोड़ लागत की इन परियोजनाओं में मुख्य रूप से विभिन्न राज्य सड़कों (31 प्रमुख जिला सड़कें, 8 राज्य राजमार्ग और 1 अन्य जिला सड़कें) के खंडों का मजबुतीकरण और चौड़ाईकरण शामिल है। इससे राजस्थान के विभिन्न हिस्सों में बेहतर सड़क संपर्क और निर्बाध यात्रा प्रदान करने में मदद मिलेगी।

- कुल 1000.90 किलोमीटर लंबाई की 40 राज्य सड़क परियोजनाओं के लिए 1914.71 करोड़ की स्वीकृति प्रदान का
- 4 लेन के नागौर बायपास निर्माण और नागौर नेत्रा खंड के चार लेनकरण कार्य के लिए 1394 करोड़ रु मंजूर

इसके साथ ही 1394 करोड़ की लागत से चार लेन के नागौर बाईपास (अमरपुरा से गोगेलाव) का निर्माण तथा नागौर नेत्रा सड़क के 4 लेन का कार्य की स्वीकृति प्राप्त हुई है।

'योग दिवस से पूर्व भाजपा प्रदेशभर में आयोजित करेगी योग कार्यक्रम'

जयपुर। भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल ने 21 जून अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को लेकर भारतीय जनता पार्टी की ओर से आयोजित कार्यक्रमों पर प्रेसवार्ता को संबोधित किया। सांसद दामोदर अग्रवाल ने बताया कि देशभर में 21 जून को योग दिवस मनाया जाएगा। इससे पूर्व 19 और 20 जून को भारतीय जनता पार्टी प्रदेशभर में योग कार्यक्रम आयोजित करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा प्रदेश, संभाग, जिला, मंडल स्तर पर संगठनात्मक रूप से योग दिवस के कार्यक्रम आयोजित करेगी। इस दौरान भाजपा के सभी 44 जिलों के 1137 मंडलों में लगभग 1500 से अधिक योग के कार्यक्रम होंगे। भाजपा योग दिवस से पूर्व प्रदेश के नगर पालिका, नगर परिषद एवं नगर निगमों में एक से अधिक कार्यक्रम आयोजित करेगी। इस दौरान कस्बा क्षेत्रों में महिलाओं के भी अलग से कार्यक्रम होंगे। कई स्थानों पर नवाचारों के साथ कार्यक्रम संपादित करने के प्रयास है। योग कार्यक्रम के साथ-साथ योग प्रशिक्षकों को सम्मानित भी किया जाएगा।

सांसद दामोदर अग्रवाल ने योग दिवस को लेकर आयोजित कार्यक्रमों पर प्रेसवार्ता को संबोधित किया।

भाजपा सांसद दामोदर अग्रवाल ने कहा कि योग दुनिया को भारत द्वारा दिए गए सबसे बड़े उपहारों में से एक है। योग शारीरिक व्यायाम से कहीं बढ़कर, जीवन जीने की एक शैली है, जो मानसिक स्पष्टता, भावनात्मक स्थिरता और आध्यात्मिक शांति प्रदान करता है। आज इसकी प्रासंगिकता खास तौर पर प्रबल है। उन्होंने कहा कि ''योगाभ्यास से एकात्मकता की भावना का सृजन होता है - मन, शरीर और बुद्धि की एकात्मकता, अपने परिवारों के साथ, जिस समाज में हम रहते हैं उसके साथ, साथी मनुष्यों के साथ, उन समस्त पक्षियों, पशुओं और वृक्षों, जिनके साथ हम अपने सुंदर ग्रह को साझा करते हैं, के साथ एकात्मकता, यही योग है।

भाजपा सांसद दामोदर अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस प्रतिवर्ष 21 जून को मनाया जाता है। यह दिन उत्तरी गोलार्ध में वर्ष का सबसे लम्बा दिन होता है और योग भी मनुष्य को दीर्घायु बनाता है।

'सरकार का क्रिटिकल मिनरल्स की खोज व खनन पर खास जोर'

जयपुर। राजस्थान में खनिजों की खोज के लिए अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स व मशीन लर्निंग तकनीक का भी सहयोग लिया जाएगा। प्रमुख सचिव खान एवं भूविज्ञान टी. रविकान्त ने बताया कि पायलट प्रोजेक्ट के तहत भीलवाड़ा और भरतपुर के साथ ही चित्तोड़गढ़ के कुछ स्थानों पर एआई के माध्यम से क्रिटिकल एवं स्ट्रेटेजिक खनिज संभावित क्षेत्रों को चिन्हित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि खनिज क्षेत्र में नवाचार के तहत एआई के उपयोग का निर्णय लिया गया है और इसके लिए राजस्थान स्टेट मिनरल एक्सप्लोरेशन ट्रस्ट आरएसएमईटी द्वारा केन्द्र सरकार एवं नोटिफाइड प्राइवेट एक्सप्लोरेशन एजेंसी के साथ काम शुरु किया जाएगा।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा जो कि प्रदेश के खान मंत्री भी है, प्रदेश को खनिज खोज व खनन क्षेत्र में देश का अव्वल प्रदेश बनाने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहे हैं। आज प्रमुख खनिजों की नीलामी में राजस्थान समूचे देश में शीर्ष पर आ गया है वहीं खनिज क्षेत्र से राजस्व में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। अब राज्य के भूगर्भ में छिपे बेशकीमती खनिजों के खोज कार्य को गति देने पर जोर दिया जा रहा है।

डॉ. निर्मल जैन ने परिवहन मंत्री गडकरी से भेंट की

जयपुर। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा परिषद, परिवहन मंत्रालय, भारत सरकार के सदस्य डॉ. निर्मल जैन ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से औपचारिक भेंट की। इस अवसर पर डॉ. जैन ने राजस्थान राज्य में सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों, नवाचारों एवं जन-जागरूकता अभियानों की विस्तृत प्रगति रिपोर्ट माननीय मंत्री को प्रस्तुत की।

प्रस्तुत रिपोर्ट में सड़क सुरक्षा हेतु विभिन्न जिलों में चलाए जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम, स्कूलों और कॉलेजों में आयोजित जागरूकता कार्यशालाएँ, हेलमेट और सीट बेल्ट उपयोग पर चल रहे अभियान, तथा सड़क संकेतों के सही प्रयोग को लेकर किए गए प्रयासों का उल्लेख किया गया। डॉ. जैन ने मंत्री महोदय को अवगत कराया कि राजस्थान में सड़क सुरक्षा को लेकर जनसहभागिता बढ़ रही है और स्वयंसेवी संस्थाओं, स्कूलों, कॉलेजों, ट्रैफिक पुलिस एवं स्थानीय प्रशासन के सहयोग से सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु ठोस कार्य हो रहे हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि इन सफल पहलों को अन्य राज्यों में भी मॉडल के रूप में अपनाया जा सकता है। गडकरी ने डॉ. जैन के प्रयासों की सराहना की और सड़क सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषय में सतत योगदान के लिए शुभकामनाएँ दीं।

'जस शो-2025' का मुख्यमंत्री को आमंत्रण, पोस्टर का विमोचन किया

जयपुर। जयपुर स्थित जेईसीसी में 4 से 6 जुलाई को आयोजित होने वाले तीन दिवसीय बी टू बी जस शो में आमंत्रित करने हेतु मुख्यमंत्री भजनलाल जी से सीएमआर में जस शो कमेटी के सदस्यों ने मुलाकात कर आमंत्रण दिया।मुख्यमंत्री भजनलाल जी ने 5 जुलाई को होने वाली अवार्ड नाईट में मुख्य अतिथि के नाते उपस्थित रहने की स्वीकृति प्रदान की है।ज्वैलर एसोसिएशन जयपुर के वाईस प्रेसिडेंट व जस शो के को-कन्वेनर राजू मंगोड़ीवाला ने बताया कि इस अवसर पर जस शो के पोस्टर का विमोचन किया गया और मुख्यमंत्री जी ने पूर्व के कार्यक्रम की सराहना करते हुये आगामी जस शो की बधाई दी।इससे पूर्व मुख्यमंत्री भजन लाल जी का जस शो के कन्वेनर अशोक माहेश्वरी व एक्जीक्यूटिव मेम्बर विजय केडिया ने गुलस्ता भेंट किया, टीम के अन्य सदस्यों को-कन्वेनर नरेश अग्रोहा, कोषाध्यक्ष गोविंद प्रकाश अग्रवाल ,एक्जीक्यूटिव मेम्बर अनिल तांबी, महावीर कुमार डागा व जस कमेटी मेम्बर सुरेश डड्ढा ने पिछले कार्यक्रम के जस शो टीम का मोमेंटो भेंटकर अभिनंदन किया। देश में विशिष्ट पहचान वाले बी टू बी जस शो व्यवसायियों को अपनी व्यवसायिक जरूरतों को पूरा करने और नए अवसरों की खोज करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है,इस अवसर पर ज्वैलर एसोसिएशन जयपुर के वाईस प्रेसिडेंट व जस शो के को-कन्वेनर राजू मंगोड़ीवाला, जस शो के कन्वेनर अशोक माहेश्वरी,को-कन्वेनर नरेश अग्रोहा, कोषाध्यक्ष गोविंद प्रकाश अग्रवाल,एक्जीक्यूटिव मेम्बर विजय केडिया, एक्जीक्यूटिव मेम्बर अनिल तांबी,महावीर कुमार डागा व जस कमेटी मेम्बर सुरेश डड्ढा सहित जस शो के प्रबुद्ध व्यावसायी मौजूद रहे।

- सुविख्यात बी टू बी जस शो 4 से 6 जुलाई जेईसीसी जयपुर में होगा

तीन दिवसीय बी टू बी जस शो में आमंत्रित करने हेतु मुख्यमंत्री भजनलाल जी से सीएमआर में जस शो कमेटी के सदस्यों ने मुलाकात कर आमंत्रण दिया।

विधानसभा अध्यक्ष जायेंगे फ्रांस और जर्मनी

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी फ्रांस और जर्मनी जायेंगे। दो देशों की यात्रा के लिए देवनानी मंगलवार को प्रात: जयपुर से सड़क मार्ग द्वारा नई दिल्ली जायेंगे, जहां से वे दोपहर में पेरिस के लिए रवाना होंगे। राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के तत्वावधान में आयोजित इस अध्ययन यात्रा के दौरान देवनानी वहां दोनों देशों की संसदीय परम्पराओं का अध्ययन करेंगे।

विधान सभा अध्यक्ष देवनानी इस सात दिवसीय अध्ययन यात्रा के दौरान फ्रांस और जर्मनी की संसदीय प्रक्रियाओं और पद्धितयों का अध्ययन करेंगे। देवनानी राजस्थान विधान सभा में किये गये नवाचारों के अनुभवों को भी इस अध्ययन यात्रा के दौरान फ्रांस और जर्मनी के सांसदों से साझा करेंगे। देवनानी का फ्रांस के अपर हाउस सीनेट और लोअर हाउस नेशनल असेम्बली तथा जर्मनी के अपर हाउस बुंडेसरात और लोअर हाउस के बुंडेसटाग अवलोकन करने का भी कार्यक्रम है। देवनानी राष्ट्र मंडल संसदीय संघ के 68वें सम्मेलन से पूर्व विभिन्न देशों की संसदीय प्रक्रियाओं की जानकारी के लिये यह अध्ययन यात्रा कर रहे है।

- दो देशों की संसदीय प्रक्रियाओं और पद्धितयों की अध्ययन यात्रा करेंगे, मंगलवार को होंगे रवाना

राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की फ्रांस और जर्मनी की यह सात दिवसीय यात्रा संसदीय सहभागिता, लोकतांत्रिक आदान-प्रदान और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

देवनानी इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के राष्ट्रीय संसदों, स्थानीय विधान संस्थानों और विभिन्न सांस्कृतिक एवं शैक्षिक संस्थानों का भ्रमण कर उच्चाधिकारियों और निर्वाचित जनप्रतिनिधियों से विचार-विमर्श करेंगे। देवनानी इस अध्ययन यात्रा में डिजिटल विधायी प्रक्रियाओं और सामाजिक समावेशन पर भी विस्तार से विचार-विमर्श करेंगे।

राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि यह यात्रा भारत की लोकतांत्रिक परम्पराओं और राज्य विधान सभाओं की क्षमताओं को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने का सशक्त माध्यम होगा। उन्होंने कहा इससे निश्चित ही संसदीय कार्यों को और अधिक समृद्ध बनाने में मदद मिलेगा।

देवनानी दोनों देशों के संसद प्रमुख और वरिष्ठ सांसदों से मुलाकात करेंगे और संसदीय प्रक्रियाओं पर चर्चा करेंगे। श्री देवनानी का दोनों देशों में भारतीय मिशन के वरिष्ठ अधिकारियों, भारतीय प्रवासियों, रामाकृष्ण वेदांतिक केन्द्र के पदाधिकारियों और विज्ञान एवं तकनीक से जुड़े विशेषज्ञों, भारतीय समुदाय के प्रमुख लोगों से मुलाकात और चर्चा करने का कार्यक्रम है। श्री देवनानी दोनों देशों में भारतीय दूतावासों के उच्च अधिकारियों के साथ भी बैठक करेंगे। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी के साथ यात्रा में विधान सभा के प्रमुख सचिव श्री भारत भूषण शर्मा भी जायेंगे। विधान सभा अध्यक्ष देवनानी फ्रांस और जर्मनी की संसदीय परम्पराओं के अध्ययन के साथ ही वहां के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक स्थलों का भ्रमण भी करेंगे।

कार्यक्रम में योग प्रतियोगिताएं बनीं युवाओं का आकर्षण

जयपुर। भारत सरकार के आयुष विभाग की ओर सेराष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान पुणे के तत्वावधान में 11 वें योग दिवस के उपलक्ष में विभिन्न स्थानों पर किए जा रहे सिग्नेचर योगा इवेंट्स में सीतापुरा स्थित स्वास्थ्य कल्याण इंस्टिट्यूट ऑफ़ नेचुरोपैथी एवं योग साइंसेज में योग अनप्लग्ड कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का समापन 19 जून को होगा। कार्य्क्रम के मुख्य अतिथि एम्स जोधपुर के अध्यक्ष और स्वास्थ्य कल्याण ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूशन तथा राजस्थान अस्पताल के चेयरमेंन डॉक्टर एस एस अग्रवाल होंगे। इंस्टिट्यूट के प्राचार्य डॉक्टर एकलव्य बोहरा ने यह जानकारी देते हुए बताया कि योग अनप्लग्ड कार्यक्रम में युवाओं को योग से जोड़ने के लिए इंटर कॉलेज कंपटीशन आयोजित किया जा रहे हैं। इनमें पांच ऑनलाइन एवं 7 ऑफलाइन कंपटीशन शामिल हैं। उन्होंने बताया कि कंपटीशन में योगा रील कंपटीशन, योगा पोस्टर कंपटीशन, योगा निबंध लेखन प्रतियोगिता शामिल हैं। इसी प्रकार ऑफलाइन प्रतियोगिताओं में योगासन एडवांस पोस्चर, समूह योग, योग भाषण प्रतियोगिता इत्यादि आयोजित किया।

उजाड़ क्षेत्र में आएगी समृद्धि, टूटे घर और सपने दोनों को जोड़ेंगे : ओम बिरला

■ लोकसभा अध्यक्ष ने कालीसिंध पर बने उच्च स्तरीय पुल सहित 105 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास किया

कोटा, (निसं)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को सुल्तानपुर क्षेत्र के बूढ़ादीत-बड़ौद में कालीसिंध नदी पर बने उच्च स्तरीय पुल सहित 105 करोड़ रुपए की लागत से तैयार विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इनमें उच्चस्तरीय पुल, सीमेंटेड सड़कें, कक्षा-कक्ष, और ग्रामीण बुनियादी ढांचा शामिल हैं।

बिरला ने कहा कि इस क्षेत्र के ओलावृष्टि से प्रभावित परिवारों को राहत देने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत क्षेत्र में 3000 मकानों की स्वीकृति दी गई है। मैंने उस पीड़ा को देखा इसलिए हमने उन टूटे सपनों को फिर से खड़ा करने का संकल्प लिया हैं। यह पहली बार है जब प्राकृतिक आपदा के बाद केंद्र सरकार ने नियमों में बदलाव कर मानवीय आधार पर यह निर्णय लिया है। शेष वंचित परिवारों के लिए भी सूची तैयार की जा रही है। बिरला ने कहा कि वर्षों से उपेक्षित रहे इन क्षेत्रों में अब गांव-गांव को मजबूत सड़कों से जोड़ा जा रहा है। क्षेत्र में 57 करोड़ रुपए की लागत से सुल्तानपुर से नीमौदा-उजाड़ तक सीमेंटेड सड़क की स्वीकृति मिल चुकी है, जबकि मंडावर से रोटेदा तक की वर्षों पुरानी परियोजना को वाईल्डलाईफ क्लीयरेंस मिलने के बाद गति दी गई है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सुल्तानपुर क्षेत्र के बूढ़ादीत-बड़ौद में कालीसिंध नदी पर बने उच्च स्तरीय पुल सहित 105 करोड़ रुपए की लागत से तैयार विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया है।

बड़ौद में बड़ौद-चंबल ढीपरी के मध्य बने उच्च स्तरीय पुल का लोकार्पण किया गया, जिससे बरसात में भी संपर्क बाधित नहीं होगा और दर्जनों गांवों को सीधा लाभ मिलेगा। विभिन्न योजनाओं के तहत चंबल नदी का जल अंतिम छोर के खेतों तक पहुंचेगा, जिससे 4,000 हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी। इससे न केवल खेती को मजबूती मिलेगी, बल्कि किसान पारंपरिक फसलों से आगे बढ़कर बागवानी और फलोत्पादन की दिशा में भी आगे बढ़ेंगे। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि क्षेत्र में 'हर घर नल से जल' योजना के तहत शुद्ध पेयजल की आपूर्ति के लिए व्यापक पाइपलाइन नेटवर्क का निर्माण किया जा रहा है।

नोनेरा बांध से घर-घर तक पानी पहुंचाने की योजना आगामी 3 वर्षों में पूर्ण की जाएगी। बिरला ने कहा कि अब महिलाओं को मीलों दूर पानी लाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

बिरला ने कहा कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से जुड़ने के बाद क्षेत्र के किसान अब केवल अन्नदाता नहीं, बल्कि स्मार्ट उत्पादक बनेंगे। फलों व सब्जियों को दिल्ली और मुंबई की मंडियों तक 4-7 घंटे में पहुंचाने के लिए कोल्ड स्टोरेज, फूड प्रोसेसिंग यूनिट और लॉजिस्टिक नेटवर्क तैयार किया जा रहा है। क्षेत्र को दिल्ली-उज्जैन-पाटन को जोड़ने वाले मार्गों पर भी कार्य चल रहा है, जिससे व्यापार और धार्मिक पर्यटन को बल मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष प्रेम गोचर, इटावा प्रधान रिंकू मीणा, सुल्तानपुर प्रधान कृष्णा शर्मा ने अपने सम्बोधन विकास कार्यों के लिए स्पीकर बिरला का आभार जताया। कार्यक्रम में भाजपा नेता रामगोपाल बैरवा, प्रदेश उपाध्यक्ष मोतीलाल मीणा, महिला मोर्चा अध्यक्ष आशा त्रिवेदी, जिला परिषद सदस्य प्रेरणा गौतम, प्रियंका कौशिक, पंचायत समिति सदस्य नीतू मेरोठा, सरपंच भैरूलाल सुमन, रामप्यारी बाई, संजू मालव, मंडल अध्यक्ष चेतराम मीणा, भाजपा नेता प्रहलाद पंवार आदि मौजूद रहे।

'प्री-मानसून वर्षा के बाद सोयाबीन की बुआई नहीं करें किसान'

कोटा, (निस)। जिले में प्री-मानसून वर्षा के बाद किसानों द्वारा सोयाबीन की बुआई कर दी जाती है जिसमें कम अंकुरण एवं धीमी फसल बढ़वार की समस्या प्राथमिकता से देखने को मिलती है। जिले में लगभग 20 से 30 मिली मीटर वर्षा हुई है, जबकि खरीफ फसलों में बुआई से पहले लगभग 100 से 150 मिली मीटर वर्षा का होना आवश्यक है। संयुक्त निदेशक कृषि (वि.) अतीश कुमार शर्मा ने बताया कि प्री-मानसून में हुई वर्षा मृदा को संतृप्त करने के लिए पर्याप्त नहीं है। साथ ही, वर्तमान में औसत तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से अधिक है जो सोयाबीन के अंकुरण एवं वृद्धि के लिए उपयुक्त नहीं है।

संयुक्त निदेशक ने किसानों को हिदायत दी है कि वर्षा होने के बाद ही सोयाबीन फसल की बुआई करें। किसान सोयाबीन फसल की बुआई में जल्दी नहीं करें, क्योंकि सोयाबीन की बुआई 10 जुलाई तक बिना उत्पादन प्रभावित हुए की जा सकती है। सोयाबीन में बीज अंकुरण एक प्रमुख समस्या है। किसान बुआई के लिए प्रमाणित बीज का उपयोग करें एवं वे किसान जो स्वयं का बीज बुआई के लिए काम में ले रहे हैं वे जूट की बौरी में बीजों को उगाकर देख लें एवं अंकुरण लगभग 70 प्रतिशत होने पर ही बुआई करें। किसान स्वयं के बीज के अंकुरण की जांच बीज परीक्षण प्रयोगशाला में निःशुल्क करवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि सोयाबीन की फसल में अंकुरण से 4-5 पत्ती की अवस्था तक करीब 10 से 15 प्रतिशत पौधे बीज एवं मृदा जनित रोगों के कारण मर जाते हैं। बुवाई से पहले प्रति किलो बीज को 3 ग्राम थाइरम या 1 ग्राम कार्बेन्डाजिम या 6 से 8 ग्राम ट्राईकोडर्मा कल्चर से उपचारित करें।

104 यूनिट रक्त संग्रहित

कोटा, (निसं)। भारतीय स्टेट बैंक के कोटा क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा एसबीआई बैंक के 70 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर क्षेत्रीय प्रबंधक नवीन लखवानी के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस पुनीत अवसर पर मानव संसाधन प्रबंधक चेतन नागर, मुख्य प्रबंधक अरुण कुमार सिन्हा तथा आर. पी. मीणा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। रक्तदान शिविर में एसबीआई की विभिन्न शाखाओं के स्टॉफ सदस्यों तथा खाताधारकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस शिविर में कुल 104 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया, जिसे कृष्णा रोटरी ब्लड सेंटर के सहयोग से संग्रहित किया गया।

हथियार सहित आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। शहर पुलिस अधीक्षक डॉक्टर अमृता दुहन के निर्देश के बाद, शहर में अवैध हथियार की खरीद-फरोख्त, अवंचित गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत नांता थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुखबिर की सूचना पर पटियाल चौथ माता मंदिर के पास एक युवक संदिग्ध नजर आने पर उसके तलाशी ली तो उसके पास से जेब में एक तेज धारदार बटनदार चाकू मिला। जिस पर पुलिस ने आर्म्स एक्ट में करवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया तथा अवैध तेज धारदार बटनदार चाकू को जप्त किया गया। अभियुक्त मंगल के खिलाफ पुलिस थाना नान्ता पर प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारुप)
(व्यवहार प्रक्रिया संहिता की पहली अनुसूची संख्या 4)
नाम अदालत सिविल न्यायाधीश, दक्षिण स्थान कोटा
मधु वर्मा विरुद्ध प्रभाकर गुप्ता वगै.
वाद / प्रार्थना-पत्र : 145/2025
प्रार्थना संख्या ....
नाम कमलेश गोस्वामी पत्नी दीपक पुरी जाति...... पता- खड़े गणेश जी के पास, रंगबाड़ी, कोटा उक्त प्रार्थीया ने इस अदालत में यह आवेदन किया है कि .... अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आपके आवेदन के विरुद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए ता. 05 मास 07 सन् 2025 को 10:00 AM पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्पर्क रुप से अनुदेश दिया गया हो उपसंज्ञात हो यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आवेदन की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रुप में किया जायेगा। यह आज ता. 28 मास 05 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
मुद्रा
सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट दक्षिण कोटा

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय सिविल न्यायाधीश, दक्षिण स्थान कोटा
मधु वर्मा विरुद्ध प्रभाकर गुप्ता वगै.
बाबत : 07R1
वाद संख्या : 162/2025
बनाम कमलेश गोस्वामी पत्नी दीपक पुरी जाति ...... स्थान- खड़े गणेश जी के पास, रंगबाड़ी, कोटा ने आपके विरुद्ध .... के लिए संस्थित किया जाता है। आपका इस न्यायालय में तारीख 05 माह 07 सन् 2025 को दिन में 10:00 AM बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) के लिए समय दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक् अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद में सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में हैं पेश करें। जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रुप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लेखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। यह आज तारीख 28 माह 05 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
मुद्रा
सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट दक्षिण कोटा

सार-समाचार

निःशुल्क समर कैंप की शुरुआत

रामगंजमण्डी, (निसं)। गायत्री मंदिर पर गायत्री परिवार की युवा शाखा द्वारा बाल स्पंदन समर कैंप की शुरुआत हुई। कैम्प की शुरुआत नगरपालिका अध्यक्ष अखिलेश मेडतवाल और अंतर्राष्ट्रीय योग प्रशिक्षक महक सोनी ने मां गायत्री का दीप प्रज्वलित करके की। कैम्प के पहले दिन की शुरुआत योग से हुई। जिसमें महक सोनी ने बच्चों की एकाग्रता और आत्मविश्वास को बढ़ाने सम्बन्धी ध्यान ओर योगाभ्यास करवाया। पंकज काला ने हमको अपने भारत की मिट्टी से अनुपम प्यार है गीत के द्वारा देशभक्ति, साहस व माता-पिता की सेवा की प्रेरणा दी। कोरियोग्राफर सलोनी मेवाड़ा ने देश भक्ति गीत पर नृत्य सिखाया। वहीं रंगकर्मी अभिषेक तिवाड़ी ने बच्चों को अभिनय के गुर सिखाए। शिविर में 70 बच्चों ने भाग लिया। अतिथि शैलेश काला वीरेन्द्र जैन और अखिलेश मेडतवाल ने गायत्री परिवार के इस शिविर को अनोखा बताते हुए सराहना करते हुए कहा कि गायत्री परिवार बाल स्पंदन शिवर के माध्यम से बच्चों को भारतीय संस्कृति से जोड़ने का कार्य कर रहा है ताकि वे अपनी धार्मिक ओर सांस्कृतिक पहचान को समझ सके स संचालन पंकज काला ने किया। शिविर में दिनेश खंडेलवाल, योगेन्द्र शर्मा, मनीष गुप्ता व प्रमोद गौड़ आदि सदस्यों ने सेवाएं दी। शिविर प्रभारी आशीष पोरवाल ने सभी का आभार जताया।

बिजली कटौती को लेकर कांग्रेस करेगी प्रदर्शन

रामगंजमंडी, (निसं)। उपखण्ड क्षेत्र में लगातार हो रही बिजली कटौती को कांग्रेस बड़ा मुद्दा बनाने की तैयारी में है। कांग्रेस जल्द ही इसको लेकर उपखण्ड स्तरीय धरना प्रदर्शन करने की तैयारी कर रही है। नगर कांग्रेस अध्यक्ष पवन बाबेल ने कहा बिजली कटौती और लो वोल्टेज की समस्या से शहर और गांव की जनता जूझ रही हैं। भाजपा की सरकार में व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। बिगड़ी बिजली व्यवस्था से किसान भी परेशान है। साथ ही जगह जगह झूलते तार हादसों का कारण बने हुए है। दिनभर बिजली की ट्रिपिंग और मेंटिनेंस के नाम पर बार बार बिजली गुल होने से आमजन परेशान हो रहा है। पूर्व पालिका उपाध्यक्ष रमेश मीना ने बताया कि आगामी 5 दिनों में उपखण्ड की बिजली व्यवस्था में सुधार नही किया जाता है तो कांग्रेस कार्यकर्ता सड़क पर उतरकर धरना प्रदर्शन करेंगे।

सड़क हादसे में बाइक सवार तीन घायल

छबड़ा (निसं)। कुंभराज-निपानिया सडक मार्ग पर सोमवार को कार व बाइक में हुई टक्कर में तीन जनों घायल हो गए। जिन्हे प्राथमिकी उपचार के बाद बारां रैफर कर दिया है। घटना के बाद कार सडक से नीचे जा उतरी। जानकारी अनुसार छबडा की ओर से कार जा रही थी वहीं बडोदिया की तरफ से एक बाइक आ रही थी कि कुंभराज सड़क मार्ग पर निपानिया के निकट आमने-सामने की टक्कर हो गई, जिसमे बाइक सवार बाबूलाल, दस वर्षीय लक्षिता व आठ वर्षीय एक लड़का गंभीर घायल हो गया। जिन्हें उपचार के लिए छबड़ा चिकित्सालय लाया गया, यहां चिकित्सक ने उनका प्राथमिक उपचार के तीनों को गंभीर अवस्था के चलते बारां रैफर कर दिया है।

कवर्ड शेड की पट्टियां टूटकर गिरी

छबड़ा (निसं)। कृषि उपज मंडी में सोमवार को कवर्ड शेड की छत से पट्टियां टूटकर नीचे आ गिरी, गनीमत रही कि यहां कोई जनहानि नही हुई। बताया जा रहा है कि शेड की पूर्व में भी पट्टियां टूट चुकी है और अभी वर्तमान में कुछ पट्टियां अधर में ही लटक रही है।

नगर निगम कोटा दक्षिण ने जन-जागरूकता रैली निकाली

■ आने-जाने वाले लोगों को गंदगी व कचरा न फैलाने की शपथ दिलाई

कोटा, (निसं)। स्वच्छ भारत मिशन 2.0 एवं राज्य सरकार द्वारा प्रदेश भर मे आयोजित वन्दे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत सोमवार को प्रातः नगर निगम कोटा दक्षिण के नेता प्रतिपक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक विवेक राजवंशी के नेतृत्व में मेडिकल कॉलेज से काली माता मंदिर तक साफ-सफाई करते हुए श्रमदान किया गया। तत्पश्चात मेडिकल कॉलेज से काली माता मंदिर मुख्य मार्ग से होते हुए जन जागरूकता रैली निकाली, जिसमे लोगों को सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने का आव्हान किया गया एवं प्लास्टिक से होने वाले नुकसानों के बारे में भी बताया और सूखे- गीले कचरे को अलग-अलग क्रमश नीले व हरे डस्टबिन मे डालने पर जोर दिया।

आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से रैली के दौरान विभिन्न बैनरों व पोस्टरों का प्रयोग किया गया। नगर निगम के अधिकारी व कर्मचारियों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान वहाँ आने-जाने वाले लोगों को गंदगी व कचरा न फैलाने की शपथ दिलाई, साथ ही लोगों से कोटा शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाने के लिए तालाबों, बावड़ियों, कुंडों, नालों, सड़कों आदि पर कचरा न फैंकने की अपील की। कार्यक्रम में अभियान के संयोजक विवेक राजवंशी, पार्षद गोपालराम मंडा, पार्षद योगेश आहलूवालिया, पार्षद भानुप्रताप सिंह, पार्षद राकेश पुटरा, मंडल अध्यक्ष दीनू बंजारा, पूर्व पार्षद जितेंद्र सोनी, पथिक अरोरा, जीतू राठौड़, अरविन्द शर्मा, मनोज गुप्ता, जगदीश शर्मा, विनोद सेन, अरविन्द सिसोदिया एवं नंदलाल प्रजापति तथा नगर निगम कोटा दक्षिण की स्वास्थ्य अधिकारी ऋचा गौतम स्वास्थ्य निरीक्षको, जमादारों व अन्य सफाईकर्मियों के साथ उपस्थित रहे।

कोटा दक्षिण नगर निगम के द्वारा श्रमदान के पश्चात जागरूकता रैली निकाली गई है।

वार्षिक पुरस्कार वितरण एवं सांस्कृतिक संध्या आयोजित

कोटा, (निसं)। रोटरी क्लब कोटा द्वारा वार्षिक पुरस्कार वितरण एवं सांस्कृतिक संध्या 'राइफा अवार्ड्स 2025' का आयोजन भव्यता के साथ करणी पैलेस, बारां रोड स्थित भव्य सभागार में सम्पन्न हुआ।

इस कार्यक्रम के आयोजन में आयोजकों ने सारी नैतिकता और संवेदनशीलता ताक पर रख दी। कार्यक्रम में रोटेरियन और इवेंट मैनेजमेंट के कार्यक्रम होना सामान्य बात है लेकिन विदेशी बाला को बुलाकर डांस करवाना विचारणीय विषय है कि सेवा के लिए समर्पित क्लब इस तरीके के कार्यक्रम को कैसे अंजाम दे सकता है। सेवा के लिए सदस्यों से इकट्ठा किये गये पैसे का ऐसा दुरूपयोग रोटरी क्लब में कभी कभी नहीं देखा गया।

आश्चर्यजनक बात यह है लोकसभा स्पीकर ओम बिरला और उनके बड़े भाई नागरिक सहकारी बैंक के अध्यक्ष राजेश बिरला को भी इस आयोजन में होने वाले ऐसे कार्यक्रमों को लेकर धोखे से अंधेरे में रखा गया। उन्हें बताया ही नहीं कि कार्यक्रम में रशियन बालाएं ठुमके लगाएगी। हालांकि उनके आने से पूर्व ही इस कार्यक्रम को अंजाम दे दिया गया था। कचोटेने वाला पहलू तो यह है कि कार्यक्रम में क्लब के काफी सीनियर मैबर थे लेकिन क्लब के पैसे के दुरूपयोग पर आंखें मूंदकर रखी। जहां एक तरफ देश में पहलगाम हमला, विमान हादसा जैसे हादसों से दुख एवं संवेदनशीलता का माहौल है वही कोटा में रोटरी क्लब के द्वारा ऐसा आयोजन किया जाना जिसमें विदेशी महिलाओं को बुलाकर उनका डांस करवाया गया हो वह संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है। कार्यक्रम के बाद क्लब के सदस्यों को कहते जरूर सुना गया वाह रे रोटरी तेरी सेवा। हमने इस विषय पर क्लब अध्यक्ष का पक्ष भी जानना चाहा परंतु उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

रोटरी और रोटेरियन के द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों को सम्मान और पुरस्कृत करना एक अच्छा कदम है। लेकिन इस कार्यक्रम को सादगी के साथ भी अंजाम दिया जा सकता था।

सेवा करने वालों का सम्मान महत्वपूर्ण है इसलिए हम यहां यह भी बता रहे हैं की सेवा के लिए कौन से रोटेरियन सम्मानित हुए हैं।

सेवन वंडर्स पार्क से योग श्रृंखला शुरू

कोटा, (निसं)। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के अंतर्गत आमजन में योग के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए सोमवार को सेवन वंडर्स पार्क में योगाभ्यास शिविर का आयोजन किया गया। यह आयोजन आयुर्वेद विभाग और लायन्स क्लब कोटा के संयुक्त तत्वावधान में जिला प्रशासन के सहयोग से किया गया। योग शिविर में आयुर्वेद, योग एवं चिकित्सा महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने सहभागिता निभाई।योग दिवस पर किए जाने वाले योग प्रोटोकॉल का अभ्यास करके दिखाया। अधिकाधिक लोगों को 21 जून को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस में भाग लेने हेतु प्रेरित करना है। इस पर डॉ.आर.बी.गुप्ता, डॉ.पत्तासिंह सोलंकी, डॉ.प्रवीण सिंह मीणा, और डॉ.पवन सोनी सहित आयुर्वेद विभाग के अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में योग प्रेमी उपस्थित रहे।

कार्यालय कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा
क्रमांक:-एफ-15/कृ.भू.रू./2025/485 विज्ञप्ति दिनांक:-16.6.2025
सर्व साधारण को जर्ये विज्ञप्ति सूचित किया जाता है कि ग्राम रंगबाडी में स्थित कृषि भूमि योजना कृष्णा नगर भूखंड संख्या 127 खसरा नं. 65 आवेदक/आवेदिका श्रीमती अनिता गौड पत्नी श्री राजेन्द्र कुमार गौड निवासी कस्तुरचन्द जी की बाडी अन्ता जिला बारां राज. द्वारा ऑनलाईन नाम हस्तान्तरण हेतु प्राधिकरण कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त भूखंड का पट्टा क्रमांक 5386 दिनांक 13.06.2008 को श्रीमती सुमन भार्गव पत्नी श्री ओ.पी. भार्गव के पक्ष में जारी किया गया था। पट्टाधारी द्वारा उक्त भूखंड का बैचान जर्ये रजि. विक्रय पत्र दिनांक 07.01.2025 को जर्ये मुख्तारआम श्री राजेन्द्र कुमार गौड पुत्र श्री कस्तुरचन्द गौड द्वारा आवेदिका के पक्ष में किया गया है।
अत: श्रीमती अनिता गौड पत्नी श्री राजेन्द्र कुमार गौड के पक्ष में नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर 7 योम कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा लिखित में अद्योहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करें। मियाद गुजर जाने के बाद आपत्ति मान्य नही होगी।
उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा
क्रमांक:-एफ11/विक्रय/2025/138 विज्ञप्ति दिनांक:-13.6.2025
कोटा विकास प्राधिकरण कोटा की योजना स्वामी विवेकानन्द नगर व्यावसायिक भूखण्ड संख्या 201 कॉर्नर को आवंटन/न्यास के पत्र क्रमांक 1218 दिनांक 09.01.2023 को श्री हेमराज पारेता पुत्र श्री छितर लाल पारेता को आवंटन किया गया था। उक्त भूखण्ड की विक्रय स्वीकृति जर्ये मुख्तारआम श्री रोहित चौधरी पुत्र श्री रविन्द्र सिंह द्वारा कोटा विकास प्राधिकरण कोटा से चाही जा रही है।
अत: जरिये आम सूचित किया जाता है कि इस विक्रय स्वीकृति में किसी को कोई एतराज या आपत्ति हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर-अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त भूखण्ड संख्या-201 कॉर्नर योजना स्वामी विवेकानन्द नगर व्यावसायिक की विक्रय स्वीकृति श्री हेमराज पारेता पुत्र श्री छितर लाल पारेता जर्ये मुख्तारआम श्री रोहित चौधरी पुत्र श्री रविन्द्र सिंह के नाम जारी कर दी जावेगी।
उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

कार्यालय नगर निगम, कोटा दक्षिण (राज.)
क्रमांक:-ननिकोद/जोन-प्रथम/भ.नि.अनु./2025/3394 दिनांक: 16.6.25
स्वामित्व हस्तांतरण बाबत सार्वजनिक विज्ञप्ति
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री भगवत सिंह राजावत पुत्र श्री हिम्मत सिंह राजावत निवासी भूखंड संख्या 899 शास्त्री नगर दादाबाड़ी कोटा (राज.) ने नगर निगम कोटा दक्षिण में आवेदन प्रस्तुत कर भूखंड संख्या 899 शास्त्री नगर दादाबाड़ी कोटा क्षेत्रफल 1800 वर्गफुट का स्वामित्व स्वयं के नाम हस्तांतरण करने का निवेदन किया है। भूखंड संख्या 899 शास्त्री नगर दादाबाड़ी कोटा क्षेत्रफल 1800 वर्गफुट का स्वामित्व कार्यालय नगर निगम कोटा द्वारा पत्र क्रमांक ननिको/मुख्यालय/भ.नि.अनु./2010/1862 दिनांक 12.05.2010 से श्री हिम्मत सिंह पुत्र स्व. श्री नारायण सिंह के नाम हस्तांतरित किया गया। श्री हिम्मत सिंह राजावत ने जर्ये रजिस्टर्ड वसीयत नामा दिनांक 10.04.2017 से उक्त भूखंड की वसीयत श्री भगवत सिंह राजावत पुत्र श्री हिम्मत सिंह राजावत के नाम कर दी। श्री हिम्मत सिंह राजावत का देहावसान दिनांक 23.11.2024 को हो जाने के उपरांत आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन अनुसार नगर निगम कोटा दक्षिण में उक्त भूखंड के स्वामित्व नाम हस्तान्तरण की कार्यवाही की जा रही है। उक्त भूखंड का स्वामित्व नाम हस्तांतरण करने में किसी व्यक्ति, संस्था या अन्य किसी को भी उक्त भूखंड से संबंध रखता है, को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस में अपनी आपत्ति लिखित में उपायुक्त, नगर निगम कोटा दक्षिण कार्यालय में प्रस्तुत करें। बाद मियाद आपत्ति मान्य नहीं होगी।
उपायुक्त नगर निगम कोटा दक्षिण

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी कृषि भूमि रुपान्तरण नगर परिषद बारां
क्रमांक:-नपबा/रुपा./2025/1461-62 **लोक सूचना** दिनांक:-
श्रीमती हंसा कुमारी पत्नी श्री विष्णु प्रसाद शर्मा निवासी रिद्धिका नगर बारां तह. व जिला बारां राजस्थान ने इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन (आवासीय प्रयोजनार्थ) के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है। अर्थात :-

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नं.	क्षेत्र
बारां तहसील व जिला बारां	कल्याणपुरा	485/293	0.6400 है.

इसलिये इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिये भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।
उपयुर्क्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा।
यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज.......को जारी की गयी।
प्राधिकारी अधिकारी आयुक्त नगर परिषद बारां

कोटा मंडल एक्सप्रेस ट्रेनों के समय पालन में अव्वल

कोटा, (निसं)। मंडल यात्री ट्रेनों के समय पालन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है जिसके मद्देनजर कोटा मंडल ने जून माह में 96 फीसदी ट्रेनों को समय पर चलाने के साथ भारतीय रेल में अव्वल रहा है साथ ही 13 जून को मंडल में चलने वाली 95 एक्सप्रेस ट्रेनों का समय पालन शत प्रतिशत (100 प्रतिशत) मेन्टेन कर रिकार्ड बनाया है। इसके अलावा कोटा मंडल में फरवरी 2025 में एक बार, मार्च 2025 में 06 बार, अप्रैल 2025 में 01 बार एवं मई 2025 में 01 बार शत-प्रतिशत (100 प्रतिशत) समय पालन की उपलब्धि हासिल की है।

यह कार्य परिचालन विभाग की बेहतर योजना एवं सभी विभागों के आपसी समन्वय तथा उचित टाईम टेबल के कारण संभव हो सका। इस कार्य में रेलवे के सभी विभागों द्वारा उनके सभी संसाधनों का सही रख-रखाव किया गया है जिसके लिये सभी विभाग बधाई के पात्र है।

मंडल रेल प्रबंधक अनिल कालरा के कुशल मार्गदर्शन तथा अपर मंडल रेल प्रबंधक ललित कुमार धुरंधर द्वारा की गई नियमित मॉनिटरिंग एवं वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक विनोद कुमार मीना एवं उनकी टीम के द्वारा किये गये सराहनीय कार्य से कोटा मंडल द्वारा लगातार समयपालन में उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज कराई जा रही है।

पेंशन की मांग को लेकर सद्‌बुद्धि यज्ञ, आर.टी.यू. गेट पर विरोध प्रदर्शन किया

कोटा, (निसं)। राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय रिटायर्ड व सेवारत कर्मचारियों ने लंबित दो वर्ष से अधिक पुरानी पेंशन की मांग को लेकर सोमवार को टेण्ट लगाकर आरटीयू गेट पर सदबुद्धि यज्ञ करके विरोध प्रदर्शन किया। यह जानकारी प्रवक्ता पी.पी.गुप्ता ने दी। प्रवक्ता पी.पी.गुप्ता ने बताया कि पेंशन लागू नहीं करने के विरोध में आज चौथे दिन लगभग 120-125 कर्मचारियों ने पेंशन शीघ्र लागू करने के लिए सदबुद्धि यज्ञ में आहूतियां दी गई। गुप्ता ने बताया कि इस कार्यक्रम में जयपुर से, जोधपुर व भीलवाड़ा से भी रिटायर्ड कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। जिसमें प्रोफेसर पूर्व कुलपति एच.डी.चारण, आरटीयू के पूर्व उप-कुलपति प्रोफेसर ओप्रकाश छंगाणी ने विशेष कर जयपुर व जोधपुर से पहुंचकर हिस्सा लिया है। गुप्ता ने बताया कि सभी कर्मचारी एक साथ कुलपति सचिवालय में पेंशन की मांग को लेकर कुलपति से वार्ता करने के लिए गये, लेकिन जानकारी हुई कि वो ऑफिस शाम 4 बजे आयेंगे।

सभी रिटायर्ड कर्मचारी वापिस पैदल मार्च करते हुए कुलपति आवास पर पहुंचे, वहां पर गार्ड ने जाने से रोका और ऑफिस में मिलने के लिए बोला, लेकिन लोगों में काफी रोष व्याप्त था, जैसे-तैसे कुलपति ने चार लोगों को वार्ता हेतु अंदर बुलवाया जिसमें पूर्व प्रोफेसर ओ.पी.छंगाणी, प्रो.एम.एल. गुप्ता, प्रो. आर.श्रृंगी, प्रो.राजेश सिंहल वार्ता में सम्मिलित हुए।

राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय रिटायर्ड व सेवारत कर्मचारियों ने लंबित दो वर्ष से अधिक पुरानी पेंशन की मांग को लेकर सद्‌बुद्धि यज्ञ किया है।

वार्ता 30-40 मिनट तक चली, उसके बाद वार्ता में प्रमुखत ओ.पी. छंगाणी ने बाहर आकर कर्मचारियों को बताया कि अभी कुछ दिन पूर्व गवर्नर हाउस से पत्र प्राप्त हुआ था जिसमें आरटीयू की वित्तीय स्थिति के बारे में मदवाई जानकारी चाही गई है, जिसके प्रत्युत्तर में कुलपति ने आश्वस्त किया कि आज ही हम पत्र प्रेषित कर रहे हैं, जिसमें प्रबन्ध मण्डल की 47वीं बैठक में लिये गये निर्णय की अनुपालना में पुरानी पेंशन योजना के सफल एवं सुचारू रूप से निरूविरोध संचालन हेतु विश्वविद्यालय के वित्तीय संसाधनों से अर्जित आय से वर्ष दर वर्ष पेंशन के लिए आवश्यकतानुसार बजट का प्रावधान किया जाएगा। सभी चीजे पोजिटीव है, हो सकता है मैं भी आज कल में जयपुर गवर्नर हाउस जाकर वस्तुस्थिति की जानकारी करूंगा, ताकि समाधान शीघ्र हो सके, आप लोगों को पेंशन शीघ्र मिले। पत्र का जवाब आने के बाद अविलंब कार्यवाही पेंशन की स्वतः की जाएगी, इसमें किसी तरह का कोई विलंब नहीं होगा।

आज के सदबुद्धि यज्ञ में हिस्सा लेने वाले रिटायर्ड कर्मचारियों में प्रोफेसर ओ.पी. छंगाणी, एम. एल.गुप्ता, आर. श्रृंगी, राजेश सिंहल, डी.एम. मेहता, आर.सी. बोहरा, एम.के. सक्सेना, दिवाकर शर्मा, अशोक शर्मा, डॉ. ए.आर. वर्मा, डॉ. बी.पी. सुनेजा, अन्नपूर्णा भागर्व, राजीव राजोरा, कर्मचारियों में अजय सिंह, पी.पी.गुप्ता, हरिकुमार शर्मा, मुकेश जैन, आर. के.जैन, बी.पी.शर्मा, अशोक पारीक, राजेश बोहरा, भीकमचंद, हीरेन्द्र भागर्व, धर्मवीर मेवाड़ा, जमनालाल भार्गव, हरिशंकर आदि सैंकडों की संख्या में रिटायर्ड कर्मचारी उपस्थित रहे।

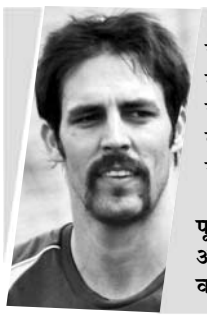

जोश हेजलवुड पिछले कुछ समय से फिटनेस की समस्याओं से जूझ रहे हैं लेकिन नेशनल टीम की जगह उन्होंने आईपीएल में लौटने का फैसला किया। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की तैयारियों पर ये बड़ा सवाल खड़ा करती है। **- मिशेल जॉनसन**

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की हार का जिम्मेदार ठहराते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

पारसा मंसूर

इजरायल और ईरान के बीच जंग गंभीर मोड़ पर पहुंच चुका है। दोनों तरफ से एक-दूसरे के खिलाफ हमले जारी है। वहीं राष्ट्रीय पैडल टीम के एक प्रमुख सदस्य पारसा मंसूर की मौत हो गई है। पारसा मंसूर की मौत उस वक्त हुई जब वह ट्रेनिंग के बाद घर लौट रहे थे और मिसाइल हमलों में वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे और बाद में उन्होंने दम तोड़ दिया। ईरानी टेनिस महासंघ और खेल समुदाय ने मंसूर की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है अपने समर्पण और केल कौशल के लिए पहचाने जाने वाले मंसूर को खेल में उभरता सितार माना जाता था।

क्या आप जानते हैं ?... हेडिंग्ले क्रिकेट ग्राउंड पर भारत और इंग्लैंड के बीच कुल 7 टेस्ट खेले गए हैं, इनमें से टीम इंडिया ने 2 टेस्ट जीते हैं। 1996 और 2002 में भारत जीती थी।

भारतीय टीम के साथ आज फिर से जड़ेंगे गौतम गंभीर

लंदन, 16 जून। भारत बनाम इंग्लैंड के बीच शुक्रवार को शुरु होने वाले टेस्ट मैच से पहले भारतीय टीम के प्रमुख कोच गौतम गंभीर कल फिर से दल के साथ जुड़ जाएंगे।

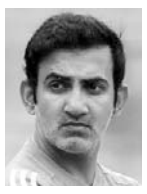

गौतम गंभीर अस्पताल में भर्ती मां के बिगड़ते स्वास्थ्य के कारण 11 जून को इंग्लैंड से दिल्ली लौट आए थे। गंभीर की अनुपस्थिति में रायन टेन डेशकाटे, सहायक कोच सितांशु कोटक और गेंदबाजी कोच मॉर्ने मोर्कल ने टीम की तैयारी की निगरानी की। इंडिया ए के कोच ऋषिकेश कानितकर भी उनके साथ थे। ऐसा माना जा रहा है कि गंभीर की मां के स्वास्थ्य में अब सुधार है और वह मंगलवार को भारतीय टीम के साथ जुड़ जायेंगे। पहले टेस्ट को देखते हुए गंभीर को टीम प्रबंधन के साथ मिलकर कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लेने होंगे। जसप्रीत बुमराह को पांच टेस्ट में से तीन टेस्ट खेलने है। लेकिन यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि वह कौन से तीन मैचों में खेलेंगे। इसके अलावा साई सुदर्शन और वापसी कर रहे करुण नायर के हालिया प्रदर्शन को देखते हुए विकल्पों पर विचार करना होगा।ध्रुव जुरेल और अभिमन्यु ईश्वरन भी अच्छी फॉर्म में हैं। नीतीश कुमार रेड्डी और शार्दुल ठाकुर के बीच भी चयन को लेकर भी फैसला लेना होगा।

चौगान स्टेडियम में ग्रीष्मकालीन क्रीड़ा प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन

जयपुर, 16 जून। ग्रीष्म कालीन क्रीडा प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि स्वामी बाल मुकुंद आचार्य विधायक हवा महल विधानसभा क्षेत्र द्वारा किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ में खेल अधिकारी

मानसिंह द्वारा 16 जून से 30 जून तक आयोजित होने वाले प्रशिक्षण शिविर के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि कैंप के माध्यम से सभी खेलों के प्रतिभावान खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा। कैंप के समापन समारोह में चयनित प्रतिभावान खिलाड़ियों को पुरस्कार दिया जाएगा। खेल अधिकारी द्वारा मुख्य अतिथि बालमुकुंद आचार्य का माल्यार्पण कर स्वागत किया गय। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि सुरेश गुर्जर (जिला महामंत्री भा.ज.पा.), कैलाश महावर (पूर्व पार्षद), राजेंद्र पारीक एवं कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी उपस्थित हुए। सभी अतिथियों का खेल प्रशिक्षकों द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि द्वारा खिलाड़ियों को खेलों के महत्व के बारे में बताया गया एवं सरकारी योजनाओं का खिलाड़ियों के को अधिक से अधिक कैसे फायदा मिले उसके बारे में समझाया। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि स्वामी बालमुकुंद आचार्य द्वारा ग्रीष्मकालीन क्रीडा प्रशिक्षण शिविर प्रतिभा खोज का विधिवत उद्घाटन की घोषणा की गई।

क्रिकेटर अंडर-23 टूर्नामेंट हेतु ट्रायल 18 जून से

जयपुर/दौसा, 16 जून। जिला क्रिकेट संघ दौसा के सचिव बृजकिशोर उपाध्याय ने बताया गया कि राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा अंडर -23 टूर्नामेंट 1 जुलाई से होना प्रस्तावित है। जिसके लिए जिला क्रिकेट संघ दौसा द्वारा 18 जून प्रात: 8 बजे से राजेश पायलट राजकीय स्टेडियम में ट्रायल रखी गई है। चयन ट्रायल में आने वाले खिलाड़ियों की आयु 1/9/2002 के बाद की होना आवश्यक है। सभी खिलाड़ियों को अपने मूल दस्तावेज लाना अनिवार्य है। पिछले 3 साल की मार्कशीट, कंप्यूटराइज बोनाफाइड सर्टिफिकेट ,जन्म प्रमाण पत्र ,आधार कार्ड स्वयं और माता पिता का साथ ही सभी दस्तावेज डिजिटल लाना अनिवार्य है। सचिव उपाध्याय ने बताया कि जिले की टीम का परिणाम आशनुरूप नहीं आ रहा है। हमने जिले के खिलाड़ियों को खूब मौके दिए है परन्तु खिलाड़ी अच्छा परिणाम नहीं दे पाये है इसलिए टीम में इस बार से प्रोफेशनल खिलाड़ी भी लिए जायेंगे। दौसा की टीम को मजबूत बनाने हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे है। टीम में चयन को पारदर्शी बनाने हेतु जिले से बाहर के कोच से ट्रायल में सिलेक्शन किया जाएगा। ट्रायल के बाद खिलाड़ियों को शॉर्ट लिस्ट कर ,जिस फॉर्मेट में टूर्नामेंट होगा उसी फॉर्मेट के हिसाब से खिलाड़ियों की टीम बनाकर अधिक से अधिक मैच कराए जाएंगे। उन मैच की परफॉर्मेंस के हिसाब से चयन समिति द्वारा जिले की टीम घोषित की जाएगी।

विमेंस वनडे वर्ल्ड कप में 5 अक्टूबर को टकराएंगे भारत-पाकिस्तान

नई दिल्ली, 16 जून। श्रीलंका और भारत की मेजबानी में होने वाले महिला वनडे (वर्ल्ड कप 2025) 30 सितंबर से 2 नवंबर के बीच होगा। 8 टीमों के बीच टूर्नामेंट में कुल 31 मैच खेले जाएंगे, जिसके पूरे शेड्यूल की जानकारी सामने आई है। इस पूरे टूर्नामेंट में सबसे चर्चित मैच भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाला है।

विमेंस वनडे वर्ल्ड कप 2025 का पहला मैच मंगलवार, 30 सितंबर को बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। इसमें मेजबान भारत और श्रीलंका आमने सामने होगी। हाइब्रिड मॉडल के तहत होने वाले इस आयोजन में पाकिस्तान क्रिकेट टीम अपने सभी मैच कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेलेगी।वहीं भारत के साथ वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, साउथ अफ्रीका और श्रीलंका शामिल हैं। इसके अलावा फॉर्मेट की बात करें तो राउंड-रॉबिन के बाद

नॉकआउट स्टेज में 2 सेमीफाइनल होंगे। वहीं भारत और पाकिस्तान के बीच महिला वर्ल्ड कप का ये मैच 5 अक्टूबर को श्रीलंका के कोलंबो स्थिति आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जाएगा। गौरतलब है कि, ऑस्ट्रेलिया 7 बार महिला वनडे वर्ल्ड कप की विजेता बन चुकी है, वहीं इंग्लैंड ने चार बार और न्यूजीलैंड एक बार चैंपियन बनी है। भारतीय टीम कभी महिला वनडे वर्ल्ड कप नहीं जीत सकी है, लेकिन 2 बार उपविजेता जरूर बनी है।

वर्ल्ड कप में भारतीय टीम का शेड्यूल

30 सितंबर - भारत और श्रीलंका - बेंगलुरु-3 बजे
5 अक्टूबर - भारत और पाकिस्तान - कोलंबो, 3 बजे
9 अक्टूबर - भारत और द. अफ्रीका - विजाग- 3 बजे
12 अक्टूबर - भारत और ऑस्ट्रेलिया - विजाग 3 बजे
19 अक्टूबर - भारत और बांग्लादेश - इंदौर-3 बजे
23 अक्टूबर - भारत और न्यूजीलैंड - गुवाहाटी-3 बजे
26 अक्टूबर - भारत और इंग्लैंड - बेंगलुरु-3 बजे

इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में यशस्वी के पास इतिहास रचने का मौका

लंदन, 16 जून। 20 जून से शुरू हो रहे पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय युवा खिलाड़ीयशस्वी जायसवाल इतिहास रच सकते हैं। दरअसल, यशस्वी रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराने और वीरेंद्र सहवाग और राहुल द्रविड़ जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ने के कगार पर हैं। टेस्ट क्रिकेट में 2023 में डेब्यू के बाद से ही ये युवा खिलाड़ी ने अपनी छाप छोड़ी है।

उन्हें पहले से ही दुनिया के बेहतरीन युवा खिलाड़ियों में गिना जाता है। बाएं हाथ का ये बल्लेबाज रिकॉर्ड बुक में अपना नाम और दर्ज करा सकता है। उसके पास टेस्ट में सबसे तेज 2000 रन बनाने वाले भारतीय बनने का सुनहरा मौका है। यशस्वी जायसवाल ने फिलहा 19 मैच की 36 पारियों में 52.88 के औसत से 1789 रन बनाए हैं। इसमें उनके नाम चार शतक और दस अद्धशतक हैं। अगर वह अगली तीन पारियों में 2000 रन का आंकड़ा पूरा करने में सफल हो जाते हैं तो वह टेस्ट में भारत के लिए सबसे तेज 2000 रन बनाने के मामले में राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग को पछाड़ सकते हैं।

बुमराह-सिराज और जडेजा रच सकते हैं इतिहास

लंदन, 16 जून। स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत शामिल हैं।वहीं इंग्लैंड के खिलाफ पहले ही टेस्ट में भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और रविंद्र जडेजा के पास लीड्स में इतिहास रचने का मौका है। संयोग से ये तीनों ही यहां एक-एक मैच खेले हैं और तीनों ने ही दो-दो विकेट अपने नाम किए हैं। अगर इन तीनों में से जो भी 20 जून से खेले जाने वाले टेस्ट में 6 विकेट लेने में सफल हो जाते हैं तो वह भारत के लिए लीड्स में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाला गेंदबाज बन जाएगा।

73 साल का महारिकॉर्ड पर निगाहें

लीड्स में 73 साल पहले भारतीय गेंदबाज गुलाम अहमद ने बनाया था। उन्होंने 1952 में खेले गए एक ही मैच में सात विकेट चटकाए थे। इसके बाद रोजर बिन्नी ने 1996 में सात विकेट अपने नाम कर गुलाम अहमद के रिकॉर्ड की बराबरी की। इसके बाद 2002 में अनिल कुंबले सात विकेट चटकाते हुए भारत को आखिरी बार यहां जिताया। इस तरह रोजर बिन्नी और अनिल कुंबले ने गुलाम अहमद के रिकॉर्ड की बराबरी तो की लेकिन उनसे आगे नहीं निकल पाए।

राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड क्वार्टर फाइनल मैच

श्रीगंगानगर के सुमित गोदारा का शानदार दोहरा शतक

जयपुर, 16 जून।आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य विमल शर्माने बताया कि बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025-26 की पूर्व तैयारियों की लिए आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक व विधायक जयदीपबिहाणी के निर्देशानुसार राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा बीसीसीआई सीनियर रणजी ट्रॉफी क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान सीनियर टीम के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में खेली जा रही राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड क्रिकेट प्रतियोगिता के एक दिवसीय लीग मैचों के सफल आयोजन के बाद आज से जयपुर में प्रतियोगिता के 2 दिवसीय क्वाटर फाइनल मैच शुरू हुए।

आरसीएएडहॉक कमेटी संयोजक व श्रीगंगानगर विधायक जयदीप बिहाणी के 60वे जन्मदिन के अवसर पर के एल सैनी स्टेडियम परआरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य विमल शर्मा, श्रीगंगानगर जिला क्रिकेट संघ सचिव विनोद सहारण, नागौर जिला क्रिकेट संघ सचिव राजेंद्र नांधू, टोंक जिला क्रिकेट संघ सचिव विवेक व्यास, डूंगरपुर जिला क्रिकेट संघ सचिव सुशील जैन, बूंदी जिला क्रिकेट संघ सचिव राजकुमार माथुर, आरसीए स्टाफ व राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड का क्वाटर फाइनल मैच खेल रही टीमों के सदस्यव मैच ऑफिशियल मौजूद थे।विमल के अनुसार जयदीप बिहाणी के जन्मदिन का केक आज के मैच में शानदार दोहरा शतक लगाने वाले श्रीगंगानगर के खिलाडी सुमित गोदारा ने काटा।

के एल सैनी स्टेडियम पर केक काटकर बनाया आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक जयदीप बिहाणी का जन्मदिन एडहॉक कमेटी सदस्य विमल शर्मा ने बताया कि आज

अजीज वेस्ट जोन के तीसरे नंबर व राष्ट्रीय खिलाड़ी महेंद्र ठाकुर को 2-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में

जयपुर, 16 जून। स्वर्गीय देवकी ठाकुर स्मृति जयपुर जिला ओपन रैंकिंग कैरम प्रतियोगिता के तीसरे दिन, चौगान स्टेडियम पर खेली जा रही इस प्रतियोगिता के पुरुषों के एकल मुकाबले में आशिक़ (साबिर क्लब) ने बिलाल (सईद) को, बॉबी (अली क्लब) ने नाज़िम को , प्रदीप ठाकुर ने दूसरे राउंड में अंकित शर्मा को , हिलाल ने आकिब को 2 -0 से, रमजान ने मोईन को, महेंद्र ठाकुर ने आयुष को 2 - 0 से, तनवीर ने हिशाम को 2 -0 से, जुनैद ने मेहराज को 2 -0 से हराया। एक शानदार हुए मैच में अज़ीज़ ने वेस्ट जोन के तीसरे नंबर व् राष्ट्रीय खिलाडी महेंद्र ठाकुर को 2 - 0 से हरा कर सभी क्वार्टर फाइनल में पहुंचे। महा सचिव जय प्रकाश ठाकुर ने बताया की सेमि फाइनल व् अन्य सभी कल प्रात: 9:30 से शुरू होकर 4 बजे तक ख़तम होकर, पुरुस्कार वितरण शाम 5 :30 होगा जिसमे मुख्य अतिथि भाजपा पूर्व कैबिनेट मंत्री व् लीडर राजेंद्र सिंह राठौर होंगे। अध्यक्ष पूर्व आईएएस अजय सिंह चित्तौरा, भाजपा पूर्व अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी व् जयपुर सांसद मंजू शर्मा होंगी।

आर.डी. बाहेती जिला बैडमिंटन में पदमजा ने चार, गरिमा व रक्षित ने 3-3 खिताब जीते

जयपुर, 16 जून। आर डी बाहेती चैरिटेबल ट्रस्ट जयपुर जिला ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप में जिला बैडमिंटन में पद्मजा सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार खिताब जीते, वहीं रक्षित सिंह मेहरा व गरिमा यादव ने तीन-तीन खिताब जीते। इनके अलावा भानु प्रताप जाटोलिया,अद्विका अग्रवाल, जयवर्धन सिंह, अन्वी राठौर, श्रेयांश चौधरी, अंश कटारा ने भी दो-दो खिताब जीते।

आज पांच फाइनल खेले गए जिसमें बॉयज सिंगल्स अंडर 11 फाइनल में रक्षित सिंह मेहरा ने नैतिक बंसल को 21- 9, 21 -14 हराया। बॉयज सिंगल्स अंडर 13 फाइनल में रक्षित सिंह नेहरा ने लक्ष्यराज सिंह नाथावत को 21 -10, 21 -10 से हराया। तीसरा फाइनल बायस सिंगल्स अंदर-19 में भानु प्रताप जाटोलिया ने 21-9 ,21-17 अम्बर चंद्रवंशी को हराया। बॉयज 13 डबल्स में रक्षित सिंह नेहरा और लक्ष्यराज सिंह की जोड़ी ने और प्रणव- अनीश चाहर की जोड़ी को 21 -12 ,21- 19 से हराया।

बॉयज डबल अंडर-19 के फाइनल में प्रांजल कौशिक व अंबर चंद्रवंशी की जोड़ी ने भानु प्रताप व विशाल चौधरी की जोड़ी को लंबे कड़े संघर्ष के बाद 20-22 ,20- 21, 21-17 से 55 मिनट के कडे संघर्ष में परास्त किया। जिला सचिव मनोज दासोत के अनुसार पारितोषित वितरण मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक में पूर्व चिकित्सा मंत्री कालीचरण सराफ तथा विशिष्ट अतिथि आरडी बाहेती, प्रदीप बाहेती, रिटायर्ड चीफ जस्टिस एन के जैन, यश समिति के अध्यक्ष आशीष सराफ तथा एडिशनल एसपी पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ ने परितोषित वितरण किया इस मौके पर कालीचरण सराफ ने सभी खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया तथा खिलाड़ियों की खेल भावना की तारीफ की। वहीं प्रदीप बाहेती ने खिलाडियों की खेल भावना की तारीफ की।

आयोजन सचिव अतुल गुप्ता ने सभी को यह शानदार आयोजन के लिए बधाई दी। इस मौके पर बैडमिंटन से जुड़े अभय पुरोहित ,मधु कांत मोदी बीजेपी नेता ब्रहम कुमार सैनी, नटवर कुमावत, ललित भारद्वाज, राजपाल यादव, राजीव नागोरी, पराग लश्करी, डॉक्टर करण दीप सिंह आदि उपस्थित रहे।

34वीं सीनियर राष्ट्रीय वुशू प्रतियोगिता में आज राजस्थान के लिए मनोज एवं आनंद ने जीता कांस्य पदक

जयपुर,16 जून। भारतीय वुशू संघ व राजस्थान वुशू संघ के तत्वावधान मे दिनांक 14 से 19 जून तक पूर्णिमा यूनिवर्सिटी मे आयोजित हो रही 34वीं सीनियर राष्ट्रीय (पुरुष/महिला) वुशु प्रतियोगित के तीसरे दिन राजस्थान के लिए मनोज चित्तौडिया ने जिंगि क्वान एवं आनंद सैनी ने नन्क्वान में कांस्य पदक जीते। तीसरे दिन के समारोह के मुख्य अतिथि राहुल सिंघी, कॉफांउडर पूर्णिमा यूनिवर्सिटी, व विशिष्ठ अतिथि भागवान सहाय, जाटवा, ज्वाईंट डायरेक्टर, कृषि मंडी, जीतु शर्मा, निदेशक रामेश्वरम पब्लिक सीनियर सैकण्डरी स्कूल, दीपक चौधरी निदेशक, सैंट विलियम्स सीनियर सैकण्डरी स्कूल, जयदेव मीणा, पार्षद नगर पालिका बगरू, रमेशा सिंह शर्मा, पार्षद, हनुमानराय चौधरी, डेयरी डायरेक्टर, रामनारायण थौरी, सरपंच रहे। हीरानंद कटारिया अध्यक्ष, राजस्थान वूशु संघ ने सभी अतिथियों का साफा पहनाकर व बूके, स्मृति चिन्ह भेट कर स्वागत अभिनन्दन किया।

21 दिवसीय केन्द्रीय आवासीय खेलकूद प्रशिक्षण शिविर का समापन आज

डॉ. नीरज के. पवन, शासन सचिव युवा मामले एवं खेल विभाग व खेल परिषद अध्यक्ष होंगे मुख्य अतिथि

जयपुर, 16 जून। राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद के सचिव राजेन्द्र सिंह सिसोदिया ने बताया कि राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद द्वारा जयपुर में आयोजित 21 दिवसीय केन्द्रीय आवासीय खेलकूद प्रशिक्षण शिविर का मंगलवार को प्रात: 10 बजे सवाई मानसिंह स्टेडियम के इंडोर हॉल में समापन होगा। डॉ. नीरज के पवन, शासन सचिव युवा मामले एवं खेल विभाग व खेल परिषद अध्यक्ष समापन समारोह के मुख्य अतिथि होगें। खेल परिषद अध्यक्ष के अलावा समारोह की अध्यक्षता खेल परिषद के वित्तीय सलाहकार महावीर मीणा और विशिष्ठ अतिथि मुख्य शिविर निदेशक व मुख्य खेल अधिकारी वीरेन्द्र पूनिया होंगे।

21 दिवसीय शिविर 28 मई से आयोजित किया गया था, जिसका समापन मंगलवार को प्रात: होगा। शिविर में प्रदेशभर के खिलाडियों ने 21 दिन तक गहन प्रशिक्षण प्राप्त किया। उन्होने बताया कि प्रतिवर्ष मांउट आबू के अलावा जयपुर में केन्द्रीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान किया जाता है।

मुख्य खेल अधिकारी व मुख्य शिविर निदेशक वीरेन्द्र पूनिया ने बताया कि शिविर में 14 खेलों के बालक/बालिका खिलाडियों को गहन प्रशिक्षण दिया गया। परिषद के वरिष्ठ प्रशिक्षको द्वारा प्रात: काल व सायं काल खेल की बारिकियों व फिटनेस आदि के बारे में बताया गया। शिविर निदेशक व खेल प्रबन्धक रणविजय सिंह चाम्पावत ने बताया कि शिविर में 160 बालक व 135 बालिकाओं सहित कुल 295 खिलाडियों ने भाग लिया। खिलाडियों को शिविर में नि:शुल्क आवास, भोजन और प्रशिक्षण मुहैया करवाई गई।

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर
क्रमांक :- जो.वि.प्रा./जोधपुर/जोन पूर्व/RAJKAJ/15906751 दिनांक :- 13/06/2025
खुली निविदा सूचना संख्या :- पूर्व/02-03/2025-26
जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से प्राधिकरण एवं राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार से सिविल कार्य हेतु मुहरबंद एवं निविदाएं बंद लिफाफे में आमंत्रित की जाती हैं। इन कार्यों की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा शर्तें आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.jodhpurjda.org एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
NIB Code : JOD2526A0045, 49
UBN No. : JOD2526WSOB00112, 00116, 00117
राज.संवाद/सी/25/4326 अधिशाषी अभियंता

कार्यालय नगर परिषद बारां
E-Mail : nagarpalikabaran@gmail.com स्टेशन रोड, बारां (राज0) Phone : 07453-230106
क्रमांक :- नपबा/सफाई/2025/1730 दिनांक :- 13.06.2025
निविदा सूचना संख्या : 10/2025-26
नगर परिषद बारां द्वारा वित्तिय वर्ष 2025-26 हेतु इस कार्यालय आवारा पशुओं को पकड़कर सरकारी अनुदान प्राप्त गौशाला एवं अन्य निर्जन स्थान जहाँ पर पर्याप्त चारा पानी उपलब्ध हो, उस स्थान पर छोडने का कार्य (श्रमिक सहित समस्त संसाधन) के लिए कार्य हेतु ऑनलाईन आमंत्रित की जाती है। इच्छुक संवेदक/फर्म निविदा से संबंधित नियम एवं शर्तें पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in पर भी देख सकते है।
UBN No. DLB2526SSOB07871
आयुक्त
राज.संवाद/सी/25/4368 नगर परिषद बारां

कार्यालय नगरपालिका रामगंजमण्डी जिला-कोटा (राज0)
क्रमांक : न.पा.रा./2025/519 दिनांक 12.06.2025
ई-निविदा सूचना 03/2025-26
नगरपालिका रामगंजमंडी द्वारा कार्यो हेतु पालिका में पंजीकृत एवं विभागों में AA,A,B, Class एवं उपयुक्त श्रेणी संवेदको से लिफाफा पद्धति/ई-निविदा पद्धति से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की निविदा बेचे जाने की दिनांक 16.06.2025 से 29.06.2025 एवं अपलोड करने की दिनांक 16.06.2025 से 29.06.2025 सांय 6 बजे तक। ई.एम.डी./ निविदा शुल्क/प्रोसेसिंग फीस प्राप्त करने की तिथि : 30.06.2025 समय प्रातः 11.00 बजे तक। तकनीकी बिड खोलने कि दिनांक 30.06.2025 को दोप. 2.00 बजे बाद रहेगी। वित्तीय बिड तकनीकी परीक्षण उपरांत खोली जावेगी। निविदा शर्तें आदि सम्पूर्ण विवरण http//sppp.raj.nic.in, http//eproc.rajasthan.gov.in देखी जा सकती है।

SR.NO	NIB	UBN
1	DLB-2526A2466	DLB2526WSOB07786

अधिशाषी अधिकारी
राज.संवाद/सी/25/4334 नगरपालिका रामगंजमण्डी

DR. BHIMRAO AMBEDKAR LAW UNIVERSITY
(A State Funded University of Rajasthan) Plot No. 08, Dehmi Kalan, JDA Institutional Scheme, Bagru, Tehsil- Sanganer, Distt- Jaipur-303007 (Rajasthan)
F.No. F4(24)Exam/ALU/2025-26/1001 Date :- 13/06/2025
NOTICE INVITING E-BID
डॉ भीमराव अम्बेडकर विधि विश्वविद्यालय जयपुर द्वारा परीक्षाओं व अन्य कार्यों हेतु विनिर्दिष्ट निविदादाताओं से खुली ई-निविदा "Hiring of Vehicles category wise on Annual Rate Contract on demand basis" दिनांक 27.06.2025 को अपरान्ह 02.30 बजे तक आमंत्रित की जाती है। विस्तृत निविदा सूचना एवं शर्तें, अनुमानित लागत, बिड प्राप्त करने एवं भरी हुई बिड प्रस्तुत करने की दिनांक, बिड शर्तें आदि का सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://www.sppp.rajasthan.gov.in, http://www.eproc.rajasthan.gov.in एवं विश्वविद्यालय की वेबसाईट http://www.alujaipur.ac.in पर देखी जा सकती है।
UBN : ALU2526SLRC00004
कुलसचिव
राज.संवाद/सी/25/4352 डॉ. भीमराव अम्बेडकर विधि विश्वविद्यालय

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय
जोबनेर 303329, जिला जयपुर (राजस्थान) फोन नं. 01425-254988(का.) e-mail Id : comptroller@sknau.ac.in
क्रमांक :- एफ.03( )वि.नि./कोष./श्रीकनकृविवि/2025/ दिनांक :-
Proposal for Annual Rate Contract are invited up to 11.00 A.M. of 03.07.2025 for rate contract for purchase of glassware, plastic ware and other lab consumables. The details are available in the Bidding Documents which can be availed from the office of The Comptroller, Sri Karan Narendra Agriculture University, Jobner- 303 329 or can be accessed or downloaded from State Procurement Portal website "sppp.rajasthan.gov.in" or "https://eproc.rajasthan.gov.in" or website "www.sknau.ac.in". The bidding document after filling up properly can be uploaded on website "https://eproc.rajasthan.gov.in" along with payment of Rs. 2000/- through banker's cheque/demand draft in favour of The Comptroller, Sri Karan Narendra Agriculture University, Jobner-303329.
UBN is : SKN2526GLOB00100
Raj.Samwad/C/25/4318 Comptroller

कार्यालय नगरपालिका मण्डल, श्रीडूंगरगढ़ (बीकानेर)
नेशनल हाईवे नम्बर- 11, श्रीडूंगरगढ जिला- बीकानेर
Tel. : 01565-224766 E-mail id : nagarpalikadungargarh0@gmail.com
क्रमांक :-न.पा.श्रीडूं/1120 दिनांक :-13.06.2025
निविदा सूचना
नगरपालिका मंडल श्रीडूंगरगढ़ के द्वारा विभिन्न कार्यों के लिए पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा की शर्तें व अन्य विवरण वेबसाईड sppp.rajasthan.gov.in व WWW.etenders.gov.in पर कर दिया गया हैं। जिसके युबीएन नम्बर निम्नानुसार है :-

क्र.सं.	UBN NO
1.	DLB2526GSOB07776
2.	DLB2526GSOB07778
3.	DLB2526GSOB07785
4.	DLB2526GSOB07782

अध्यक्ष अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका श्रीडूंगरगढ नगरपालिका श्रीडूंगरगढ
राज.संवाद/सी/25/4355

जयपुर विकास प्राधिकरण
इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरु मार्ग, जयपुर-302004
क्रमांक : जविप्रा/व.उ.वि./2025-26/09-14 दिनांक: 13.06.2025
पूर्णकालीन बिड सूचना सं.-जविप्रा/व.उ.वि./2025-26/09-14
आयुक्त, जयपुर विकास प्राधिकरण की ओर से प्राधिकरण के उद्यानिकी प्रवर्ग की उचित श्रेणी में पंजीकृत बोलीदाताओं एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के सभी विभागों में 'अअ' व 'अ' श्रेणी में पंजीकृत बोलीदाताओं से ई-विड (E-Procurement) निम्न विवरणानुसार आमन्त्रित की जाती है:-

S. N.	NIB No.	Name of Work	Tender Amount (In lakh)	Sale/Download Date and End Date	Open Date	Job No
1	09	Development and maintenance of Mahima Panash Road Airport road to maharana Pratap circle for 2 year in H. zone-I UBN No.: JDA2526WSOB00231	108.64	14.06.25 / 23.06.25	26.06.25	114/2025-26
2	10	Development and Maintenance of Median and Greenbelt Bharat mata circle to Narayan vihar, (Narayan vihar 200 ft road) and Narayan vihar 200 ft road to Narayan sagar A Block for 2 year in H. zone-I UBN No.: JDA2526WSOB00232	91.69	14.06.25 / 23.06.25	26.06.25	123/2025-26
3	11	Development and maintenance of Mahal Road to Housing Board (Rana Sanga Marg JDA area) and Abkari Thana to NRI Road for 2 year in H. zone-I UBN No.: JDA2526WSOB00234	86.68	14.06.25 / 23.06.25	26.06.25	121/2025-26
4	12	Development and Maintenance of H T Line Greenbelt Narayan vihar 200 ft road to vande matram road for 2 year in H. zone-II UBN No.: JDA2526WSOB00235	104.18	14.06.25 / 23.06.25	26.06.25	125/2025-26
5	13	Maintenance of Median and Greenbelt of Airport Road mahal road to cheelgadi restaurent for 2 year in H. zone-I UBN No.: JDA2526WSOB00236	86.67	14.06.25 / 23.06.25	26.06.25	124/2025-26
6	14	Development and Maintenance of Median and Greenbelt of Prbhu Dayal marg sanganer flyover to hotel runway for 2 year in H. zone-I UBN No.: JDA2526WSOB00237	63.14	14.06.25 / 23.06.25	26.06.25	122/2025-26

नोट :-
1. बिड को बिना कारण बताये निरस्त किया जा सकता है।
2. बिड E-Procurement के जरिए प्राप्त की जायेगी। बोलीदाता द्वारा पंजीयन प्रमाण-पत्र की प्रति प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
3. बिड से सम्बन्धित शर्तें वेबसाईट www.jda.rajasthan.gov.in, http:/eproc.rajasthan.gov.in, sppp.rajasthan.gov.in पर अथवा वरिष्ठ उद्यानविज्ञ के कार्यालय (कमरा नं. NB SF-204) में देखी जा सकती है।
राज.संवाद/सी/25/4353 वरिष्ठ उद्यानविज्ञ

'प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन 10 दिसम्बर को आयोजित होगा

मुख्यमंत्री भजनलाल ने सम्मेलन की कार्ययोजना तैयार करने के लिए बैठक ली

जयपुर, 16 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थानियों ने अपने सामर्थ्य की बदौलत विश्वभर में प्रदेश का मान बढ़ाया है। उन्होंने अपनी कर्मभूमि पर काम करते हुए मातृभूमि पर सामाजिक सरोकारों के कार्यों में पूर्ण रूप से समर्पित होकर कार्य किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों के योगदान के सम्मान में राज्य सरकार आगामी 10 दिसम्बर को प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन का आयोजन करने जा रही है।

शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन-2025 की कार्ययोजना के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों की सहूलियत और उनके मुद्दों के लिए राज्य सरकार एक नए विभाग का गठन करने जा रही है। साथ ही, सभी जिलों में अतिरिक्त जिला कलक्टर को प्रवासी राजस्थानियों से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए नोडल अधिकारी बनाने के संबंध में आदेश एवं गाइडलाइन भी जारी हो चुकी है।

शर्मा ने कहा कि "आपणो अग्रणी राजस्थान" के लक्ष्य की प्राप्ति के क्रम में, प्रदेश में निवेश बढ़ाने के लिए प्रवासी राजस्थानियों का सहयोग लिया जाए। अधिकारी, प्रवासी राजस्थानियों से नियमित संपर्क करें और उन्हें प्रदेश में निवेश के लिए प्रोत्साहित करें।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन-2025 की कार्ययोजना के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित किया। उन्होंने 10 दिसम्बर को होने वाले इस आयोजन को सफल बनाने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिये।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल ने राजस्थान फाउन्डेशन के 14 नये चैप्टर्स की कार्यकारिणी का गठन कर सक्रिय लोगों को जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि फाउन्डेशन अपने विभिन्न चैप्टर्स की बैठक आयोजित कर नियमित संवाद करे।**

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान फाउंडेशन के 14 नए चैप्टर्स के मनोनीत अध्यक्ष कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ कर सक्रिय लोगों को जोड़ें। फाउंडेशन अपने विभिन्न चैप्टर्स की बैठक आयोजित कर निरंतर संवाद भी करे। बैठक में संबंधित विभागों के उच्च अधिकारीगण उपस्थित थे।

हाँगकाँग से दिल्ली आ रहे ड्रीम लाइनर विमान में तकनीकी खराबी

नयी दिल्ली, 16 जून। अहमदाबाद लंदन एयर इंडिया विमान हादसे के चार दिन बाद हांगकांग से दिल्ली आ रहे एयर इंडिया के एक और बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान में उड़ान भरने के चंद मिनट बाद तकनीकी समस्या का पता लगने पर उसे वापस हांगकांग लौटना पड़ा।

सूत्रों के अनुसार हांगकांग से दिल्ली आने वाली एयर इंडिया की उड़ान एआई315 बीती रात 11 बज कर 59 मिनट पर हांगकांग से रवाना हुई थी। रिकार्ड के अनुसार यह उड़ान तीन घंटे नौ मिनट के विलंब से रवाना हुई थी। उड़ान भरने के बाद पायलट को हवा में ही तकनीकी समस्या का संदेह हुआ। इस पर पायलट ने विमान को समुद्र के ऊपर कुछ देर उड़ाया और जब दिक्कत दूर नहीं हुई तो वापस लौटने का फैसला किया।

- **लगभग एक घंटे की उड़ान के बाद एयर इंडिया के इस विमान को पुन हाँगकाँग लौटाया गया, जहां उसकी जांच की जा रही है।**

इसके बाद विमान करीब एक घंटे 19 मिनट बाद अपने मूल स्थान यानी हांगकांग हवाई अड्डे पर वापस लौट आया। विमान स्थानीय समयानुसार एक बज कर 18 मिनट पर हांगकांग हवाई अड्डे पर उतरा। जहां उसकी गहन तकनीकी जांच की जा रही है।

जज की पोस्ट के लिए तीन साल लॉ प्रैक्टिस की अनिवार्यता के खिलाफ याचिका दर्ज

याचिका दायरकर्ता ने इस अनिवार्यता को अनुच्छेद 14 व 16 के तहत मूल अधिकारों का हनन बताया

नयी दिल्ली, 16 जून। सिविल जज (जूनियर डिवीजन) के लिए तीन साल की वकालत अनिवार्य करने के उच्चतम न्यायालय के फैसले के खिलाफ समीक्षा याचिका दायर की गई है।

न्यायिक सेवा के इच्छुक याचिकाकर्ता अधिवक्ता चंद्रसेन यादव शीर्ष अदालत के 20 मई, 2025 के उस फैसले की समीक्षा की मांग की है, जिसमें सिविल जज (जूनियर डिवीजन) के पद के लिए परीक्षा में बैठने के वास्ते बार में कम से कम तीन साल की प्रैक्टिस अनिवार्य की गई है।

शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में देश के सभी उच्च न्यायालयों और राज्य सरकारों को संबंधित सेवा नियमों में संशोधन करने का निर्देश दिया था, जिसके तहत सिविल जज (जूनियर डिवीजन) के रूप में न्यायिक सेवाओं में शामिल होने इच्छुक अभ्यार्थियों को अब अधिवक्ता के रूप में तीन साल का अनुभव अनिवार्य करने का प्रावधान करने को कहा था।

समीक्षा याचिका में यादव ने तर्क दिया कि बार में तीन साल की प्रैक्टिस अनिवार्य करने की मनमानी और अनुचित शर्त लगाने के कारण संविधान के अनुच्छेद 14 और 16 के तहत उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन हुआ है।

उन्होंने दलील दी कि न्यायाधीश पद पर नियुक्ति आवेदक के लिए नए प्रावधान के कारण उनके समान अवसर और सार्वजनिक रोजगार तक उचित पहुंच के अधिकार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

- **अधिवक्ता चंद्रसेन यादव ने याचिका दायर की और यह भी कहा कि तीन साल की अनिवार्यता महिलाओं, पहली पीढ़ी के वकीलों व आर्थिक रुप से कमजोर अभ्यर्थियों को हतोत्साहित कर सकती है।**

अधिवक्ता कुनाल यादव के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया है कि तीन साल की अनिवार्य वकालत के नियम अभी नहीं, बल्कि उसे वर्ष 2027 से ही लागू किया जाना चाहिए। इससे हाल ही में विधि स्नातक हुए (2023-2025) विद्यार्थी अनुचित तौर पर प्रभावित नहीं होंगे, जिन्होंने पिछले पात्रता मानदंडों के अनुसार तैयारी की थी।

शीर्ष अदालत के फैसले पर याचिका में कहा गया,ऐसे नए विधि स्नातकों की संख्या या सफलता दर पर कोई विचार नहीं किया गया, जिन्होंने ऐतिहासिक रूप से न्यायिक सेवाओं में अच्छा प्रदर्शन किया है और प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद न्यायपालिका में प्रभावी ढंग से काम किया है। ऐसे तथ्य के अभाव में, यह निर्णय (शीर्ष अदालत का) संवैधानिक आवश्यकता का उल्लंघन करता है।

याचिकाकर्ता ने यह भी तर्क दिया कि तीन साल की आवश्यकता महिलाओं, पहली पीढ़ी के वकीलों और आर्थिक रूप से कमजोर उम्मीदवारों को हतोत्साहित कर सकती है, जिनके पास स्थिर न्यायिक पद हासिल करने से पहले अनिश्चित वकालत (कानूनी अभ्यास) को बनाए रखने के साधन नहीं हो सकते हैं।

याचिका में कहा गया,न्यायालय को शेट्टी आयोग की सिफारिशों की उचित रूप से सराहना करनी चाहिए थी, जिसमें स्पष्ट रूप से कहा गया था कि यदि युवा और मेधावी विधि स्नातकों को गहन प्रशिक्षण दिया जाता है, तो न्यायिक सेवा में प्रवेश के लिए बार में तीन साल के अभ्यास को पूर्व शर्त के रूप में निर्धारित करना आवश्यक नहीं हो सकता है।

याचिका में यह भी तर्क दिया गया कि इस निर्णय ने विधि स्नातकों के एक पूरे वर्ग को पूरी तरह से अयोग्य घोषित कर दिया जबकि यह प्रमाणित नहीं किया गया कि तीन साल के अभ्यास के बिना प्रत्येक विधि स्नातक को न्यायिक सेवा में प्रवेश के आवेदन के लिए अयोग्य माना जाए।

प्र.मंत्री मोदी आज कैनडा पहुंचेंगे

निकोसिया, 16 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी साइप्रस की यात्रा पूरी करके आज शाम कैनडा के कैलगिरी के लिए रवाना हो गये। मोदी ने लार्नाका अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के पहले एक्स पर साइप्रस के नेताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर लिखा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साइप्रस की यादगार यात्रा पूरी की। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडोलिड्स और साइप्रस के लोगों को उनकी असाधारण गर्मजोशी और आतिथ्य के लिए धन्यवाद दिया। जायसवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए कैनडा जा रहे हैं।

- **प्र.मंत्री कैलगिरी में आयोजित हो रही जी-7 शिखर वार्ता में शिरकत करेंगे।**

करोना संक्रमण ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

छत्तीसगढ़ , दिल्ली, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में एक-एक मरीज की मौत हो गयी है। पिछले 24 घंटों में उत्तर प्रदेश, राजस्थान और कर्नाटक में जहां ज्यादा सक्रिय मामले सामने आये हैं वहीं राष्ट्रीय राजधानी, केरल, तमिलनाडु और गुजरात में सक्रिय मामलों में कमी आयी है। गत 22 मई को देश में कोराना के सिर्फ़ 257 एक्टिव थे जो आज बढ़ कर 7264 तक पहुंच गए। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक इस दौरान 13604 मरीज करोना के संक्रमण से ठीक हो गये हैं। पिछले 24 घंटों में करोना संक्रमण के सबसे अधिक सक्रिय मामले उत्तर प्रदेश से 37, राजस्थान से 30 और कर्नाटक से 18 मामले सामने आये हैं और दिल्ली में 33, केरल में 87 और महाराष्ट्र में 38 मामले कम हुए हैं।

हर माह औसतन 17 बाघों की मौत हो रही है

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के डेटा के अनुसार, गत साढ़े 5 महीनों में 91 बाघ मारे गए हैं

नई दिल्ली, 16 जून।भारत में इस साल अवैध शिकार, क्षेत्रीय विवाद, मानव-वन्यजीव संघर्ष, ट्रेन दुर्घटनाओं और प्राकृतिक कारणों से अब तक 91 शाही बाघों की मौत हो चुकी है। यह एक खतरनाक आंकड़ा है जिसके मुताबिक देश में हर महीने औसतन लगभग 17 बाघों की मौत हो रही है।

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) के आंकड़ों के अनुसार पिछले साढ़े पांच महीनों में अवैध शिकार, क्षेत्रीय विवाद, मानव-वन्यजीव संघर्ष, ट्रेन दुर्घटनाओं और प्राकृतिक कारणों से 91 बाघ मारे गए हैं। यह खतरनाक आंकड़ा बताता है कि हर महीने देश में औसतन 17 बाघ मौत के मुंह में समा रहे हैं।

अगर यही सिलसिला जारी रहता है तो इस साल बाघों की मौत के कुल मामलों की संख्या पिछले साल के 126 के आंकड़े को पार कर सकती है।

- **प्राधिकरण के अनुसार बाघों की मौत के लिए अवैध शिकार, क्षेत्राधिकार की लड़ाई, मानव-वन्यजीव संघर्ष, ट्रेन हादसे तथा प्राकृतिक कारण जिम्मेवार हैं।**

गौरतलब है कि 2019 से 2023 तक की पांच साल की अवधि में समूचे भारत में कुल 628 बाघ मारे गए हैं।

इस बीच 2025 के पहले पांच महीनों में बाघो की मौत से जुड़े आंकड़े हर राज्य में असमान ही है जिसमें आधे से अधिक यानी 49 मौतें मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में हुई हैं जहाँ ट्रेन दुर्घटनाएँ और संक्रामक रोग भी इनकी मौत के जिम्मेदार पाये गये हैं1

अकेले महाराष्ट्र में ही 26 बाघों की मौत की सूचना है। उसके बाद मध्य प्रदेश में 24 बाघों की मौत हुई। अन्य प्रभावित राज्यों में केरल (नौ), असम (आठ), उत्तराखंड (सात), कर्नाटक और उत्तर प्रदेश (चार-चार) और तेलंगाना (एक) शामिल हैं।

आंकड़ो से जानकारी मिली है कि 42 बाघ अपने अपने संरक्षित स्थानों के अंदर ही मृत पाए गए जो प्राकृतिक कारणों या क्षेत्रीय लड़ाई के कारण हो सकते हैं। वहीं 35 बाघ इन संरक्षित क्षेत्रों के बाहर मरे पाए गए।

इस क्षेत्र में काम कर रहे एक गैर सरकारी संगठन 'भारतीय वन्यजीव संरक्षण सोसायटी' (डब्ल्यूपीएसआई) से उपलब्ध डेटा अधिक चिंताजनक है। यह दर्शाता है कि 2025 में बाघों की मौतों में वृद्धि हुई है जिसमें अब तक 120 मौतें दर्ज की गई हैं।

'बार-बार निरुत्साहित ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हाईकोर्ट में विचाराधीन है। इसलिए उन्होंने उनके मुवक्किल को अंतरिम जमानत देने की मांग की। इस पर कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इसी तरह की याचिका पहले ही सुप्रीम कोर्ट की तीन-न्यायाधीशों वाली पीठ द्वारा खारिज की जा चुकी है। जस्टिस मेहता ने कहा, "हम इस याचिका के पीछे की रणनीति तथा दलीलों से कतई प्रभावित नहीं हैं। आपकी एसएलपी इस कोर्ट के तीन जजों की बैंच द्वारा पहले ही खारिज की जा चुकी है और अब आप अवकाश के दौरान एक बार खारिज किये जा चुके मामले में उसी राहत को फिर से पाने की कोशिश कर रहे हैं।" जब कोर्ट ने आदेश लिखवाना शुरू किया, तब रोहतगी ने याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया और याचिका वापस ले ली गई।

आरएएस मुख्य ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की जा रही थी, पर परीक्षा स्थगित नहीं होने पर, अंतिम समय पर याचिका दायर की गई है। याचिका में यह भी कहा गया कि भारत-पाक के बीच टकराव के दौरान बॉर्डर एरिया में इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रभावित रही, लाइब्रेरी आदि को भी बंद कर दिया गया, जिससे अभ्यर्थी भी प्रभावित हुए। वहीं, एक्स सर्विसमैन कोटे में आवेदन करने वाले कई अभ्यर्थियों को पुन: ड्यूटी पर बुलाया गया था। इस लिए उन्हें भी अध्ययन का मौका नहीं मिला। याचिका में कहा गया कि आरपीएससी पूर्व में भी कई बार मुख्य परीक्षा को स्थगित कर चुकी है। एक भर्ती में तो मुख्य परीक्षा की तिथि से दो दिन पूर्व ही भर्ती स्थगित की गई थी। ऐसे में अभ्यर्थियों के हितों को देखते हुए, मंगलवार से होने वाली मुख्य परीक्षा को स्थगित किया जाए। वहीं, दूसरी ओर अदालत ने आरएएस भर्ती-2023 के साक्षात्कार में याचिकाकर्ता सुरेश मीणा को शामिल करने को कहा है।

सोनिया ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसी प्रकार आईजीएमजी के डिप्टी मैडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. अमन चौहान ने भी आश्वस्त करते हुए कहा, "उनका ब्लड प्रेशर थोड़ा बढ़ा हुआ था, लेकिन कोई गंभीर बात नहीं थी। केवल सामान्य जाँचें की गईं तथा किसी विशेष जाँच या इलाज की आवश्यकता नहीं पड़ी।" हाल ही में, सोनिया गांधी के प्राय: अस्पताल जाने की खबरें देश भर में सुर्खियों में रही हैं, क्योंकि वे दशकों से भारतीय राजनीति का एक प्रमुख चेहरा रही हैं। हालांकि चिंता की कुछ खबरें सामने आईं, लेकिन दिल्ली और शिमला दोनों जगह से मिले चिकित्सकीय अपडेट यह दर्शाते हैं कि घबराने की कोई बात नहीं है।

भाजपा ने बांग्लादेश उच्चायोग पर प्रदर्शन किया

नयी दिल्ली, 16 जून। नोबेल पुरस्कार विजेता रवीन्द्रनाथ टैगोर के बंगलादेश स्थित पैतृक मकान में तोड़फोड़ के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं ने यहां सोमवार को प्रदर्शन किया।

गौरतलब है कि बंगलादेश के सिराजगंज जिले में स्थित टैगोर का घर अब एक संग्रहालय है। रविवार को एक विवाद के बाद भीड़ ने वहां तोड़-फोड़ की थी।

दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने यहां स्थित बंगलादेश उच्चायोग के बाहर प्रदर्शन किया।

भाजपा कार्यकर्ता तीन मूर्ति चौक स्थित प्रधानमंत्री संग्रहालय पर एकत्र हुए और दो पुलिस बैरिकेड्स तोड़ते हुए बंगलादेश उच्चायोग की ओर बढ़ ने लगे, तो पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोका और चाणक्य पुरी थाने ले गयी। करीब आधे घंटे बाद सभी को चेतावनी देकर छोड़ दिया गया। इस मौके पर सचदेवा ने कहा कि भारत और बंगलादेश दोनों के ही राष्ट्रगान रवीन्द्रनाथ टैगोर ने लिखे हैं।

- **बांग्लादेश में टैगोर के पैतृक आवास पर की गई तोड़फोड़ के खिलाफ यह प्रदर्शन किया गया, भाजपा नेताओं ने कहा, बांग्ला संस्कृति का अपमान बर्दाश्त नहीं है।**

इज़रायल का "आयरन डोम" ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भारत लंबे समय से इज़राइली रक्षा तकनीक को मजबूत, युद्ध-परीक्षित और रणनीतिक रूप से विश्वसनीय मानता आया है। यह छवि अब भी काफी हद तक बरकरार है, लेकिन यह घटना स्पष्ट करती है कि कोई भी प्रणाली अचूक नहीं होती। किसी भी एक डिफेंस लेयर, चाहे वह इज़राइली हो, अमेरिकी हो, रूसी हो या स्वदेशी हो, पर अत्यधिक निर्भरता खतरनाक हो सकती है। भारत को इज़राइली मिसाइल रक्षा के अधिग्रहण को अब एक वास्तविक बहु-स्तरीय और अनुकूलनशील रक्षा ढांचे के निर्माण की आवश्यकता के साथ संतुलित करना होगा।

यह घटना स्वदेशी अनुसंधान और विकास (जैसे डीआरडीओ की आकाश और क्यूआरएसएम प्रणालियाँ) की महत्ता और आयातित व स्वदेशी प्लेटफार्मों के बीच तालमेल की जरूरत को भी रेखांकित करती है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह भारत की अपनी कमजोरियों को भी उजागर करती है, विशेषकर इसके वायु सैन्य अड्डों, शहरी केन्द्रों और पश्चिमी व उत्तरी सीमाओं पर स्थित रणनीतिक परिसंपत्तियों पर सैचुरेशन हमलों के प्रति।

भारत को भविष्य की प्रौद्योगिकी-आधारित प्रतिरोध क्षमताओं में भी निवेश करना होगा, जैसे उच्च-ऊर्जा लेज़र, ड्रोन स्वार्म, एआई, संचालित हवाई क्षेत्र प्रबंधन, और इलैक्ट्रो मैगनैटिक युद्ध प्रणाली, जो पारंपरिक इंटरसेप्टर मिसाइलों की तुलना में अधिक तेज़ी से खतरों का जवाब दे सकती हैं।

इज़राइल-ईरान संघर्ष अब एक बेहद खतरनाक और अभूतपूर्व चरण में प्रवेश कर चुका है, जहाँ सीधे सैन्य हमले और लक्षित हत्याएँ सामने आ रही हैं, और यह इस क्षेत्र, और संभवत: विश्व, को एक बड़े संघर्ष की ओर ले जा सकता है।

13 जून 2025 को, इज़राइल ने "ऑपरेशन राइज़िंग लायन" लॉन्च किया, यह एक व्यापक हवाई हमला था, जिसमें ईरान के भीतर 100 से अधिक ठिकानों को निशाना बनाया गया। इनमें नतांज जैसे परमाणु संवर्धन केन्द्र, भूमिगत सैन्य परिसर, और प्रमुख कमांड सैंटर शामिल थे। यह हमला केवल रणनीतिक नहीं, बल्कि व्यक्तिगत भी था। इस हमले में ईरान के शीर्ष सैन्य अधिकारी मारे गए, जैसे आईआरजीसी कमांडर होसैन सलामी, सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ मेजर जनरल मोहम्मद बाघेरी, वरिष्ठ रणनीतिकार गोलाम अली राशिद, और कई परमाणु वैज्ञानिक। ईरान ने इस हमले को राष्ट्रीय नायकों की सामूहिक हत्या बताया और कम से कम 78 लोगों की मौत तथा 320 से अधिक के घायल होने की पुष्टि की।

इसके जवाब में, ईरान ने मिसाइलों और ड्रोन से समन्वित हमला किया, जिसमें, कुछ रिपोर्टों के अनुसार, 100 से 200 प्रक्षेपास्त्र शामिल थे। इनके लक्ष्य थे, तेल अवीव और यरूशलेम जैसे शहरों का केंद्र और प्रमुख रक्षा प्रतिष्ठान। यह जवाबी हमला इज़राइल की प्रसिद्ध आयरन डोम प्रणाली में एक बड़ी सेंध था। कई मिसाइलें इंटरसेप्ट से बच निकलीं और सीधे शहरी व सैन्य ठिकानों को भेद गईं, जिनमें किरिया कंपाउंड (जो इज़राइल का पेंटागन कहा जाता है) भी शामिल है।

इसका मनोवैज्ञानिक असर तात्कालिक था। इज़राइली शहरों में सायरन गूंज उठे, नागरिक बंकरों में भागे, और आयरन डोम की अजेयता का भ्रम चकनाचूर हो गया।

ट्रंप, इज़रायल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अराग़ची ने भी, अपने एक कथन से इन राजनीतिक प्रयासों की पुष्टि की, जिसमें उन्होंने कहा कि ईरान अब भी परमाणु समझौते पर बातचीत के लिए तैयार है, यह ट्रंप के उस बयान का संभावित जवाब है जिसमें उन्होंने ईरान से परमाणु वार्ता की मेज पर लौटने को कहा था।

अराग़ची ने तेहरान में विदेशी डिप्लोमैट्स से कहा, "हम किसी भी ऐसे समझौते के लिए तैयार हैं जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना हो कि ईरान परमाणु हथियार न बनाए।"

1,500 कश्मीरी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

होगी, बल्कि यह भी साबित करेगी कि वह अपने नागरिकों, विशेष रूप से कश्मीर जैसे संवेदनशील क्षेत्रों के लोगों, की सुरक्षा को कितनी प्राथमिकता देता है।

सहायता के लिए, ईरान में मौजूद भारतीय नागरिक भारतीय दूतावास की 24X7 आपातकालीन हेल्पलाइन पर संपर्क कर सकते है, या, विदेशों में भारतीय नागरिकों के लिए आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से, अपनी स्थिति और संपर्क विवरण पंजीकृत कर सकते हैं।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908